परमेश्वर का बेपर्दा होना

आइए प्रार्थना के लिए हमारे सिर झुकाते हुए कुछ क्षण के लिए खड़े रहें।

2 हमारे अनुग्रहकारी प्रभु, आज हमें जो यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है, उसके लिए हम बहुत ही आभारी हैं प्रभु के आगमन से पहले धरती पर हम अपने आप को एकसाथ एकत्र कर रहे है। होने पाए आज हम आपके वचन के द्वारा अपने हृदय को जांचे और देखें कि क्या हम विश्वास में हैं, जिससे कि हम उसके प्रकट होने के समय के लिए तैयार हो सके। हमें ठीक वैसे ही होना चाहिए जैसा वचन में होने के लिए कहा गया है, "जो सोये हुए है, उनके साथ ऊपर उठा लिए जायेंगे, और हवा में प्रभु से मिलेंगे, और हमेशा के लिए उसके साथ रहेंगे।"

3 हम सच्चे मसीही आत्मा के लिए आपका धन्यवाद देते हैं जो अभी भी लोगों के बीच संसार में है, कि वे अब भी आप पर और आपके वचन पर विश्वास करते हैं। सो हम आज आपकी आशीषों को हम पर मांगते हैं, कि आप हम में से हर एक पर उस चीज की बारिश को दे, जिसकी हमें आवश्यकता है, ताकि हम वचन के द्वारा सींचे जायें, ताकि हम इस अंतिम दिन के लिए आपके हाथों में उपयोग के लिए उपकरण में विकसित हो सकें। क्योंकि हम इसे प्रभु यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं, जो हमारा महान चरवाहा है, जिसे हम प्रगट होने के लिए देख रहे हैं। आमीन।

आप बैठ सकते है।

4 और आज सुबह मैं यह कहना चाहता हूं कि यहां पर फिर से होना मेरे लिए एक बहुत बड़े सौभाग्य की बात है। और हमें खेद है कि हमारे पास बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। और अभी, हम आज रात, बीमारों के लिए प्रार्थना करने की कोशिश करेंगे; आज, आज सुबह, यह थोड़ा मुश्किल होगा।

5 और—और मैं आज के इस संदेश को रिकॉर्ड करने वाला था। मुझे... एक या दो महीने पहले, ऐसा प्रतीत हुआ कि प्रभु ने इस विषय में मुझसे बात की, और यह काफ़ी लंबा संदेश है। और सभाओं में मेरे पास इतना समय नहीं होता, क्योंकि हम सभा के लिए तीस–चालीस मिनट की ही

अनुमति देते हैं। और फिर हम... क्योंकि लोगों को काम पर जाना पड़ता है, इसलिए मुझे लगा कि यदि मैं अपने संदेशों को छोटा करूं तो बेहतर होगा। और वहां उनके पास इसे रिकॉर्ड करने का समय नहीं था, इसलिए मैंने सोचा कि मैं यहाँ आराधनालय आने तक रुका रहूँगा और यहीं से इसे रिकॉर्ड करूँगा। और यह थोड़ा सा लंबा है, और मुझे पता है कि आप लोग खड़े हैं, और मैं—मैं जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी करूंगा। और अब, यदि आप अपनी सीट बदल रहे हैं या कुछ और कर रहे हैं, तो मुझे कोई परेशानी नहीं होगी, इससे—इससे मुझे बिल्कुल कोई आपत्ति नहीं होगी, क्योंकि यह एक विशेष दिन है कि हम अब इस रिकॉर्डिंग को कर रहे हैं।

6 और इसलिए प्रभु ने बाहर प्रचार क्षेत्र में जो कुछ किया है, उसके विषय में हमें बहुत अच्छी रिपोर्ट मिली हैं, लेकिन आज रात शायद हम इस पर और अधिक ध्यान देंगे जब हम इसे दे सकते है, हमारे पास देने के लिए अधिक समय होगा।

7 और अब हम भरोसा करते है कि प्रभु आप सभी को आशीष देगा। मैं जानता हूं कि आपके हृदय आनंद से भरे हुए हैं, और आप प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और मेरा हृदय भी, उमड़ रहा है, उन चीजों को देखते हुए जिस तरह से वे घटित हो रही हैं। और—और राष्ट्रीय झगड़े, और कलीसिया जिस स्थिति में है, और उसके आगमन के चिन्हों को देखते हुए, शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों रूप से, और यह जानते हुए कि उसके प्रकट होने का समय बहुत ही निकट है, यह जानकर हमारा हृदय आनंद से भर जाता है कि इन दिनों में से एक दिन हम बदल जाएंगे। हम इन सृष्टी से बदल जाएंगे जिसमें हम अभी हैं।

8 अब, मैं विश्वास करता हूं, यदि मैं सही समझ रहा हूँ, तो उन्होंने आज सभा को कहीं तो टेलीफोन से जोड़ा हुआ है, जिससे कि यह संदेश फीनिक्स और—और अन्य स्थानों पर टेलीफोन के जरिए से चला जाए। और अब हमें भरोसा है कि यदि ऐसा है तो... मुझे नहीं पता; बस अंदर आने से पहले ऐसा ही बताया गया था। और—और वहां पर उपस्थित सभी लोग वास्तव में अच्छे स्वास्थ्य का आनंद ले रहे हैं और—और प्रभु की महिमा उन पर है।

9 और अब—अब हम प्रभु के वचन को खोलेंगे। और हम सब यहाँ

इसलिए हैं ताकि हम अपने आप से आनंद उठा सकें और ध्यान दे सकें जो हम है... हम—हम यहाँ पर कभी नहीं आते और हम... यहाँ उपस्थित कोई भी व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि कोई मनुष्य ऐसी गर्मी को सहते हुए केवल यहाँ उपस्थित रहने के उद्देश्य से इस प्रकार बैठा रहेगा। हमारा यहां आने का एक ही उद्देश्य हैं, और वह यह है कि... "परमेश्वर के साथ और निकट चले।" हम बस इतना ही कर सकते हैं कि विश्वास करें कि प्रभु यीशु हमारे साथ हैं। और हम यहाँ इसलिए हैं कि—कि उसके साथ और निकट चले।

10 अब यह गर्मी मेरे लिए थोड़ी कठिन है। मैं वहां एक प्रकार से टयूसान की उस शुष्क गर्मी के अनुकूल हो गया हूँ, जो कि... ... अभी यहां पर उमस बहुत ज्यादा है; वहां की गर्मी इससे कहीं ज्यादा है, लेकिन ये शुष्क है। कभी-कभी हमारे यहाँ की उमस एक प्रतिशत के बीसवें हिस्से के बराबर होती है, शायद, कुछ तो ऐसा ही है, ठीक लगभग ऑक्सीजन के तंबू के नीचे रहने जैसा। लेकिन यहाँ इसमें वो—वो—वो नमी है, और यह आपको ऐसा महसूस कराती है जैसे आप पूरी तरह "निचोड़ दिए गए" हों, जैसा कि हम पहले कहा करते थे। इसलिए यह आपके लिए मुश्किल होता है, इसलिए मैं यह जानता हूं, और आप लोग जो खड़े हैं, और आप माताएं अपने छोटे बच्चो के साथ है, बूढ़े और जवान, और जैसे आप लोग एक साथ बैठे हुए है। और अब हम—हम आशा करते है कि परमेश्वर आपके बलिदान के लिए आपको बहुतायत से प्रतिफल देगा।

11 मैं समझता हूं कि भाई रॉय बॉर्डर्स यहीं कहीं पर उपस्थित हैं। उनके नाम की घोषणा मैंने सुनी, लेकिन मैं समझता हूं हो सकता है वो अंदर नहीं आ पाए है। तो ठीक है। वो सभाओं के प्रबंधक है।

12 आज सुबह अब हम यह भी घोषणा करना चाहते हैं कि हमारे बीच जो एक भाई हुआ करते थे वो आज सुबह प्रभु के पास चले गये, एक व्यक्ति, भाई जैक्सन, जो मिशिगन, स्टर्गिस शहर से थे। किसी को नहीं पता कि उनकी मृत्यु कैसे हुई या इसकी क्या वजह है। उनकी सेहत बस ठीक थी, और वह बस... मुझे लगता है कि उन्होंने उसे मरा हुआ पाया, या कुछ ऐसा ही हुआ। मुझे—मुझे इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है। और हम परमेश्वर के बहुत आभारी हैं कि भाई जैक्सन एक मसीही थे। मैंने उन्हें कई वर्षों से नहीं देखा, लेकिन वे हमारे ही बीच में रहते थे और हममें से एक थे।

परमेश्वर उसके साहसी प्राण को विश्राम दे! इस तरह से आगे बढ़ते हुए, हम सोचते है कि ये हो सकता है कुछ तो था, कि उसके जाने का समय आ गया था। प्रभु ने हमें ना तो इसके विषय में कभी चेतावनी दी और न ही वो इसके विषय में जानता था, वे बस चले गए। यह इसी प्रकार से था। और मैं जितनी जल्दी हो सके उनकी पत्नी को फोन करके हमारे दुःख को व्यक्त करना चाहता हूँ। और हम सभी उसके साहसी मसीही जीवन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहते हैं, और धरती पर उसका क्या महत्व था, और विशेष रूप से हमारे लिए यहाँ इस स्थानीय सभा में।

13 अब मैंने घोषणा की है कि आज रात बीमार लोगों के लिए प्रार्थना होगी, और आज रात मैं बीमारों के बारे में ज्यादा बात करूंगा।

14 लेकिन अभी इस समय, आइए सीधे अब बाईबल की ओर बढ़ते हैं, क्योंकि यहाँ बहुत भीड़ है और गर्मी है। हम सीधे वचन की ओर जायेंगे। आज सुबह मैं वचनों में से इन दो भागों को पढ़ना चाहता हूँ। यह लंबा है, जिससे की मुझे अपनी बात बोलने के लिए थोड़ी पृष्ठभूमि मिल जाएगी।

15 और अब, मेरी यही इच्छा है कि भाई सोथमैन और उनमें से भाई लोग, यदि संभव हो तो, इस टेप को बेचने से पहले जरा सा रुक जाए, और मैं—मैं इसे देने से पहले सुनना चाहूंगा... लोगों को बाहर भेजने से पहले।

16 अभी इसमें... मैं फिलिप्पियों का 2रा अध्याय 1 से 8 तक पढ़ना चाहता हूँ; और दूसरा कुरिन्थियों 3, 6 पद से आरंभ करते हुए, और बस एक पृष्ठभूमि के लिए, दुसरा कुरिन्थियों का 4थे अध्याय को पढेंगे। अब मैं सबसे पहले फिलिप्पियों के 2रे अध्याय को पढूंगा।

पढ़ने से पहले, आइए हम प्रार्थना करें।

17 प्रभु यीशु, आपका वचन सत्य है। और इस संकटपूर्ण घड़ी में, जिसमें हम रह रहे हैं, राष्ट्र, राष्ट्र के विरुद्ध, है, महामारी, कई स्थानों पर भूकंप हो रहे है, लोगों के हृदय डर से कमजोर हो रहे हैं, हम दीवार पर हस्तलेख को देख रहे है। अब, यह स्वाभाविक क्षेत्र में है, जिसे सारे संसार को ये देखना चाहिए। लेकिन अब एक आत्मिक क्षेत्र भी है, और हम उसमें घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को देखते हैं, और आज हम उसके बारे में बात करना चाहते हैं।

18 आपके वचन से हमारे हृदय को आशीष देना। हम जानते हैं कि स्वर्ग या पृथ्वी में कोई भी मनुष्य इस पुस्तक को लेने के योग्य नहीं है, कि मोहरों

को खोले, या यहाँ तक कि उसकी ओर देख भी सके। लेकिन वहां एक था जो प्रकट हुआ, एक बलिदान किया हुआ मेमना, लहूलुहान, जिसने आकर और पुस्तक को ले लिया, और वह उसे लेने के योग्य था और इसे खोल सकता था। हे परमेश्वर के मेमने, अपने वचन को आज हमारे ह्रदयो के लिए खोल दे, जिससे हमें शांति मिले। हम आपके सेवक हैं। हमारे पापों को क्षमा करें, प्रभु। और जो कोई भी चीज वचन को महान सामर्थ के साथ आगे बढ़ने से रोकती है और आज हमारे जीवन पर प्रभाव डालती है, इसे दूर करे, प्रभु, कोई भी रुकावट हो, जिससे कि हम उन सारी आशीषो तक पूरी तरह से पहुंच सके, जो आपके वचन के जरिये से हमें प्रतिज्ञा दी गई है। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

19 फिलिप्पियों 2:

अत: यदि वहां मसीह में कुछ प्रोत्साहन, और प्रेम से ढाढ़स, और आत्मा की सहभागिता, और कुछ करुणा, और दया हो,

तो मेरा यह आनन्द पूरा करो, कि एक मन रहो, एक ही प्रेम, एक ही चित्त, एक ही—ही मनसा रखो।

विरोध और झूठी बढ़ाई के लिए कुछ ना करो; पर मन की दीनता से हर एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो।

हर एक अपनी ही *हित की नहीं, वरन हर एक मनुष्य दूसरों के हित की भी चिन्ता करे।*

जैसा मसीह यीशु का मन था, वैसा ही तुम्हारा भी *ऐसा मन* हो*:*

जिसने, परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी, परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु ना समझा:

वरन अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्यों की समानता में हो गया:

और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर, अपने आप को दीन किया और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि *मृत्यु, हाँ, क्रूस की मृत्यु भी सह ली।*

20 अब यदि हम दूसरे कुरिन्थियों के 3रे अध्याय की ओर जाए, तो हम 6वें पद से शुरू करेंगे, और इसे 18वें पद तक पढेंगे और 4थे अध्याय के

कुछ भाग को पढ़ेंगे।

जिसने हमें नई वाचा के सेवक होने के योग्य भी किया; शब्द के सेवक नहीं, वरन आत्मा के: क्योंकि शब्द मारता है, पर आत्मा जीवन देता है।

और यदि मृत्यु की यह वाचा जिसके अक्षर पत्थरों पर खोदे गए थे, यहाँ तक महिमामय हुई, जिससे कि इस्राएल की संतान स्थिर होकर मूसा के मुख को नही देख सकते थे उसके मुख पर उस महिमा की वजह से; वह महिमा जो मिटने वाली थी:

तो आत्मा की वाचा और भी अधिक महिमामय क्यों ना होगी?

क्योंकि यदि दोषी ठहरनेवाली वाचा महिमामय *थी, तो धर्मी ठहरनेवाली वाचा और भी अधिक महिमामय क्यों न होगी।*

क्योंकि जो महिमामय बनायी गई थी, वह भी इस दृष्टि से महिमाहीन ठहरती है, उस महिमा के वजह *से जो कहीं बढ़कर है।*

क्योंकि जब वह जो घटता जाता था महिमामय *था, तो वह जो स्थिर रहेगा... और भी* महिमामय *क्यों न* होगा।

तब यह देखते हुए कि हमारे पास ऐसी एक आशा है, हम अवश्य *ही बहुत* अधिक... *हियाव के साथ बोलते है, बहुत हियाव के साथ बोलकर उपयोग करते है*।

और मूसा के समान नही, जिसने अपने मुंह पर परदा डाला था, जिससे कि इस्राएल की संतान उस घटने वाली उस महिमा के अन्त को निरंतर न देख सके:

लेकिन वे मतिमन्द हो गए थे: क्योंकि आज के दिन तक पुराने नियम के पढ़ते समय उनके ह्रदयो पर वही परदा पड़ा रहता है; जो पर्दा मसीह में उठ जाता है।

और आज तक, जब कभी मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती हैं, तो उनके ह्रदयों पर पर्दा पड़ा रहता है।

परन्तु जब कभी उनका ह्रदय प्रभु की ओर फिरेगा, *तब वह पर्दा उठ जाएगा।*

अब प्रभु तो आत्मा है: और जहाँ कहीं प्रभु का आत्मा है... वहां स्वतंत्रता है।

लेकिन जब हम सब के उघाड़े चेहरे से प्रभु की महिमा इस प्रकार प्रगट होती है, जिस प्रकार दर्पण में तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में महिमा से महिमा करके बदलते जाते है।

इसलिए जब हम पर ऐसी दया हुई, कि हमें यह सेवा मिली, तो हम साहस नहीं छोड़ते;

लेकिन हमने लज्ञा के गुप्त कामों को त्याग दिया और न धोखे *से चलते, और न चतुराई से चलते और न परमेश्वर के वचन में कपटपूर्ण ढंग से उपयोग करते है; बल्कि सच्चाई को प्रकट करने से हम खुद को हर एक मनुष्य के विवेक पर परमेश्वर की दृष्टि में* दोषी ठहराते *हैं।*

लेकिन यदि हमारा सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह उन नाश होनेवालों ही के लिए पड़ा है:

21 होने पाए प्रभु अपने वचन के पढे जाने में आशीष को जोड़े!

22 अब, आज सुबह का मेरा विषय, मैं भरोसा करता हूं कि परमेश्वर इसे प्रकट करेगा। और हर समय, यदि आप टेप लेते हैं और सुनते हैं, और मुझे आशा है और भरोसा है कि—कि आपके पास आत्मिक समझ है जो बात जिसे परमेश्वर बिना सीधे कहे ही कलीसिया को समझाने की कोशिश कर रहा है। देखा? यह एक चीज है, कभी–कभी, हमें चीजों को इस तरह से कहना पड़ता है कि ये घटा सकता है, हो सकता है इससे कुछ लोग बाहर चले जाए, कुछ लोग छोड़कर जा सकते है, और कुछ लोग होंगे कि—कि—कि इस पर बार–बार विचार करेंगे। लेकिन यह जानबूझकर किया जाता है। इसे इसी तरह करना ही पड़ता है।

23 तब हो सकता है कुछ लोग कहेंगे, "आपका मतलब है कि परमेश्वर जानबूझकर ऐसी चीज को करेगा?" उसने निश्चय ही ऐसा किया था। वो अभी भी ऐसा करता हैं।

24 उसने एक दिन कहा, जब उसके चारों ओर हजारों लोग थे, उसने कहा, "जब तक तुम परमेश्वर के पुत्र मेरा मतलब मनुष्य के पुत्र का मांस नहीं खाते हो, और उसका लहू नहीं पीते, तब तक तुममें जीवन नहीं है।"

25 आपके विचार से ये किस प्रकार का बयान है कि एक मेडिकल डॉक्टर या नर्स, या कोई भी अच्छा बुद्धिमान व्यक्ति इस प्रकार के बयान के बारे में सोचेगा, एक मनुष्य के लिए जिसके पास एक सेवकाई है जैसे उसके पास सेवकाई थी? क्यों, वो कहता है, “मांस को खाओ? यह तो नरभक्षी है! मनुष्य का लहू पीओ? यह तो एक पिशाच है! दूसरे शब्दों में, वह चाहता है कि हम नरभक्षी और पिशाच बन जाएं।” और सारे श्रोतागण उससे दूर चले गये।

26 और उसके साथ सत्तर लोगों का एक सेवकाई का समूह था, जिसे चुना गया था। और उसने उनकी ओर मुड़कर, और कहा, “जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठते हुए देखो जहाँ से वो आया, तो तुम क्या सोचोगे?” अब, उसने इस बात को नहीं समझाया। उसने कभी भी नहीं समझाया कि *कैसे*; पौलुस ने बाद में बताया। उसने बस इसे कहा। देखा? और फिर जब उसने यह कहा, “तुम क्या कहेंगे,” इन सेवकों को, “जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठते हुए देखते हो जहाँ से वो आया है?”

27 कोई संदेह नहीं उन लोगों ने कहा, “अब, बस एक मिनट रुकना। ओह, हम उसके साथ खाते हैं। हम उसके साथ मछली पकड़ते हैं। हम उसके साथ सोते हैं। हम—हम जानते हैं कि उसका जन्म कहाँ हुआ था। हमने उस पालने को देखा है जिसमें उसे—उसे झुलाया गया था। और कैसे यह मनुष्य... यह कहना कठिन है।”

28 और बाईबल में कहा गया, “वे अब और उसके साथ नहीं चले।” वे उसे छोड़कर चले गए।

29 फिर उसके पास बारह लोग बच गये। उसने बारह को चुना था, और उनमें से एक शैतान था, उसने कहा। इसलिए वह उनकी ओर मुड़ा।

और वहां कोई भी यह नहीं समझा सका कि उसने ठीक तभी क्या कहा था। “वे उसका मांस कैसे खाएंगे और उसका लहू कैसे पीएंगे? और वो नीचे कैसे आया, जब कि उसका जन्म यहीं धरती पर हुआ था?” देखा? वे इसे समझ नहीं पाए।

फिर उसने प्रेरितों की ओर मुड़कर और उसने कहा, “क्या तुम भी जाना चाहते हो?”

30 और तभी प्रेरित पतरस ने उस महान कथन को दिया, “प्रभु, हम किसके पास जायें?” देखा? “क्योंकि हम संतुष्ट हैं। हम निश्चित रूप से

जानते है कि निश्चय ही तेरे पास, और केवल तेरे पास ही, इस घड़ी के जीवन का वचन है।" देखा? "और हम इससे संतुष्ट हैं।" देखो, वे इसे समझा नहीं सके। वे...

आप विश्वास को समझा नहीं सकते है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर आप विश्वास करते हैं, और यह इतना ठोस होता है कि इसका स्थान कोई भी और चीज नहीं ले सकता।

इसलिए, वे जानते थे कि जो वचन उस युग के लिए लिखा गया था जिसमें वे रह रहे थे, मसीहत का युग, जिसमें वो उस स्थान के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। और वे उन ठंडे, औपचारिक कलीसियाओं में वापस जाकर क्या कर सकते थे जिनमें से वे बाहर आए थे? कहा, "हम कहाँ जाये? " देखा? "हमें पूरी तरह यकीन है कि तेरे पास जीवन का वचन है।" देखा? और वे—वे इसे समझा नहीं सके, लेकिन उन्होंने इस पर विश्वास किया। देखा?

31 और यीशु ने ऐसा इसलिए कहा ताकि वह उसकी भीड़ को कम कर सके, देखो, जब तक कि वो सही झुण्ड को इकट्ठा नहीं कर लेता। और उन सभी लोगों में से, वे, केवल उनमें से ग्यारह लोग ही थे जो तब असल में समझ पाए कि वो कौन था। वे जानते थे कि वो परमेश्वर है, और केवल परमेश्वर। अब, वो...

32 आज सुबह का मेरा विषय परमेश्वर को प्रकट करना या उसे बेपर्दा करना है।

33 परमेश्वर हमेशा ही, हर युग में, हर समय, एक पर्दे के पीछे छिपा रहा है, लेकिन वह हर समय परमेश्वर ही रहा है। समझे? लेकिन वो स्वयं को संसार से छिपा कर रखता है, और स्वयं को अपने चुने हुए लोगों के लिए प्रकट करता हैं, जैसे उस दिन प्रेरितों के लिए किया। अब, यह परमेश्वर था जो मसीह में बोल रहा था।

34 अब, मनुष्य हमेशा ही, ये मनुष्य का स्वभाव रहा है कि वह परमेश्वर को (भौतिक रूप से) देखने के लिए ढूंढता रहता है। वो इसे हमेशा ही देखना चाहता है। मनुष्य ने ऐसी रचनाये बनायी जो उसके जैसे दिखाई दे। वे सोचते हैं कि... भारतीय लोग सूर्य की आराधना करते है। और—और हम अफ्रीका में, जानवरों के भिन्न–भिन्न रूपों और इत्यादि चीजों में इस बात को पाते हैं। और वहां... अलास्का में खंभों पर तराशी गई आकृति,

और—और वे भिन्न–भिन्न रूप जिनमें वे सोचते है इसमें परमेश्वर है। जब पौलुस उस समय एथेंस में मार्स की पहाड़ी पर बोल रहा था, और उन्हें बताया कि वे इस अज्ञात परमेश्वर के विषय में अंधविश्वासी हैं, जो कि, वे जानते थे कि वो वहां पर था, फिर भी वे उसे नहीं जान पाए।

35 और हम यह चीज यहाँ तक अय्यूब के समय में भी देखते है। अय्यूब जानता था कि वहां एक परमेश्वर है। वो यह जानता था। और वहां एक—एक—एक भी मनुष्य ऐसा नही है, जो सही मानसिक स्थिति में हो, जो यह नही जानता हो कि कहीं न कहीं कुछ न कुछ अवश्य होगा। और अब, अय्यूब उससे बात करना चाहता था।

और मैं चाहता हूँ कि आप उस रूप पर ध्यान दें जिस रूप में परमेश्वर ने अय्यूब से बात करना चुना। परमेश्वर पर्दा किये हुए था जब उसने अय्यूब से बात की। वह बवंडर में पर्दा किये हुए था, एक बवंडर में नीचे उतर आया। क्या आपको विश्वास है कि परमेश्वर आज भी एक बवंडर में आ सकता है जहाँ आप उसे देख सकते हैं?

36 यहां बहुत से लोग बैठे हुए हैं, उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो उस दिन हमारे साथ थे जब वो एक बवंडर में आया। हमें एक दिन पहले बताया था, भाई बैंक्स वुड और वे लोग वहां थे, जब उसने कहा, "इस पत्थर को उठाओ, इसे हवा में उछालो और कहो, '**यहोवा यों कहता है**! तुम इसे तुरंत देखोगे।" और मैंने पहाड़ की चोटी पर से पत्थर को उठाया और उसे ऊपर हवा में उछाल दिया, और यह... अवश्य ही, नीचे आते हुए, इसने बवंडर बनना आरंभ किया, देखो, इसके नीचे खिंचने की शक्ति के कारण।

37 आपको कुछ तो करना होता है, तभी उसके बाद कुछ तो परिणाम आता है। यीशु ने एक रोटी को लिया और उसे तोड़ा, फिर उस रोटी के टुकड़े से बहुत सारी रोटी उत्पन्न की। उसने पानी को लिया और उसे एक घड़े में डाला। एलियाह ने नमक लिया, उसे एक बर्तन में डाला; एक छड़ी को तोड़ा, और उसे पानी में फेंक दिया। यह प्रतीकात्मक तौर पर कुछ तो चीजें है।

और इस पत्थर को उठाकर और हवा में फेंकना और उसके नीचे आते हुए बवंडर आरम्भ हो गया।

38 अगले दिन, क्यों, हमारे साथ एक सेवक भी शिकार की यात्रा पर गया था। वह मेरे पास ही खड़ा हुआ था, और उसने मुझसे कहा, "क्या प्रभु

इस तरह से दर्शन देता हैं, भाई ब्रंहम? ”

39 मैंने कहा, “हां, लेकिन मैं अक्सर यहां विश्राम करने के लिए आता हूं।” और ठीक उसी समय मेरे पास दर्शन आया।

40 और भाई बॉर्डर्स, मुझे लगता है कि वह अभी बाहर हैं, वो मेरे साथ थे। मुझे लगता है, भाई बैंक्स वुड भी थे, और, ओह, वहाँ ऊपर बहुत सारे भाई थे, आठ या दस। और भाई बैंक्स वुड इसके लिए देख रहे थे। ठीक उस पहाड़ पर, ठीक उसी जगह से, बिल्कुल वहीं, लगभग आधा मील की दूरी पर, जहां सात दूत प्रकट हुए, जिसके लिए मैं यहाँ से निकलकर वहाँ गया था, जो वापस आकर और... सात मोहरों के बारे में बताया। बस वहाँ से लगभग आधा मील की दूरी पर।

41 और फिर अगले दिन, जब यह सब चल रहा था, क्यों, वो,... मैंने भाई से कहा, इस भाई से, मैंने कहा, “आपकी परेशानी क्या है, आपकी आंख में कोई एलर्जी हो गई है। डॉक्टरों ने इसे रोकने के लिए कुछ वर्षों तक कोशिश की लेकिन वे इसे नहीं कर सके। वे कहते हैं कि आपको... ये चीज आपकी आंख को निकाल देगी।” और मैंने कहा, “लेकिन चिंता मत करो, प्रभु यीशु ने तुम्हारे विश्वास का सम्मान किया है।” और उसने अपनी बंदूक नीचे रख दी। और मैंने बताया, “तुम्हारी मां, ” बस वह क्या थी और उसके साथ क्या गलत था।

और उसने कहा, “यह सच बात है।”

42 यहां कलीसिया से, भाई रॉय रोबर्सन, जो यहाँ अभी खड़े हुए हैं, मैं समझता हूं, आप सभी उन्हें जानते हैं। यह जानते हुए कि वह एक अनुभवी योद्धा थे, और यह जानते हुए कि क्या बात जगह लेने जा रही है, मैंने अपना हाथ उनके कंधे पर रखा; मैंने कहा, “भाई रोबर्सन, सावधान रहना, ध्यान रखना, कुछ तो घटित होना तय है।”

43 मैं वापस वहीं चलकर गया जहाँ मुझे खड़ा होना चाहिए था, और हवा में से एक बवंडर आया, एक घाटी में से होते हुए नीचे आया, वहां ऊपर से, जो इतना तेज़ था कि उसने चट्टानों को आठ–दस इंच तक काट दिया, वहां पहाड़ की चोटी पर से, और उन्हें दो सौ गज की दूरी पर फेंक दिया। और मैंने तीन बार इस तरह से ताली बजाई, और उसमें से एक आवाज़ आई। देखा?

44 और वे सभी वहाँ पर खड़े हुए थे। अभी भाई बैंक्स यहाँ पर उपस्थित है, आगे आकर और कहा, "यही है जो आपने मुझे कल बताया था? "

मैंने कहा, "जी हाँ, महोदय, ये यही है।"

उसने कहा, "अब, इसने क्या कहा? "

45 मैंने कहा, "अब, यह बात सिर्फ मुझे जानने के लिए है, भाई बैंक्स, देखो, क्योंकि ऐसा है... ये लोगों को भयभीत कर देगा।"

46 लेकिन यह आगे बढ़ा, यह घटित हुआ बस जरा सा... उत्तर दिशा की ओर बढ़ने लगा। कुछ दिनों के बाद यह समुद्र में जा पहुँचा, और आपने देखा है कि फेयरबैंक्स के आसपास क्या घटित हुआ। यह एक न्याय का चिन्ह था। अब हम देखते है कि—कि परमेश्वर अब भी... देखिए, इस बात से लोगों में हलचल मच जाती है। और फिर उनके पास... ऐसा होना ही था, देखो। इसे बस होना ही है। जिन चीजों को होना है, वे चीजें होकर ही रहेगी, कुछ भी हो जाए। देखो, यह तो होकर ही रहेगा, कुछ भी हो।

47 एक बार मूसा ने परमेश्वर को देखने की इच्छा व्यक्त की, और परमेश्वर ने उसे चट्टान पर खड़े होने के लिए कहा। और मूसा उस चट्टान पर खड़ा हो गया और उसने परमेश्वर को वहाँ से गुजरते हुए देखा, और उसकी पीठ एक मनुष्य की पीठ जैसी दिखाई दी। परमेश्वर एक बवंडर में था, और परमेश्वर... जब मूसा चट्टान पर खड़ा हुआ था।

48 मुझे लगता है आप सभी ने कुछ दिन पहले उस तस्वीर को देखा होगा, हम उसी चट्टान के पास खड़े थे। और यहाँ ये उजियाला है, प्रभु का दूत, ठीक वहीं जहाँ ये ताली बजाई गयी थी। खड़ा हुआ... यह तस्वीर ठीक अब फिर से वहां सुचना बोर्ड पर लगी हुई है।

49 ध्यान देना, पुराने नियम का यहोवा ही नए नियम का यीशु है। समझे? वो वही परमेश्वर है, बस अपने रूप को बदल रहा है।

50 अब, किसी ने कुछ दिन पहले कहा, एक—एक—एक ट्युसान से एक बैपटिस्ट सेवक, "आप यह कैसे कह सकते है कि—कि यीशु और परमेश्वर एक ही व्यक्ति होंगे? "

51 मैंने कहा, "खैर, यह बहुत आसान है यदि आप बस अपनी खुद की सोच को दूर करे, और बाईबल के दृष्टिकोण से इस पर सोचे। वे स्वयं एक ही अस्तित्व हैं। परमेश्वर एक आत्मा है; यीशु वो शरीर है जिसमें वह पर्दा

हुआ था। समझे? ” मैंने कहा, “जैसे मेरे घर में। मैं अपनी पत्नी का पति हूँ। और मेरी एक छोटी बेटी है, रेबेका, मैं उसका पिता हूँ। और मेरा एक पोता है, उसका नाम पॉल है, मैं उसका दादा हूँ। मैं पति, पिता और दादा हूँ। और मेरी पत्नी मुझ पर पिता या दादा के रूप में कोई दावा नहीं करती है; उसका मुझ पर केवल पति के रूप में दावा है। और मेरी बेटी मुझ पर पति या दादा के रूप में कोई दावा नहीं करती है; वो मेरी संतान है। समझे? लेकिन फिर भी ये सारे तीनों व्यक्तित्व एक ही व्यक्ति के हैं। देखा? यही परमेश्वर है; पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, ये बस उस समय काल का दावा करता है।” परमेश्वर वही है, वही परमेश्वर।

52 परमेश्वर ने स्वयं को बदला, वो अपने रूप को बदलता है। यदि आप यहाँ फिलिप्पियों की किताब में ध्यान दें, तो उसने कहा, “परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा, लेकिन एक मनुष्य का *रूप* ले लिया।”

53 अब, उस *रूप* के लिए जो यूनानी शब्द है, मैं इसके विषय में कल पूरे दिन देखता रहा, मैं यह समझने की कोशिश कर रहा था कि यह क्या है, तब *एन मोर्फे* शब्द सामने आया। इस शब्द को विच्छेद करेंगे ई–एन एम–ओ–आर–पी–एच–ई। यूनानी में देख रहा था, यह पता लगा रहा था कि *एन मोर्फे* का अर्थ क्या है... हो सकता है मैं इसका उच्चारण गलत कर रहा हूँ, लेकिन मैं इसे इसलिए स्पष्ट कर रहा हूँ क्योंकि यदि इस टेप को भेजा जाता है, तो लोग, विद्वान लोग, इसे समझ जाएंगे कि मेरा—मेरा इससे क्या मतलब है। वो, जब वो *एन मोर्फे* हुआ, तो इसका मतलब है कि उसने खुद को बदल लिया। वो, वो नीचे उतर आया। अब, वहाँ यूनानी शब्द में अर्थ है, कि, “कोई ऐसी चीज जिसे नही देखा जा सकता, फिर भी ये वहां पर है, और उसके बाद ये बदलता है और आंखें इसे देख सकती है।” देखा?

54 जैसे एलिय्याह, दोतान में था। देखो, उसका—उसका दास वहां आसपास उन सभी दूतों को नही देख सकता था, और परमेश्वर ने तभी बदल दिया; ना ही दूतों को नीचे ले आया, लेकिन उसने उस दास के देखने को बदल दिया। और वहाँ पर वे दूत, और अग्नि, अग्नि के घोड़े और अग्नि के रथ से भरे हुए पहाड़ थे, ये सब उसके भविष्यव्यक्ता के चारों ओर थे। देखो, उन्होंने, उसने उस दास का देखना बदल दिया। वो—वो चीज

पहले से ही वहां पर है।

55 तो, यही है जो मैं कहने की कोशिश कर रहा हूँ कि वो परमेश्वर जो हमेशा से था वो यहीं पर है। जब वह मनुष्य बना, तो उसने बस एक ही काम किया, उसने अपना मुखौटा बदल दिया। देखा? वह—वह, यह *एन मोर्फे* हुआ, उसने—उसने स्वयं को जो वो था बदलकर जो वो है में कर दिया, या उसके मुखौटे को, जो एक और अभिनय था।

56 जैसे किसी बड़े नाटक में होता है। जैसे मैं आज सुबह बोल रहा था, एक प्रकार से मैं शेक्सपियर के नाटकों को समझने का प्रयास कर रहा था। इस बात को बहुत समय हो गया। लेकिन जब शेक्सपियर ने उस—उस—उस नाटक को लिखा... इंग्लैंड के राजा जेम्स के लिए, जब वो... उस मैकबेथ का चरित्र। देखो, शेक्सपियर जादू–टोने में विश्वास नहीं करता था; लेकिन नाटक में, उस राजा ने जादू–टोने में विश्वास किया, इसलिए उसे जादू–टोने की चीज को इस नाटक में डालना था। समझे? और अब, ऐसा करने के लिए, वे कलाकारों को बदलते हैं।

57 यहाँ बेकी, जब *कारमेन* में थी, जहाँ उन लोगों ने स्कूल में—में इस अभिनय को किया जहाँ से बेकी ने अभी कुछ हफ़्ते पहले ही पढ़ाई पूरी की है। अब, हो सकता है एक ही व्यक्ति नाटक में तीन या चार भूमिकाएँ निभाता हो। ऐसा करने के लिए, वो—वो अपने मुखौटे को बदलता है। कभी–कभी जब वह सामने आता है, तो वह एक *अलग* किरदार होता है; और अगली बार जब वह सामने आता है, तो वो एक अलग किरदार होता है। लेकिन यह हर समय एक ही व्यक्ति होता है।

58 और यही परमेश्वर है। उसने स्वयं को बदल लिया अग्नि के स्तंभ से—से, एक मनुष्य बन गया। तब उसने स्वयं को उस रूप से वापस आत्मा में बदल दिया, जिससे कि वो मनुष्य में वास कर सकें। परमेश्वर मनुष्य में कार्य कर रहा है जो वो वास्तव में था। यीशु मसीह, मनुष्य में परमेश्वर कार्य कर रहा था, *एक* मनुष्य में। एक मनुष्य में, यही है जो वो था। वो अग्नि के स्तंभ से बदल गया था, और उसके बाद वो उसमें आ गया था; जो जंगल में एक पर्दा किये हुए था, जिसने इस्राएल से परमेश्वर को छिपाये रखा। मूसा ने उसके शरीर की आकृति देखी, लेकिन असल में वो हर समय इस अग्नि के स्तंभ के पीछे छिपा हुआ था, जो कि लोगोस था जो परमेश्वर से निकला था।

59 अब हम यहाँ पाते हैं, अब पेंटीकोस्ट से लेकर, परमेश्वर मनुष्य *में* कार्य नहीं कर रहा है, मेरा मतलब कार्य कर रहा है… अब वह मनुष्य के *जरिये* से कार्य कर रहा है। देखा? उस समय वह एक मनुष्य *में* कार्य कर था, यीशु में। अब वो मनुष्य के *जरिये* से कार्य कर रहा हैं जिसे उसने इस उद्देश्य के लिए चुना है। परमेश्वर, मनुष्य रूप में, उसने स्वयं को बदला एक रूप से जो—जो… परमेश्वर से, एक मनुष्य के रूप में बदला।

60 वह तीन नामों से आया, तीन पुत्रों के नामों से। वह पुत्र में आया… मनुष्य के पुत्र के—के नाम में, दाऊद का पुत्र, और परमेश्वर का पुत्र; तीन पुत्र के नामों से।

61 अब, वह सबसे पहले पुत्र के दा–… वह मनुष्य का पुत्र था, क्योंकि वह एक भविष्यव्यक्ता था। अब, यहोवा ने स्वयं यहेजकेल और भविष्यवक्ताओं को कहकर बुलाया, "हे मनुष्य के पुत्र, तू क्या देखता है?" यीशु ने कभी भी स्वयं को परमेश्वर का पुत्र नहीं बताया; उसने स्वयं को मनुष्य का पुत्र कहा, क्योंकि उन—उन वचनों को तोड़ा नहीं जा सकता।

वचनों में कुछ भी तोड़ा नहीं जा सकता। हर एक वचन को वैसा ही होना है। इसी तरह से मैं इसे विश्वास करता हूं। इसी तरह से इसे होना है, इसलिए नहीं कि मैं इस पर विश्वास करता हूं, बल्कि इसलिए कि यह परमेश्वर का वचन है।

62 अब यदि आप आरम्भ में ध्यान दें, एक वचन, बाईबल के पहले पन्ने पर, उत्पत्ति 1 में, हम देखते है कि पूरा… सभी बीमारियाँ, सभी दुःख, सभी हृदय की पीड़ायें, और वह हर एक चीज जो हमेशा ही मनुष्य जाति के साथ घटित हुई है, यह सब इसलिए हुआ क्योंकि *एक* व्यक्ति ने *एक* वचन पर अविश्वास किया, और उसी कारण से यह सब हुआ। यही बाईबल की पहली घटना है। बाईबल के अंतिम में, प्रकाशितवाक्य 22 में, उसी परमेश्वर ने कहा, "जो कोई इसमें से एक वचन निकाले या इसमें एक शब्द को जोड़े।" देखिए, इसे अवश्य ही वचन दर वचन वैसे ही होना है, बस जिस तरह से ये है।

63 तो, इसलिए, और बस इस छोटी सी बात को ले जैसे मैं बताने जा रहा हूँ… कोई न कोई मुझसे हमेशा ही महिलाओं के बाल कटवाने के बारे में बोलता रहता है। अब, मेरे लिए, जब तक वह ऐसा करती रहती है, मैं परवाह नही करता कि वह कितना भी संत जैसा व्यवहार करे और कितना

भी ज्ञान रखे, वह स्त्री फिर भी गलत है। वो छोटे कपड़े पहनती है और इस तरह के कपड़े पहनती है; मैं परवाह नहीं करता कि वो क्या करती है, कितना वो गा सकती है, वो कितना अच्छा प्रचार कर सकती है, वह जो कुछ भी कर सकती है, वह किस तरह का जीवन जीती है, ये फिर भी वहां एक वचन को तोड़ा गया है। देखा? देखो, ये हर एक वचन होना ही होगा। ना ही एक वाक्य; एक वचन, एक वचन! इसलिए, बाईबल का कोई निजी अनुवाद नहीं है। ये वचन दर वचन होना ही है, जिस तरह से इसे लिखा गया है। हमें इसका विश्वास करना ही होगा।

64 और न ही केवल इस पर विश्वास करें, लेकिन इसे जीये। यदि हम इसे नहीं जीते है, तो हम इस पर विश्वास नहीं करते; हम तो बस ऐसे ही कहते हैं कि हम विश्वास करते हैं। जैसे मैंने... मैंने जो कहा था, उसी के आधार पर वापस आता हूं, वे चेले इसे समझा नहीं सके, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे विश्वास किया, और उन्होंने उनके अंगीकार को किया और उसी के अनुरूप जीये। जबकि बाकी के वे सब लोग इससे दूर चले गए, पर वे इसके साथ बने रहे! उन्होंने इसका विश्वास किया! इसी तरह से हम विश्वास करते हैं। आपको भी इसे इसी तरह से करना होगा। कोई फर्क नही पड़ता दूसरे चाहे कुछ भी करते हो, हम इसका विश्वास करते हैं और फिर उसी के अनुसार कार्य करते हैं। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप इसे विश्वास नहीं करते हैं।

65 अब ध्यान दीजिए अब जब वो आया, तो उसे मनुष्य के पुत्र के रूप में आना था, क्योंकि पवित्र वचन ने कहा कि वो आएगा, “परमेश्वर उनके लिए एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा।” इसलिए वह स्वयं को परमेश्वर का पुत्र कहकर नहीं बुला सकता था, क्योंकि ये वह समय काल नहीं था। वह मनुष्य का पुत्र था, जो भविष्यवाणी कर रहा था, कि पूरी हो, और उन सभी बातों को उन्हें प्रकट कर रहा था जिसे किया गया था, और व्यक्त किया जो वो था। उस समय वो मनुष्य के पुत्र के रूप में धरती पर था।

66 उस सूरूफिनीकी स्त्री की ओर देखो, वह दौड़कर उसके पास गई और बोली, “हे दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कर!” उसने कभी अपना सिर तक नहीं उठाया। दाऊद के पुत्र होने के रूप में उसका उस पर कोई अधिकार नहीं था। वो एक अन्यजाति स्त्री थी।

मेरी बेटी का मुझ पर पति के रूप में कोई अधिकार नहीं है; या, न ही

मेरी पत्नी का बेटी के रूप में मुझ पर कोई अधिकार है। तो भी, वह मेरी बेटी और मेरी पत्नी है, वह सुसमाचार में मेरी बेटी है। लेकिन, धरती पर, उसे मुझे एक—एक पिता कहने का कोई अधिकार नहीं है। समझे?

अब ध्यान दीजिए, इस अन्यजाति स्त्री का दाऊद के पुत्र के रूप में उस पर कोई अधिकार नहीं था। लेकिन अंधे बरतमई ने बुलाया, देखो, वह एक यहूदी था। अब, वह मनुष्य के पुत्र के रूप में आया।

67 आपको इन शब्दों और इन चीजों को जानना होगा। उस समय हैटी राईट को देखो, जब तीसरा खिचाव हुआ था। आपको यह याद होगा। इन सभी बातों के बावजूद, उस स्त्री ने सही बात को मांगा। आपको परमेश्वर से सही शब्द को बोलना होगा, सही बात को मांगना होगा।

68 अब ध्यान दे, वो पहले भविष्यव्यक्ता के रूप में आया, और उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ा दिया। उनके अपनों ने उसे क्रूस पर चढ़ाया। वो मनुष्य के पुत्र के रूप में आया।

69 फिर पवित्र आत्मा के आने के बाद, वह परमेश्वर का पुत्र हो गया। परमेश्वर एक आत्मा है। वह पवित्र आत्मा, परमेश्वर का पुत्र था। वो कलीसिया युगों में से होते हुए परमेश्वर के पुत्र के रूप में रहा।

70 अब, सह–शताब्दी में, वह दाऊद का पुत्र होगा, अपने पिता, दाऊद के सिंहासन पर बैठा होगा। वह दाऊद का पुत्र है।

71 अब, और, याद रखना, परमेश्वर के पुत्र के बीच... लौदीकिया कलीसिया युग में, उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया। और लूका में उसने कहा कि वो मनुष्य के पुत्र, भविष्यव्यक्ता के रूप में फिर से प्रकट होगा, और इसके बाकी के भाग को पूरा करेगा। समझे? वे वचन सिद्ध रूप से एकसाथ मेल खाते हैं। मनुष्य का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, दाऊद का पुत्र। यह क्या था? परमेश्वर हर समय एक ही रहता है, बस अपना रूप बदलता रहता है, *एन मॉर्फे*। वह बस इसे बदल देता है। उसके लिए यह एक बड़ा नाटक है। वो इसका अभिनय कर रहा हैं।

72 वह मनुष्य के पुत्र, भविष्यव्यक्ता के रूप में आया। बिल्कुल ठीक वैसा ही किया। यहाँ तक कुएँ के पास खड़ी वो छोटी स्त्री जो सारे पापों में थी, उसने उसे पहचान लिया। उसने कहा, "हम जानते हैं कि मसीहा आएगा, जो मसीह कहलाएगा, यही है जो वो करेगा।" देखो, उसने पहचान लिया क्योंकि वह स्त्री पहले से ठहराई हुई बीज थी। फिर उसने...

जबकि, उनमें से बाकी लोग इसे पहचान नहीं पाए। उनके पास पहचानने के लिए कुछ था ही नहीं। वे तो आरंभ से ही पाप में थे।

73 क्योंकि, उसके कामों के लिए, वह अपना रूप बदलता है। फिर वह मनुष्य के पुत्र के रूप में आया।

सुधारकों के युग के लिए, वैस्ली, लूथर और उसके बाद वहां से होते हुए आगे, फिर हम देखते है कि उन्होंने इसे इतना उलझा कर रखा था, ठीक जैसे इस्राएलियों ने किया, जब तक वह अंतिम दिनों में, पेंटीकोस्टल युग में, पवित्र आत्मा के रूप में प्रकट नहीं हुआ, उन्होंने इसे अस्वीकार किया। उन्होंने भी उसी चीज को किया जो इस्राएल ने किया।

और अब वो क्या करता हैं? मनुष्य के पुत्र के रूप में लौटता हैं। और उसके बाद, उसमें से, दाऊद के पुत्र के रूप में बदलता है। देखा हम कितने निकट हैं? मनुष्य का पुत्र, दाऊद का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र। अंतिम दिनों में वो मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकट होता है, मलाकी 4 के अनुसार, बाकी सारी भविष्यवाणियां इसी घड़ी से संबंधित हैं। कलीसिया से कोई व्यवहार नहीं रहेगा जब वो... उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया; बाहर रखा, दरवाजे पर खटखटा रहा है। अब भी उनमें से कुछ बीज पहले से ही ठहराए हुए हैं। उसे उन बीजों को लेना ही है।

74 और परमेश्वर ने स्वयं को मनुष्य में खाली कर दिया था। योएल 2:28 में, हम देखते है, उसने कहा, “मैं अंतिम दिनों में अपनी आत्मा को उडेलूंगा।” अब, यदि आप वहां उस शब्द पर ध्यान दें, तो यह यूनानी शब्द है। हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन मुझे यही मिला...

75 शब्दों पर आपको ध्यान देना होगा। अंग्रेजी में कभी–कभी शब्दों के दोहरे अर्थ होते हैं। ठीक वैसे ही जैसे हम शब्द बोलते हैं, “ईश्वर।” “परमेश्वर ने आकाश और धरती की रचना की,” उत्पत्ति 1। लेकिन अब, बाईबल में, ऐसा लिखा है, “आदि में एलोहीम।” अब, एलोहिम, अंग्रेजी में इसे कहते हैं “ईश्वर,” लेकिन असल में ऐसा नहीं था... *एलोहिम*... कोई भी चीज ईश्वर हो सकती है, उस शब्द *ईश्वर* के लिए, आप एक मूर्ति को भी ईश्वर बना सकते हैं, आप उस पियानो को एक ईश्वर बना सकते हैं, आप किसी भी चीज को एक ईश्वर बना सकते हैं।

76 लेकिन *एलोहिम* शब्द में ये ऐसा नहीं है। इसका अर्थ होता है, “वो एक जो स्वयं से अस्तित्व में है।” समझे? वह पियानो स्वयं से अस्तित्व में

नहीं हो सकता, और न ही कोई अन्य चीज स्वयं से अस्तित्व में हो सकती है। तो, *एलोहिम* शब्द का अर्थ है, “वह जो हमेशा से अस्तित्व में है।” *परमेश्वर* का अर्थ कुछ भी हो सकता है। क्या आप शब्द में फर्क देखते है?

77 अब, जब यहाँ पर कहा गया कि उसने *स्वयं* को खाली कर दिया, या *उंडेल* दिया, तो हम इस तरह से सोचेंगे, कि उसने “उगल दिया,” अंग्रेजी शब्द *खाली* करना या उसमें से *उंडेल* दिया गया, देखो, उसमें से कुछ तो ऐसा निकला जो उससे अलग था। लेकिन यूनानी भाषा में *केनोसिस* शब्द का अर्थ यह नहीं होता है कि उसने “उगल दिया,” या कुछ… उसका हाथ निकल गया, या उसकी आंख निकल गई, या कोई तो दूसरा व्यक्ति।

78 इसका अर्थ है, उसने स्वयं को बदल लिया, उसने “स्वयं को इसमें उंडेल दिया,” (आमीन!), एक और मुखौटे में, एक और रूप में। ना ही उसमें से और कोई दूसरा व्यक्ति बाहर निकला, जिसे पवित्र आत्मा कहा जाता है, लेकिन ये वो स्वयं ही था। आप इसे समझे? उसने स्वयं को लोगों के अंदर उंडेल दिया। “मसीह तुम में!” यह सोचना कितना सुंदर, कितना अद्भुत है कि परमेश्वर स्वयं को मनुष्य जाति में, विश्वासियों में उंडेल रहा हैं। “उंडेल देता है!” ऐसा करना उसके नाटक का एक भाग था।

परमेश्वर, उसकी सारी संपूर्णता, सारी परमेश्वरत्व की दैहिकता इस व्यक्ति, यीशु मसीह में थी। वो परमेश्वर था, और केवल परमेश्वर। न ही कोई तीसरा व्यक्ति या दूसरा व्यक्ति, या एक पहला व्यक्ति; लेकिन *वो* व्यक्ति, परमेश्वर जो मानव देह में पर्दा हुआ।

79 पहला तीमुथियुस 3:16, “इसमें सन्देह नही कि भक्ति का भेद महान है; जी–ओ–डी, एलोहिम के लिए,” बाईबल में, बड़े अक्षरों में लिखा गया शब्द जी–ओ–डी परमेश्वर है। इसे वापस देखे, कोई भी। मूल पाठ में इसका उल्लेख है, इसमें लिखा गया, “एलोहिम।” “आदी में, एलोहीम।” समझे? “और, एलोहिम, बिना संदेह के एलोहिम का भेद महान है; क्योंकि एलोहिम देहधारी हुआ और हमने उसे स्पर्श किया।” एलोहिम, मनुष्य देह में पर्दा हुआ! महान यहोवा, जो सारे आकाश, समय और हर कहीं पर सर्वव्याप्त था, मनुष्य बन गया था। हमने एलोहिम को स्पर्श किया। “आदि में, एलोहिम था। और एलोहिम देहधारी हुआ और हमारे बीच डेरा किया।”

80 क्या? यही तो उसका तरीका है, जो नाटक का भाग हैं। यही उसका तरीका है, उसे इस अभिनय को करना है, अपने आप को हमारे लिए प्रकट

करने का तरीका एक भिन्न व्यक्ति के रूप में। हम मरणहार हैं, और वो यह जानता है। और हम केवल मरणहार के रूप में ही समझते हैं। हम केवल मरणहार के रूप में ही जानते हैं। हमें केवल उतना ही जानते है जितना हमारी चेतनायें हमें बताती हैं, और इसका बाकी का सब हमें यह विश्वास के द्वारा भरोसा करना है। हमें यह कहना है कि वहां एक परमेश्वर है; चाहे हम उसे देख पाते है या नहीं, कुछ भी हो, हम इसे विश्वास करते हैं। समझे? चाहे वहां है या नही, हम फिर भी इसे विश्वास करते हैं क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

81 अब्राहम की तरह, उस पुत्र को देख नहीं सकता था, कोई चिन्ह नहीं थे, ना ही साराह की—की कोई गर्भावस्था, यहाँ तक कोई भी स्त्री रजोनिवृत्ती नही थी या कुछ भी नहीं, फिर भी परमेश्वर ने ऐसा कहा। सारी आशायें, यहाँ तक उसका—उसका गर्भ भी मरा हुआ था, और उसमें का जीवन जा चुका था, और उसके—उसके जीवन की धारा सूख चुकी थी। और उसके—उसके भीतर का जीवन सुख चुका था। "फिर भी वो अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर डगमगाया नही, लेकिन मजबूत होता गया, उसको स्तुति देते हुए, यह जानते हुए कि परमेश्वर सब कुछ करने में सक्षम है जो उसने कहा वो करेगा।"

आज हमें भी इसी तरह से उस वचन पर विश्वास करना होगा। यह कैसे होगा? मैं नहीं जानता। परमेश्वर ने कहा है कि यह इस तरह से होगा, और इससे बात ख़त्म हो जाती है।

82 यह महान अनदेखा व्यक्ति कौन है? यह कौन है जिस अब्राहम ने दर्शनों में जिसे देखा था? ठीक अंत में, हालाँकि, पुत्र के आने से पहले, वह देह में प्रकट हुआ था। अंत समय में स्वयं परमेश्वर एक मनुष्य के रूप में अब्राहम के पास आया। प्रकट हुआ! उसने एक बार उसे एक छोटे से प्रकाश में देखा; उसने उसे दर्शनों में देखा; उसने उसकी आवाज़ सुनी; बहुत से प्रकाशन मिले। लेकिन प्रतिज्ञा किए गए पुत्र के प्रकट होने से ठीक पहले, उसने उसे मनुष्य के रूप में देखा, उससे बातें कीं, और उसे भोजन खिलाया और पेय पदार्थ दिए। देखा? ध्यान देना, स्वयं परमेश्वर मनुष्य देह में पर्दा हुआ।

83 यह उसके काम करने के तरीके का एक भाग है। यही वो तरीका है जिससे वह स्वयं को हमारे लिए प्रकट करता है, अनंत वचन प्रकटीकरण में लाता है, परमेश्वर, यहोवा देहधारी बना। जैसे संत यूहन्ना 1 में, "आदि

में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और... आदि में एलोहिम था, और एलोहिम... वो वचन बन गया, और वचन एलोहिम था। और वचन एलोहिम बन गया था।" देखा? ये वही चीज है, बस खुलते जा रहा है।

84 जैसे की गुण होता है, देखो, यह परमेश्वर में है। एक गुण आपके विचार होते हैं। आदि में परमेश्वर था, जो अनंत है, वह यहाँ तक एक परमेश्वर भी नहीं था। वो अनंत था। वो तो परमेश्वर भी नहीं था; *परमेश्वर* तो "आराधना की एक वस्तु है," या कुछ तो और। समझे? सो इसलिए वो यहाँ तक यह भी नहीं था। वो एलोहिम था, अनंत। लेकिन उसमें वे विचार थे। वो भौतिक रूप में बनना चाहता था। और उसने क्या किया? फिर उसने एक वचन को बोला, और वो वचन भौतिक रूप में बन गया था। उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक, यही संपूर्ण तस्वीर है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह परमेश्वर का भौतिक रूप है जिससे कि उसे छुआ और महसूस किया जा सके। और सह–शताब्दी में, वहां एलोहिम सिंहासन पर बैठता हैं, देखो, यह सही है, उसके लोग उसके चारों ओर होते है, जिसे उसने जगत की बुनियाद डालने से पहले ही ठहराया था।

85 जैसे कोई सांचे में डालने वाला कारीगर बड़े घंटों को बनाता है या घंटों को तैयार करता है। हर घंटे की आवाज़ दूसरे घंटे की आवाज़ से अलग होनी चाहिए। इसमें एक सा धातु होता है, लेकिन उसमें इतना–इतना लोहा, इतना–इतना स्टील, इतना–इतना पीतल मिश्रित करते है जिससे कि यह "टंग" की आवाज़ को निकाल सके।

86 इसी तरह से परमेश्वर ने किया। उसने इस एक को उस एक से, इस एक को उस एक से, इस एक को उस एक से मिश्रित किया, जब तक उसे ठीक वही नहीं मिल गया जो वो चाहता था। इसी तरह से वो नीचे आया। परमेश्वर ने अपने आप को अग्नि के स्तंभ में बेपर्दा किया, भविष्यवक्ताओं के जरिये से, फिर परमेश्वर के पुत्र में, जो कि, वो परमेश्वर था। देखो, यह वही परमेश्वर है जो बिल्कुल ठीक सिद्धता से सिद्धता, महिमा से महिमा तक उजागर करता जा रहा है। इसी तरह से कलीसिया आगे बढ़ती है।

87 ध्यान देना, युगों–युगों से, उसने अपने भविष्यव्यक्ता के द्वारा स्वयं को उसी प्रकार प्रकट किया है। वे असल में भविष्यवक्ता नहीं थे, लेकिन वे ईश्वर थे। उसने ऐसा कहा। क्योंकि, जो कुछ उन्होंने बोला वह परमेश्वर का वचन था। वे परमेश्वर की वो देह थे जिसमें परमेश्वर पर्दा किये हुए था। वे

ईश्वर थे। स्वयं यीशु ने बोला, कहा, “जब मैं कहता हूं कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं, तो तुम मुझे कैसे दोषी ठहरा सकते हो, और तुम्हारी अपनी व्यवस्था कहती है कि जिन लोगों के पास प्रभु का वचन आया वे ईश्वर थे? ” देखा?

88 तो यह मनुष्य के एक रूप में परमेश्वर था जिसे एक भविष्यव्यक्ता कहा गया। देखा? और प्रभु का वचन उस मनुष्य के पास आया, इसलिए यह भविष्यव्यक्ता नहीं था; भविष्यव्यक्ता तो वो पर्दा था, लेकिन वो वचन परमेश्वर था। उस मनुष्य के शब्द इस तरह से कार्य नहीं करेंगे। देखा मेरा क्या अर्थ है? ये उस प्रकार से कार्य नहीं कर सकता। लेकिन संभावित रूप से ये परमेश्वर ही था। देखो, वह एक मनुष्य के रूप में परमेश्वर का वचन था, जिसे “एक मनुष्य,” कहा गया।

ध्यान देना, उसने अपना स्वभाव कभी नहीं बदला, केवल अपना रूप बदला। इब्रानियों 13:8 ने कहा, “वो कल, आज और युगानुयुग एक जैसा है।” इसलिए जब वह आया तो उसने अपना स्वभाव नहीं बदला। वह युगों–युगों में से होते हुए वही भविष्यव्यक्ता रहा हैं, वही चीज: वचन, वचन, वचन, वचन। देखा? वह अपना स्वभाव नहीं बदल सकता, लेकिन उसने अपना रूप बदला। इब्रानियों 13:8 ने कहा, “वह कल, आज और युगानयुग एक सा है।” उसने बस अपना मुखौटा बदला।

89 जैसे कि जब मेरे बालक का जन्म होता है तो मैं पति से बदलकर, तब मैं पिता बन जाता हूं। जब मेरे पोते का जन्म होता है, तब मैं दादा होता हूं। समझे? लेकिन, मैं नहीं बदलता; यह अब भी—अब भी मैं ही हूं। देखा? (और यही परमेश्वर है।) ये बस मैं हूं जो बदलकर मेरे… देखो, ये तो बस आपका रूप बदलता है। समझे?

ध्यान दें। और प्रकृति इसे एक युवा से बदलकर एक अधेड़ आयु का बनाती है, उसके बद्द एक बूढ़े मनुष्य में बदल देती है। और आप वही है, आप देखो, आप बस अपना रूप बदलते हैं।

90 अब, आप यहाँ पर खड़े हुए सोलह वर्ष की उम्र के एक छोटे लड़के को नहीं कह सकते वो दादा है। वो ऐसा नहीं हो सकता। उसके रूप को बदलना होगा। कुछ वर्ष में वो बदल जाएगा, फिर वो दादा बन जाएगा। देखा मेरा क्या अर्थ है?

91 लेकिन वह हर समय एक ही मनुष्य होता है, वही व्यक्ति, हर समय परमेश्वर ही है। इसी प्रकार से, ऐसा करते हुए, वह अपने लोगों के लिए

स्वयं को प्रकट करता है। ध्यान दे, आग के खम्भे के युग के दौरान, उसने अपने आप को लोगों के लिए प्रकट किया। यीशु के—के युग में, उसने अपने लोगों के लिए अपने आप को प्रकट किया। पवित्र आत्मा के युग में, परमेश्वर के पुत्र के रूप में। दाऊद का पुत्र... वह हमेशा ही इसी प्रकार से अपने आप को लोगों के लिए प्रकट करता हैं, जिससे की लोग उसे जान सकें। वह किसी चीज के पीछे पर्दा हुआ है, ध्यान दें, उसी तरह से, या उसी स्वभाव में, हर बार।

92 परमेश्वर यीशु में पर्दा हुआ, ताकि क्रूस पर छुटकारे के कार्य को कर सकें। एक आत्मा के रूप में परमेश्वर मर नहीं सकता। वो अनन्त हैं। लेकिन उसे मुखौटे को पहनना था और मृत्यु के किरदार को निभाना था। वो मरा, लेकिन वो इसे उसके परमेश्वर के रूप में ऐसा नहीं कर सकता। उसे यह काम पुत्र के रूप में करना था, मनुष्य के पुत्र के रूप में, धरती पर। समझे? उसे पुत्र का रूप लेना ही था। फिर जब वो पेंटीकोस्ट के दिन वापस लौटा, तो वो फिर से परमेश्वर का पुत्र बन गया। क्या आप समझे मेरा क्या अर्थ है? समझ आया? वो...

93 उसे मनुष्य की देह में आना था, कि... और कोई भी नही, कोई यौन इच्छा नहीं। क्योंकि इससे सर्प के बीज के बारे में हमारा कथन फिर से साबित होता है, देखिए, "यौन इच्छा," पूरी तरह से यौन इच्छा। ना ही सेब; यौन संबंध! बिल्कुल सही। यह तो होना था। यहाँ ध्यान दे, देखो, किसी भी भले मनुष्य के लिए... वहां पहले के उन भविष्यव्यक्ताओं की ओर देखो, लेकिन उसे एक भविष्यव्यक्ता से कहीं बढ़कर होना था। देखा? ऐसा करने के लिए, उसे कुंवारी से जन्म लेना था, यह दिखाता है कि कुंवारी जन्म से यह साबित हुआ... उसे कुंवारी से जन्म लेना था, ताकि शाप को दूर करे, विष नाशक। देखा मेरा क्या मतलब है? तो, इसे यौन संबंध होना था। उसने इसे स्वयं अपने खुद के आगमन से साबित किया; वो यौन इच्छा से नहीं आया, लेकिन कुंवारी से जन्मा। और उसने यहोवा का मुखौटा बदलकर यीशु का मुखौटा पहन लिया, ताकि छुटकारे के कार्य को उस नाटक में ले जिसका वह किरदार निभा रहा था, परमेश्वर में उस क्रूस पर।

94 यूनानी लोग उसे देखना चाहते थे। संत यूहन्ना 12:20 में, आप में से बहुतों ने मुझे यह प्रचार करते सुना है, कहते हुए "महाशय, हम यीशु को

देखना चाहेंगे।” क्या आपने इस पर ध्यान दिया?

95 अब, यूनानी लोग विद्वान थे, वे महान मनुष्य थे। और उनके पास—उनके पास एक—एक परमेश्वर के प्रति एक बहुत बड़ी भावना थी, जैसे पौलुस ने मार्स के पहाड़ पर प्रचार किया। और वे महान थे, उन्होंने—उन्होंने अगुवाई की उन्होंने—उन्होंने विज्ञान और—और शिक्षा में संसार की अगुवाई की, वे महान लोग थे। लेकिन उन्होंने आराधना की और काल्पनिक कथाओं और इत्यादि चीजों में विश्वास किया, कला की किताबें और विचित्र कलायें, और इत्यादि चीजों में।

96 लेकिन वे—वे—वे इस व्यक्ति के विषय में उत्तेजित हो गए जो बीमारों को चंगा कर सकता था और उन बातों को पहले से बता सकता था जो बिंदु दर बिंदु घटित हुई। और वे उत्तेजित हो गए, इसलिए वे उसे देखने के लिए आए। अब ध्यान से देखना, इससे चूकना मत। देखा? और वे आए और उन्होंने बेथसैदा के फिलिपुस से कहा, “महाशय, हम यीशु को देखना चाहते है।” और फिलिपुस और एक दूसरे चेले उसे यीशु के पास ले आए, कि यीशु से मिले।

97 अब ठीक उन शब्दों पर ध्यान देना जो यीशु ने उन्हें वापस उत्तर में कहे, क्योंकि वे यह देखने आए थे कि वह कौन था, और वे उसे देख नहीं पाए। उन्होंने उसका रूप देखा, लेकिन वो अपने मंदिर में था। परमेश्वर अपने मंदिर में, मनुष्य देह में पर्दा था। उसके कहे हुए शब्दों पर ध्यान दें, “जब तक गेहूँ का दाना जमीन में गिरकर, देखो, और मर नहीं जाता, तब तक ये अकेला ही बना रहता है।” समझे? “वह घड़ी आ चुकी है, जल्द ही मनुष्य का पुत्र महिमावंत होगा, देखो, और उसे इस धरती से जाना ही होगा। और जब तक यह घड़ी नहीं आती, तब तक तुम इसे कभी भी नहीं देख पाओगे।” समझे?

98 यहाँ, वे यीशु को क्यों नहीं देख पाए? क्योंकि उसने मुखौटा पहना था। परमेश्वर ने मुखौटा पहना था। यूनानी लोग एक परमेश्वर को चाहते थे, और वो यहाँ पर था, लेकिन वे पर्दे के कारण उसे नहीं देख सके। और आज भी वही चीज है, वे पर्दे की वजह से उसे देख नहीं सकते है। उनके चेहरे पर पर्दा पड़ा हुआ था। ये यूनानी मुखौटे में थे, मेरा मतलब यीशु इन यूनानियों के लिए मुखौटा डाले हुए था।

99 ध्यान दे, उसने उनसे कहा, “जब तक यह गेहूँ का दाना जमीन में नहीं

गिरता, तब तक यह अकेला ही बना रहता है।”

100 वे, वे समझ नहीं पाये कैसे, इसलिए वे उसे नहीं देख पा रहे थे। वहाँ एक मनुष्य खड़ा था। वे परमेश्वर को देखने आए, और उन्होंने एक मनुष्य को देखा। समझे? वे परमेश्वर को देख नहीं पाए क्योंकि परमेश्वर उनके लिए पर्दे में छिपा हुआ था। अब इस बात को अपने मन में ही रखे, परमेश्वर एक मनुष्य के पर्दे में छिपा हुआ था। वे कह सकते हैं, “कोई भी मनुष्य इन कामों को नहीं कर सकता सिवाये परमेश्वर के। कोई मनुष्य इसे नहीं कर सकता, और कैसे यहाँ एक मनुष्य खड़ा हुआ है और फिर भी परमेश्वर के कार्य उसके द्वारा प्रकट होते हैं!” देखिए, वे यह नहीं समझ पाए कि परमेश्वर पर्दा किये हुए था।

101 वह एक मनुष्य में पर्दा हुआ हैं, जैसे वह हमेशा ही पर्दा किये रहता हैं। लेकिन, वो उनके लिए पर्दा हुआ था, वो उसके मानव मंदिर में था। परमेश्वर एक मानव मंदिर में था। अब, बहुत ही सावधान रहे, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। समझे? परमेश्वर पर्दा हुआ, स्वयं को संसार से छिपा रहा था, मनुष्य जाति में पर्दा हुआ। देखा? यहाँ परमेश्वर था! वे यूनानी कह रहे थे, “हम उसे देखना चाहेंगे।”

102 और यीशु ने कहा, “गेहूं का दाना जब तक गिरकर मर नहीं जाता।” आपको अपने सभी विचारों के लिए मरना होगा। आपको अपने खुद के विचारों से बाहर निकलना होगा।

उन चेलों की तरह, वे भी उसकी देह को खाने के विषय में, और—और उसके लहू को पीने के विषय में समझा नहीं सकते थे, लेकिन, देखो, वे उन चीजों के प्रति मर चुके थे। वे एक सिद्धांत के प्रति मर चुके थे, वे मसीह के प्रति मर चुके थे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या है, या ऐसा दिखाई दिया कि उसके पास कितनी अधिक हार है, फिर भी कुछ भी हो उन्होंने इसका विश्वास किया। देखा? वे उस मनुष्य में देख सकते थे; एक मनुष्य जो खाता है, पीता है, मछली पकड़ता है, सोता है, बाकी सब कुछ करता है, यहाँ धरती पर जन्मा था, और वह उनके साथ चला, उनके साथ बातें की, उन बाकी के लोगों के जैसे कपड़े पहनता था, लेकिन वो परमेश्वर था।

103 इसलिए यूनानी उसे देख नहीं पाए, क्योंकि वो एक मनुष्य के रूप में उन लोगों से छिपा हुआ था। जो उसने उनके लिए वचन कहा उसे ध्यान

देना। “जब तक गेहूं का यह दाना जमीन में गिरता नहीं है।”

104 परमेश्वर मनुष्य के रूप में पर्दा हुआ, अपने आप को उनकी दृष्टि से छिपा लिया। वे केवल एक मनुष्य को ही देख सकते थे। लेकिन जो पहले से ठहराए हुए थे उन्होंने परमेश्वर को देखा। एक ने मनुष्य देखा, दूसरे ने परमेश्वर को देखा। समझे? और यह परमेश्वर ही था जो मनुष्य जाति में पर्दा हुआ था, उन दोनों को सही बना रहा था, लेकिन आपका विश्वास उस पर होता है जो आप नहीं देखते हैं। आप इसे विश्वास करते हैं, जो भी हो। परमेश्वर मनुष्य जाति में छिपा हुआ है। वो उस देह में था, और वह देह उसका पर्दा था। पर्दा फट गया था, देखो, जिससे कि परमेश्वर प्रकटीकरण में आ सके।

105 पुराने नियम में, परमेश्वर छिपा हुआ था जब वह उसके दया के आसन पर था; एक पर्दे के द्वारा, दया के आसन पर था। पुराने नियम में, परमेश्वर अपने मंदिर में था। लेकिन लोग अंदर आकर और इस तरह से आराधना करते हैं, लेकिन, याद रखें, वहां एक पर्दा था (आमीन) जिसने परमेश्वर को छिपा कर रखा। वे जानते थे कि परमेश्वर वहाँ पर था। वे उसे देख नहीं सके। वो अग्नि का स्तंभ वहाँ फिर कभी भी प्रकट नहीं हुआ। क्या आपने ध्यान दिया? वचन में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ है, उस समय से लेकर जब अग्नि का स्तंभ उस पर्दे के पीछे चला गया, कि यह फिर कभी प्रकट हुआ हो, जब तक कि यह यीशु मसीह में से नहीं आया। परमेश्वर पर्दा हुआ था!

106 जब वो धरती पर खड़ा हुआ, उसने कहा, “मैं परमेश्वर से आया हूं और परमेश्वर के पास जाता हूं।”

107 फिर पौलुस (यीशु की मृत्यु, दफ़नाये जाने, और पुनरुत्थान के बाद) दमिश्क के रास्ते पर जाते समय, वहां फिर से वो अग्नि का स्तंभ था। ये क्या था? पर्दे के पीछे से बाहर आया! परमेश्वर की महिमा हो!

108 वो पर्दे के पीछे था। अब वो किसके पीछे था? खाल के पर्दे के पीछे। देखो, “किसी जानवर की खाल,” के पर्दे के पीछे। और जब उसे क्रूस पर चढ़ाया गया उस दिन वह पर्दा फट गया, वो पर्दा जिसमें उसे लपेटा गया था, वह क्रूस पर चढ़ाए जाने के दिन फट गया, और दया का पूरा आसन दृश्य में आ गया।

109 अब, यहूदियों को यह समझ में नहीं आ रहा था कि परमेश्वर हम जैसे

पापी, दुष्ट लोगों पर दया कैसे कर सकता है। लेकिन वे इस एक को नहीं देख पाए जो दया को दे रहा था, क्योंकि वो छिपा हुआ था। वह दया के आसन के पीछे था, अंदर की ओर, किसी जानवर की खाल लटक रही थी, उसे ढांके हुए थी। इससे पहले...

110 इससे पहले, यदि कोई मनुष्य उस पर्दे के पीछे चला जाता था, तो उसकी उसी वक्त मृत्यु हो जाती थी। आमीन। ओह, हमें अभी एक मिनट में एक सबक मिलने वाला है, देखो, यदि आप इसे—आप इसे ग्रहण कर सकते हैं। उन खाल के पीछे चलने के लिए... यहां तक कि याजक के बेटों में से एक ने एक समय ऐसा करने की कोशिश की, और वह मर गया। "उस पर्दे के पीछे मत जाना।" वह मनुष्य जो वहां पीछे चला... क्यों? क्योंकि उसमें अभी तक कोई छुटकारा नहीं हुआ था। ऐसा संभावित रूप से था। यह बस संभावना थी। और कोई भी चीज *संभावना* होती है वो अभी तक वास्तविक चीज नहीं होती है, देखो, बस संभावित रूप से है। यह छुटकारा था... पाप को ढांपा गया था, ना ही भुला गया... मेरा मतलब ना ही क्षमा किया गया। *क्षमा किया गया* होता है "तलाक देना और छोड़ देना।" और इसलिए भेड़ों और बकरियों का लहू ऐसा नहीं कर सका, सो यहोवा एक पर्दे के पीछे छिपा हुआ था। अब, इस पर्दे के पीछे जहाँ पर वह छिपा हुआ था, उसमें प्रवेश करने पर, एक मनुष्य की इसके अंदर प्रवेश करने की कोशिश पर मृत्यु हो गई।

111 लेकिन पेंटीकोस्ट के बाद से लेकर, क्रूस पर चढ़ाए जाने के बाद से लेकर, जब वह पर्दा ऊपर से नीचे तक फट गया था, उस पीढ़ी के लिए... यीशु परमेश्वर था, जो पर्दा हुआ था। और जब वह कलवरी पर मरा, तो परमेश्वर ने आग और बिजली भेजी, और उस पर्दे को ऊपर से नीचे तक फाड़ डाला, वो सारा दया का आसन स्पष्ट रूप से दृश्य में आ गया था। लेकिन वे इतने अंधे थे कि उसे देख नहीं पाए। जैसा कि मूसा ने यहाँ कहा था, हालाँकि, या... पौलुस ने कहा, मूसा के विषय में पढ़ते हुए, "जब मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती हैं, आज भी, उनके हृदय पर वह पर्दा पड़ा रहता है।" ओह, भाईयों, बहनों, यही है जो यहूदियों ने किया जब पर्दा फट गया था और क्रूस पर लटकते हुए, परमेश्वर को स्पष्ट रूप से दृश्य में लेकर आया। वो स्पष्ट रूप से दृश्य में था, लेकिन वे उसे देख नहीं पाए।

112 क्या यह संभव हो सकता है कि अन्यजाति ने भी उसी चीज को ही

किया हो? हे परमेश्वर! जब उनके पास परमेश्वर के पुत्र के कलिसिया युग थे; लेकिन अब जब कि इन संप्रदायों और चीजों का पर्दा है, यह रीति–रिवाजों का पर्दा जो हमारे पास पेंटीकोस्ट के समय से लेकर है, जब कलीसिया के रीति–रिवाजों को फाड़ दिया गया है, वे बातें जो लोगों ने कही, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए, और ये इत्यादि चीजे," और परमेश्वर ने उस पर से पर्दा हटा दिया है, और इसे स्पष्ट रूप से दृश्य में लाया, और वे इसे फिर से क्रूस पर चढ़ाने के लिए तैयार हैं, बस बिल्कुल वैसे ही।

113 परमेश्वर बेपर्दा हुआ, स्पष्ट रूप से दृश्य में है, उन्हें उसे वहाँ खड़ा हुआ देखना चाहिए था। फिर भी वो बहुत साधारण था, वो एक साधारण मनुष्य था। वे इसे देख नहीं सके। देखो, वहां एक मनुष्य खड़ा था। "ठीक है," उन्होंने कहा, "ये व्यक्ति, वो किस स्कूल से आया है?" लेकिन याद रखना, जब वह भाला उसके शरीर में डाला गया, तो उसकी आत्मा ने उसे छोड़ दिया, वो मंदिर... बलिदान के तख्ते पलट गए, और बिजली नीचे मंदिर पर आकर कड़की, और पर्दे को फाड़ दिया। यह क्या था? उनका परमेश्वर कलवरी पर लटका हुआ था, और वे इतने अंधे थे कि उसे देख नहीं पा रहे थे।

114 उसे खुले दृश्य में लाया गया, और फिर भी वे इसे नहीं देख रहे थे! वे अंधे हैं। परमेश्वर, एक मनुष्य जाति में पर्दा हुआ!

115 आपको याद होगा, उसके बाद वह पौलुस के पास और जेल में पतरस के पास एक अग्नि के स्तंभ के रूप में लौट आया। क्या यह याद है?

116 लेकिन अंत के दिनों में उसे फिर से वापस लौटना है, लेकिन एक अग्नि के स्तंभ को वापस लौटना होगा ताकि मनुष्य के पुत्र को फिर से प्रकट करे, देखो, कि वचन को दिखाये, अर्थात उजियाले को। वे रीति–रिवाज, जो अब तक रहे है, मिटा दिए जायेंगे। इससे किसी को कुछ भी फर्क नही पड़ने वाला है; जो भी है, यह होने जा रहा है। परमेश्वर बस उन संप्रदायों और रीति–रिवाजों को फाड़ देता है।

वह इसके साथ किस प्रकार की आत्मा के रूप में कार्य करेगा? जैसे उसने पहली बार किया था। देखो जो उसने एलियाह के दिनों में, यूहन्ना के दिनों में किया था। "क्या तुम भीतर ही भीतर मन में यह नहीं कहते कि 'अब्राहम तुम्हारा पिता है,' क्योंकि परमेश्वर इन पत्थरों से भी अब्राहम के लिए संतान को खड़ा करने में सक्षम है।" देखा? क्या आप नहीं सोचते,

"क्योंकि, मैं *इससे* जुड़ा हूं और मैं *उससे* जुड़ा हूं।" देखा? परमेश्वर पर्दे को फाड़ता है, देखो, ताकि दिखाये कि वो कौन हैं। देखो, उस पर्दे को देखो जब यह यहाँ अब फटता है, हम अभी इसे पाते है।

117 अब, और एक समय, यदि एक मनुष्य उस परदे में से होकर जाता था, तो इसकी तभी मृत्यु हो जाती थी। अभी यदि इसमें से होकर नही जाते है तो यह मृत्यु है! आमीन। यदि आप रीति–रिवाज़ के उस पर्दे को नहीं फाड़ सकते, संप्रदाय की उस दीवार को नही तोड़ सकते, जिससे कि परमेश्वर को उसकी सामर्थ में देखे, तो ये मृत्यु है। एक समय था जब उसके भीतर प्रवेश करना मृत्यु था, अब ये इससे बाहर रहना मृत्यु है। पूरा दया का आसन स्पष्ट रूप से दृश्य में रखा हुआ है, हर कोई इसे देख सकता है, पर्दा फट गया है। परमेश्वर की महिमा हो! दया का पूरा आसन स्पष्ट रूप से दृश्य में आ गया है।

118 कैसे परमेश्वर हमारे जैसे दुष्ट पापियों पर दया कर सकता है, जब उसने खुद को छिपा लिया, यह एक रहस्य था। और अब यह स्पष्ट रूप से दृश्य में है, या पूर्ण दृश्य में है, उसके वचन के द्वारा प्रकट किया गया है। यह हमेशा से ही वचन है, निरंतर, यही परमेश्वर है। यह वचन है जो इसे खोल देता है। यदि वे लोग परमेश्वर के वचन को जान गये होते उस दिन जब यीशु की मृत्यु हुई, तो उन्होंने दया के आसन को देखा होता, उन्होंने देख लिया होता कि वह कौन था।

119 "तब यह कौन था? पर्दा क्यों फटा? " याद रखना, इसके अंदर जाने पर मृत्यु थी। उसे कोई देख नहीं सकता था। मूसा ने इसे एक रूप में देखा, यह एक भंवर... वह एक—एक मनुष्य की पीठ थी। तो ठीक है, यहाँ है ये, एक लहूलुहान पीठ, उसी मनुष्य की! यह क्या था? परमेश्वर उन्हें दया का आसन दिखाना चाहता था। परमेश्वर उन्हें यह दिखाना चाहता था कि वो कौन है। इसलिए मंदिर में पर्दा, परमेश्वर के हाथ से, ऊपर, वहां ऊपर से नीचे तक फट गया था, और परमेश्वर को स्पष्ट रूप से दृश्य में दिखाया। ये यीशु मसीह था जो क्रूस पर लटका हुआ था, दया का आसन। और ये क्या था? लोग उसे देखने के लिए बहुत ही अंधे थे।

120 अब इसे फिर से दोहराया गया है, उनके रीति–रिवाज! कैसे, तब, पेंटीकोस्ट के दिन पर, वचन आया और "परमेश्वर के पुत्र," के रूप में प्रकट हुआ था। और उन्होंने इसे निसिया, रोम में संगठित करना

आरंभ किया। और पहली चीज, वे मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल आदि संप्रदायों में गए। यह संगठित रीति–रिवाज है इतना तक कि एक मनुष्य नहीं जानता कि वह कहां पर खड़ा है।

लेकिन, परमेश्वर की महिमा हो, उसने अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा की कि वह क्या करने वाला है। वह अपने वचन को स्पष्ट रूप से दृश्य में दिखाएगा, हमारे सामने फिर से खोलेगा, देखो, इसे खोल देगा।

121 यदि वे केवल वचन को जानते, तो वे जान जाते कि यीशु कौन था। यदि एक मनुष्य केवल परमेश्वर के वचन को जानता है, तो वह जान जाएगा कि हम किस घड़ी में जी रहे हैं और क्या हो रहा है। वे बस उस वचन को सुनने से ही इन्कार कर देते हैं। उनके रीति–रिवाज! उन यहूदियों को ऐसा देखने का कारण क्या था? क्या? ऐसा दिखाई दिया कि वे असल में देख सकते थे, क्योंकि वो चीज फटकर खुल गयी थी। यह एक उद्देश्य के लिए फटकर खुला हुआ था।

122 अब यह बेदारी किस उद्देश्य के लिए है? यह कैसे फल–फूल सकती है? इसे कैसे आशीषित किया जा सकता है? मैं इसकी परवाह नहीं करता कि इसकी कितनी नकल उतारी गयी हैं, या और जो कुछ भी है, जो ऐसा नहीं... जब मूसा बाहर निकला, तो मिली–जुली लोगों की भीड़ उसके साथ बाहर निकली थी। लेकिन यह किसलिए किया गया था? यह यहोवा स्वयं परमेश्वर के पर्दे को हटा रहा है, ताकि सही और गलत के बीच अंतर को दिखाए। मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, या कौन सही है? परमेश्वर का वचन ही सही है! "हर एक मनुष्य का शब्द झूठा हो, और मेरा वचन सत्य ठहरे।" परमेश्वर को किसी अनुवादक की आवश्यकता नहीं है। वो स्वयं ही उसका अनुवादक है। वह इसे प्रकट करता है, और प्र–... यह अनुवाद को देता है। परमेश्वर स्वयं को बेपर्दा कर रहा हैं। ओह, प्रभु! ठीक हमारे बीच में, हम उसके महान हाथ को इन चीजों को बताते हुए देखते हैं, इन चीजों को करते हुए देखते है।

123 आज रात उस पर कुछ तो है, देखो, कैसे परमेश्वर के हाथ को देखना है, यह क्या करता है, यह कैसे अपने आप में खुलता है। देखा?

124 और लोग कहते हैं, "ओह, ये तो बेकार की बात है। ये तो कट्टरता है। इसमें कुछ भी नही है। ये बेकार की बात है। यह बालजबूल है। यह एक शैतान है। यह ज्योतिष विद्या बताने वाला है। ये *ऐसा* ही है।" देखो, वही

बात उन्होंने उसके विषय में कही।

125 हे कलीसिया, और यदि यह टेप बाहर जाता है, तो क्या आप नहीं देख सकते, सुसमाचार के सेवकों, कि आप कहाँ पर रह रहे हैं? क्या आप उस घड़ी को नहीं देख सकते जिसमें हम हैं? परमेश्वर, स्वयं को दिखा रहा हैं, अलग रखते हुए... देखो, उसने मंदिर के उस पर्दे को लेकर और इसे दो टुकड़ों में फाड़ दिया, जिससे कि वे परमेश्वर को स्पष्ट रूप से दृश्य में देख सकें, और वे इसे देखने के लिए बहुत ही अंधे थे। और आज भी उसने उसी चीज को किया है, अपने वचन को ठीक वहां सामने रखते हुए, जो उसने प्रतिज्ञा की थी। वचन में लिखी हर एक प्रतिज्ञा हमारे सामने स्पष्ट रूप से दृश्य में रखी हुई है!

126 क्या आप जानते हैं कि अन्यजाति कलीसिया क्या करती है? वही चीज जो यहूदी कलीसिया ने की, जो इसे देखने के लिए बहुत ही अंधे थे। बस ऐसा ही है। यह बात उनके हृदय पर होगी बिल्कुल जैसा कि यह उस दिन में था।

127 ध्यान दे, अब इससे दूर रहना मृत्यु है। आपको इस पर्दे में से होते हुए इसके अंदर जाना ही है, अन्यथा आप नहीं जा पाएंगे। परमेश्वर उन पर कैसे दया कर सकता था, लेकिन याद रखें कि यह क्या था, जो कि परमेश्वर प्रकट कर रहा था कि उस पर्दे के पीछे क्या था। देखो पर्दे के पीछे क्या था, वो वचन! इसने क्या पर्दा किया था? वचन को! ये क्या था? ये उस संदूक में है। ये वो वचन था जो पर्दे में छिपा हुआ था। समझे? और यीशु ही वह वचन था, और वही वो वचन हैं, और उसके शरीर के पर्दे ने इसे छिपाए रखा था।

128 और आज रीति–रिवाज़ का पर्दा फिर से वचन को छुपा रहा है, यह कहते हुए, “ऐसा नहीं है।” लेकिन यह ऐसा ही है! परमेश्वर इसकी गवाही को दे रहा है, अपने आपको सूर्य के समान तेजस्वी रूप में सबके सामने प्रकट कर रहा है, और वे लोग उसे देख नहीं पाते है। परमेश्वर, हम पर दया करे।

129 नमूने के रूप में, मूसा परमेश्वर की उपस्थिति से आ रहा था, उस युग के लिए परमेश्वर के वचन के साथ। अब देखना, हम निर्गमन अध्याय 19 में हैं। इससे अब चूकना मत। निर्गमन 19, मूसा परमेश्वर की उपस्थिति से आ रहा है, या 20 और 21, 19:20 और 21। मूसा परमेश्वर की उपस्थिति

से आ रहा था। वह वचन के अंदर रहा है। वचन को लिखा जा चुका है। और वो, परमेश्वर की उपस्थिति में, वचन के साथ, उसके पास उस युग के लिए वचन था। वहां हर युग के लिए एक वचन है। और जब मूसा सामने आता है, तो उसका चेहरा इस तरह से चमक उठा! देखा? वचन उसके अंदर था, प्रकट होने और लोगों को देने के लिए तैयार था।

130 वो सच्चा वचन, इसे परमेश्वर ने लिखा था, और ये मूसा के पास था। ध्यान देना, वह मूसा के पास था और प्रकट होने के लिए तैयार था। वो उन लोगों के लिए वचन था, वह जीवित वचन था, जो छिपा था। अपने आप को पर्दा किये हुए, मूसा को अपने ही चेहरे पर पर्दा डालना था। क्यों? वह वो वचन था। आमीन। जब तक वो वचन प्रकट नहीं हुआ, मूसा को अपने आप को पर्दे में रखना था। आमीन!

क्या आप इसे देख रहे हैं? जहाँ कहीं भी वचन है, ये पर्दा हुआ है।

131 मूसा के पास वचन था। अब याद रखना, वचन के प्रकट होने के बाद, मूसा फिर से मूसा बन गया। समझे? लेकिन जब वो वचन उसमें था कि उसे दिया जाए, वह परमेश्वर था; तो ठीक है, वो अब मूसा नहीं था। उसके पास उस युग का प्रभु का वचन था। उसे कोई भी नहीं छू सकता जब तक यह समाप्त नहीं हो जाता, वह वचन उसके साथ था। तो, इसलिए, जब वह आया, तो लोगों ने अपने सिर को घुमा दिया; वे समझ नहीं पाए। वे बदल चुके थे। वो एक भिन्न व्यक्ति हो गया था। उसने उस वचन के साथ आया। "और उसने एक पर्दा डाल दिया," बाईबल ने कहा, "उसके चेहरे पर," क्योंकि उसके पास वचन था। और वह उन लोगों के लिए वचन था।

132 अब देखिए, यदि मूसा... ओ भाई, यहाँ आपका एक अपमान होने वाला है। लेकिन यदि मूसा... जैसा कि पौलुस ने यहाँ दूसरे कुरिन्थियों के 3रे अध्याय में कहा। यदि मूसा को उस प्रकार की महिमा के साथ अपने चेहरे को पर्दा करना था... देखो, क्योंकि यह स्वाभाविक महिमा थी, यह एक स्वाभाविक व्यवस्था थी। और यदि मूसा, यह जानते हुए कि उस व्यवस्था को नष्ट होना था, लेकिन महिमा इतनी महान थी कि उसने लोगों को अंधा कर दिया, इसलिए उन्हें उसके चेहरे पर पर्दा डालना पड़ा, तो यह महिमा और कितनी अधिक होगी? आत्मिक रूप से अंधे लोग! उह–हुंह। वो महिमा तो मिटने वाली थी, लेकिन ये महिमा कभी नहीं मिटेगी। समझे? मूसा के पास शारीरिक व्यवस्था थी, दोषी ठहराना, कोई अनुग्रह

नहीं, कुछ भी नहीं था; यह बस आपको दोषी ठहराती है। लेकिन हम इसके विषय में बात कर रहे हैं... इसमें कोई क्षमा नहीं थी, जिसने आपको बस ये बताया कि आप क्या थे। यह आपको बाहर निकलने का मार्ग देता है।

133 और जब वो वचन बेपर्दा होता है, ओह, प्रभु, तो ये किस प्रकार का चेहरा होगा? इसे तो पर्दा करना होगा। इसे पर्दा करना होगा। अब ध्यान देना। इसलिए आत्मा मनुष्य के मंदिर में पर्दा हुआ है, देखो, वह स्वाभाविक शब्दों को स्वाभाविक पर्दे के साथ बोलता है।

134 अब, पौलुस यहाँ बोलता हैं, और इस—इस अभिप्राय में, आत्मा का वचन, "हम शब्द के सेवक नहीं हैं, उस व्यवस्था के; लेकिन आत्मा के योग्य सेवक हैं," कि पवित्र आत्मा उस शब्द को लेकर और इसे प्रकट करता है।

135 यह तो बस व्यवस्था थी, आपको जाकर इसे देखना होता था, जो कहता है, "तुम व्यभिचार नहीं करना। तुम चोरी नहीं करना। तुम झूठ नहीं बोलना। तुम *यह*, *वह* या *दूसरे* काम नहीं करना।" देखा? आपको उसकी ओर देखना होता था।

136 लेकिन यह आत्मा है जो *इस* युग के लिए प्रतिज्ञा किए गए वचन पर आती है, और आगे लाकर और उसे प्रकट करती है, ना ही पत्थर की दो पट्टियाँ, लेकिन जीवित परमेश्वर की उपस्थिति। ना ही किसी के बनाये गये काल्पनिक कहानी के विचार, या कोई जादूगर, कोई तरकीब; लेकिन परमेश्वर की उसी प्रतिज्ञा को प्रकट किया और ठीक हमारे सामने प्रकटीकरण में लाया गया। वह किस प्रकार के पर्दे के पीछे छिपा होगा? और उसे—उसे खोलने के लिए...

137 देखो, यह बहुत ही महान था इतना तक कि लोगों ने भी कहा, उन्होंने कहा कि जब उन्होंने यहोवा को आग का खम्भे में उतरते और धरती को हिलाते हुए देखा, और—और जो चीजें उसने की है, और पहाड़ पर अग्नि को देखा। और यहाँ तक यदि जो कोई उस पहाड़ की ओर जाने की कोशिश करता, वह नष्ट हो जाता। वह इतना अधिक था कि यहाँ तक मूसा भी कंपन से डर गया। फिर, यदि उस समय उसने केवल पहाड़ को हिलाया, तो इस बार वो आकाश और धरती को हिलायेगा।

138 इस महिमा के विषय में क्या है? यदि यह स्वाभाविक पर्दे के द्वारा पर्दा हुआ था, तो यह बिलकुल... आत्मिक पर्दे से पर्दा हुआ है। इसलिए

स्वाभाविक की ओर देखने का प्रयास ना करें; आत्मा के अंदर प्रवेश करे और देखें कि आप कहां पर हैं, देखें कि हम किस घड़ी में रह रहे हैं।

139 क्या आपको यह समझ में आ रहा है? देखो, यह एक आत्मिक पर्दा है जो लोगों के ऊपर पड़ा हुआ है, कहते है… "मैं मैथोडिस्ट हूँ। मैं किसी से भी बहुत अच्छा हूँ। मैं बैपटिस्ट हूँ। और मैं पेंटीकोस्टल हूँ।" क्या आपको यह एहसास नहीं है, कि वो चीज एक रीति-रिवाज का पर्दा है? यह परमेश्वर को आपसे छिपा रहा है। यही वो चीज़ है जो आपको हर चीज़ का आनंद लेने से रोकती है…

ओह, आप कहते हैं, "मैं चिल्लाता हूं और ऊपर और नीचे कूदता हूं।"

140 उसने कहा, "हर एक वचन!" हव्वा ने एक वचन को छोड़ बाकी सभी वचनों पर विश्वास किया। समझे? यह परमेश्वर का पूरा वचन है, इस घड़ी की प्रतिज्ञा जो प्रकट हुई। देखा?

141 ध्यान दें अब जैसे हम आगे बढ़ते है। यहाँ कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन मेरे पास लगभग बीस पन्ने हैं, लेकिन यह… टिप्पणियों के—के, लेकिन मैं—मैं बस इन सब पर बात नहीं करूंगा। देखो, मैं जल्दी करूंगा।

142 लोगों के लिए वचन को बोलने से पहले ही वो एक स्वाभाविक पर्दे से पर्दा होता है। अब, परमेश्वर को अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार, मनुष्य की देह में अपने आप को पर्दा करना पड़ता है। परमेश्वर! क्या आप इसे पकड़ रहे हैं? परमेश्वर को मनुष्य की देह में अपने आप को पर्दा करना पड़ता है, और उन लोगों पर एक आत्मिक पर्दा डालना पड़ता है, (कहते है, "ठीक है, मैं *यह* भी हूँ और मैं *वो* हूँ"), जिससे कि लोगों से बात कर सके। जब यही पर्दा, जो कि रीति-रिवाज़ का पर्दा है, दो टुकड़े में फट जाता है, तब… जो वे कहते हैं, "क्योंकि, आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए है।"

143 एक व्यक्ति ने मुझसे कुछ दिन पहले कहा, वहां एक—एक छोटा सा बैपटिस्ट प्रचारक था, जो मेरे पास आया, भाई ग्रीन। और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मेरे पास आपके विरोध में एक बात है।" उसने कहा, "आप लोगों को ऐसा बनाने की कोशिश कर रहे हैं… " यह वहां रमादा इन की बात थी, जब वहां नीचे हमारी सभा रखी गयी थी। कहा, "आप लोगों को प्रेरितों के युग में विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे आज उसी तरह से जीवन जीये जैसे वे प्रेरितों के युग में जीते थे।" कहा, "प्रेरितों के साथ ही प्रेरितों का युग समाप्त हो गया।"

मैंने कहा, “क्या ऐसा हुआ? ”

“जी हाँ।”

मैंने कहा, “प्रेरितों के युग में बोलने वाला वक्ता कौन था? ”

उसने कहा, “बारह प्रेरित जो ऊपरी कोठरी में थे।”

144 मैंने कहा, “उसके बाद बाहर पौलुस था।” मैंने कहा, “बोलने वाला वक्ता पतरस था। और पतरस ने कहा, पेंटीकोस्ट के दिन, जब उन्होंने देखा कि यह सब हो रहा है, और पवित्र आत्मा काम को कर रहा था, उसने कहा, ‘यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारे संतानों के लिए है, और उनके लिए जो दूर–दूर हैं, यहाँ तक कि जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर कभी बुलाएगा।’ यदि वो अब भी बुला रहा है, तो वही बात यहाँ भी है। तब प्रेरितों का युग कब समाप्त हुआ? प्रेरितों का युग तब समाप्त हो जाता है जब परमेश्वर बुलाना बंद कर देता है।” उसने इस बारे में कभी कुछ नहीं कहा, बस अपनी टोपी उठाई और चला गया।

145 इसके लिए वचन की आवश्यकता होती है। यह वचन ही है। यीशु ने शैतान से कहा, “ऐसा लिखा है।” देखा? बस इतना ही, “ऐसा लिखा है।”

146 मैंने कहा, “पतरस ने कहा कि यह कभी समाप्त नहीं होगा। जितनों को प्रभु बुलायेगा, यह आशीष उन सभी के लिए होगी। अब आप कहते है, ‘वो रुक गया।’ कब? ”

“कोई हानि नहीं हुई? ”

मैंने कहा, “नहीं, महाशय, जरा भी नहीं। आगे बढ़े।” ऊह–हुंह। ठीक वहीं। देखा?

147 पतरस ने कहा कि यह उन सभी के लिए है जिन्हें परमेश्वर बुलाएगा, वे उसी प्रेरितों के आशीष को पायेंगे। यही—यही प्रभु का वचन है। समझे?

148 अब स्वाभाविक पर्दा। परमेश्वर, वचन, मनुष्य की देह में पर्दा हुआ। यह क्या था? परमेश्वर मूसा में पर्दा हुआ था। परमेश्वर मूसा में था, और परमेश्वर की उपस्थिति उसमें थी। वो इस तरह से उसमें उस वचन के साथ इतना सिद्ध था, यहाँ तक कि उसे अपने चेहरे को पर्दा डालना पड़ा था। और यह एक प्रमाणित भविष्यव्यक्ता था जिसने वचन को खोल दिया और उन्हें बताया, “तुम ऐसा नहीं करना! तुम ऐसा करना! और तुम ऐसा नहीं करना!” समझे?

149 उस पीढ़ी के लिए उसके वचन को देने के लिए, उसने स्वयं को एक मनुष्य में पर्दा किया, अन्यथा वचन यहाँ तक बाहर बुलाये हुए लोगों को भी अंधा कर दिया होता। समझे? यहां तक कि वे लोग जो वहां पर थे, वहां इसे देखने के लिए खड़े भी नहीं हो सके। निर्गमन में—में हम इस बात को देखते है कि उसने कहा, “मूसा को बोलने दो, परमेश्वर को नहीं।” देखा आग का खम्भा इतना अधिक क्यों नहीं प्रकट होता है? समझे?

150 परमेश्वर ने कहा, “मैं—मैं—मैं ऐसा करूंगा। मैं उनके लिए एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करूंगा।” आमीन! “मैं उनके लिए एक को उठाऊंगा।” और वो ठीक वैसे ही आया। “मैं खड़ा करूंगा, और वो पूरा करेगा, वो वचन होगा।”

151 उसने कहा, “यदि वे यह देखना चाहते हैं कि वचन क्या है… ” कहा, “अब मूसा, मैं तुम्हारे लिए वहां उस जलती हुई झाड़ी में प्रकट हुआ।” कहा, “मैं नीचे आकर और उस पहाड़ को आग से प्रज्वलित कर दूंगा।” कहा, “वे लोग देखेंगे कि तुमने सच बताया है। मैं यहाँ ठीक उसी प्रकार जलती हुई अग्नि में—में—में प्रकट होऊंगा। मैं यहां प्रकट होकर और लोगों के लिए यह साबित करूंगा, मैं तेरी सेवकाई को प्रमाणित करूंगा।” यही है जो उसने यहां मूसा को बताया, बहुत से शब्द कहे।

152 ध्यान दें, उसने कहा, “अब मैं जा रहा हूँ—मैं जा रहा हूँ कि लोगों के सामने आपकी महिमा करूं।” कहा, “अब, तुमने उन्हें बताया कि मैं तुमसे वहाँ जलती हुई झाड़ी में मिला था; अब मैं नीचे आऊंगा, उसी आग में, और मैं लोगों को दिखाऊंगा कि देखो तुमने इस विषय में कभी भी झूठ नहीं बोला।” आप इसे वैज्ञानिक रूप से भी साबित कर सकते हैं, यहाँ तक, यदि आप चाहे तो। देखा? “मैं ठीक अभी नीचे आकर और उन्हें बता दूंगा।”

153 और जब उसने गर्जना शुरू की, जब यहोवा ने गर्जना करना आरम्भ किया, लोगों ने कहा, “नहीं! नहीं! नहीं! यहोवा ना बोले; हम—हम मर जाएंगे।”

154 देखो, उसे पर्दा होना आवश्यक था, इसलिए परमेश्वर ने स्वयं को मूसा में पर्दा किया और मूसा को वचन दिया। और मूसा नीचे आया और उसने अपने चेहरे के ऊपर पर्दे को रखकर, प्रभु का वचन सुनाया। यह सही है? यहोवा ने एक भविष्यव्यक्ता के रूप में पर्दा किया, क्योंकि ऐसा करना पूरी

तरह से... और परमेश्वर ने कहा कि वह उनसे अब और इस तरह से बात नहीं करेगा। वह उनसे केवल एक भविष्यव्यक्ता के जरिये से ही बात करेगा। उसके बाद से वो हमेशा ही केवल इसी तरह से बात करता आया है। यही वो एकमात्र तरीका है जो उसने कभी बोला है। यह सही है। ना ही कभी भी किसी और तरीके से। वो झूठ नहीं बोलता।

155 ध्यान देना, केवल मूसा के पास ही वचन था। अब, वहाँ कोई—कोई झुण्ड नीचे नही आया था, वहां तब वे फरीसी या वे सदूकी लोग नहीं थे, या फिर ऐसा नहीं था कोई एक—एक संप्रदाय या गोत्र नीचे आया हो। यह तो मूसा था! उसके पास एक व्यक्ति था। वह दो या तीन अलग-अलग विचार वालों को नही ले सकता। वो एक व्यक्ति को लेता है। मूसा के पास वचन था, और केवल मूसा के पास ही था। यहोशू के पास भी यह नहीं था। किसी और के पास भी नहीं था। आमीन! यहोशू एक—एक सेनानायक था; यहोशू सेना का सेनापति था; यहोशू एक विश्वासी था, एक मसीही था। लेकिन मूसा एक भविष्यव्यक्ता था! परमेश्वर का वचन यहोशू के पास नहीं आ सकता था; इसे मूसा के पास ही आना था। वह उस समय का मुख्य भविष्यव्यक्ता था। ध्यान दे, मूसा के जाने के बाद ही यहोशू को परमेश्वर का वचन मिला। जी नहीं। परमेश्वर एक समय में एक ही व्यक्ति से व्यवहार करता है। परमेश्वर एक है। देखा? अब, केवल मूसा के पास ही वचन था, ना ही किसी झुण्ड के पास।

156 देखो, परमेश्वर ने सभी लोगों को चेतावनी दी कि वे मूसा का अनुकरण करते हुए उस पर्दे में प्रवेश करने की कोशिश न करें; वे नकल करने वाले लोग थे। समझे? वह स्त्री हो, पुरुष हो, याजक हो, ये जो कोई भी हो, कितना भी धर्मी हो, कितने लोग, कितना अधिक ईमानदार और वे कितने महान व्यक्ति हो; उसने चेतावनी दी, "मूसा को अकेले आने दो! और यदि कोई मनुष्य, यहाँ तक कि कोई जानवर भी, इसे छूता है, तो वो ठीक वहीं पर मार डाला जायेगा।" उस पर्दे के आगे कभी मत जाना। यह पर्दा एक ही व्यक्ति के लिए है। वो संदेश भी एक ही है। समझे? मंदिर में, एक व्यक्ति वर्ष में एक बार अंदर जाता था, अभिषिक्त होकर और अंदर जाने के लिए तैयार होता था; ना ही वचन को लाने के लिए, लेकिन लहू को चढ़ाने के लिए। यहां तक कि इसके सामने वहां केवल एक को ही चलकर जाना होता था। और दूसरा मनुष्य मर जाता। देखा?

157 अब वे आत्मिक रूप से मर जाते हैं। यह एक आत्मिक पर्दा है। देखा? यह एक स्वाभाविक पर्दा था। यह आत्मिक पर्दा है। देखा? वे ठीक वहां पीछे–पीछे चलते रहते हैं, आप उन्हें बता सकते हैं। "ओह, मैं जानता हूं! मैं यह जानता हूं, लेकिन मैं... "

मैंने कहा, "आगे बढ़ो, कोई बात नहीं, यह तो बस बोलता है... " आपको याद है, निर्गमन से पहले, मिस्र में अंतिम महामारी मृत्यु थी। निर्गमन से पहले, धरती पर आने वाली अंतिम विपत्ति आत्मिक मृत्यु है। उसके बाद वे भस्म किये जायेंगे और वे वापस मिट्टी में मिल जाएंगे, और धर्मी लोग उनकी राख पर चलेंगे। लेकिन अंतिम चीज आत्मिक मृत्यु है, परमेश्वर के वचन को अस्वीकार करना।

158 अब ध्यान दें, परमेश्वर ने किसी भी व्यक्ति को चेतावनी दी कि मूसा के पीछे–पीछे आग के पर्दे में जाने का प्रयास ना करें। मूसा को पर्दे में होना था, उसे वहां से बाहर आना था। मूसा ने, मूसा के रूप में, अग्नि के इस खम्भे में प्रवेश किया; और जब वह वापस बाहर आया, तो उस पर पर्दा था। क्योंकि, वह अपने रीति–रिवाजों से, प्राचीनों के रीति–रिवाजों से बाहर निकलकर, वहां अंदर चला गया। उसने अग्नि का खम्भा *देखा* था, लेकिन अब वह अग्नि के खम्भे *के अंदर* जाता है। समझे? आमीन! और वह पर्दा किए हुए बाहर आता है। परमेश्वर का वचन एक मनुष्य में है, पर्दा हुआ! देखो, यहां वह चलकर बाहर आता है, ओह, प्रभु, मैं इसे देख सकता हूँ। मैंने किसी और को इसे आज़माने की चेतावनी दी थी, कोई भी उसकी नकल नहीं कर सकता। अच्छा होगा आप ना करे। देखा? यहां तक कि एक याजक या एक पवित्र व्यक्ति, ये जो कोई भी है, कार्डिनल, बिशप, जो कोई भी और हो, उस पर्दे में जाने की कोशिश करते है, मर जाते है। परमेश्वर ने उन्हें चेतावनी दी थी। हमारे पास कोई नकल नहीं होगी।

159 उसका वचन केवल एक व्यक्ति में प्रकट होता है। ऐसा हमेशा से रहा है, एक भविष्यव्यक्ता प्रभु के वचन के साथ आया, हर युग, हर समय, वचन में से होते हुए। वचन एक के लिए ही आता है। हर युग में, उसी तरह से, यहां तक कि कलीसिया के युगों में भी, पहले से लेकर अंतिम तक। दूसरों के पास उनका अपना स्थान है, यह सही है, ध्यान दे, लेकिन उस अग्नि के स्तंभ से दूर ही रहे। समझे? हमें यहाँ एक सीख मिलती है! देखो, हर कोई मूसा बनना चाहता है, और हर कोई...

160 आपको याद है दातान और उन लोगों ने वहाँ क्या कहा था? उन्होंने कहा, "अब, मूसा, यहाँ बस एक मिनट रुकना! तुम अपने ऊपर बहुत अधिक अधिकार को ले लेते हो, देखो। अब, यहाँ कुछ और लोग भी हैं जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया है।"

161 यह सच है। वे, हर एक जन, जब तक साथ–साथ चल रहे थे, तब तक अच्छा चल रहा था, लेकिन जब किसी एक ने आगे बढ़कर उस पद को संभालने की कोशिश की जो परमेश्वर ने मूसा को दी थी, जो कि उस काम के लिए पहले से ठहराया गया था और नियुक्त किया गया था, उन्होंने इसे लेने की कोशिश की, आग नीचे उतर आई और धरती को फाड़ दिया और उन्हें सीधे उसके अंदर निगल लिया। समझे? समझे? सावधान रहे। देखा? बस एक अच्छा, धर्मी मसीही बने जो वचन पर विश्वास करता है। देखा? उस स्तंभ से दूर ही बने रहे। क्या ही सबक है!

162 परमेश्वर पहले मूसा के लिए जलती हुई झाड़ी में प्रकट हुआ था, परमेश्वर अग्नि के स्तंभ में पर्दा था। अब एक मिनट के लिए ध्यान से सुनना। जब परमेश्वर सबसे पहले मूसा के पास आया, तो वो पर्दा हुआ था। परमेश्वर अग्नि के स्तंभ में था, पीछे झाड़ी में छिपा हुआ था, देखो; जैसे खालों के पीछे था, देखो, वेदी पर दया के आसन के पास। देखा? वो पर्दा हुआ था। वह हमेशा ही पर्दे में होता है। और जब वह मूसा के पास आया, तो वह एक अग्नि के स्तंभ में था, अग्नि के स्तंभ में पर्दा हुआ था। लेकिन यहाँ, लोगों के सामने, परमेश्वर ने उसी अग्नि के स्तंभ के द्वारा उसे प्रमाणित किया। देखा? मूसा ने कहा...

163 अब ध्यान दे। क्या आप समझ रहे हैं? क्या आप अपने मन से गहराई तक विचार कर रहे हैं? क्या आप ऐसा कर सकते हैं? क्या... "जिसके कान हो, वो सुन ले।" समझे?

164 जब परमेश्वर मूसा के सामने प्रकट हुआ, तो ये अग्नि के स्तंभ के रूप में था, जब उसने उसे अपनी सेवकाई के लिए बुलाया। और मूसा ने आकर और लोगों को इसके बारे में बताया। वे इसका विश्वास नहीं कर सके, मगर उसने अद्भुत कार्य और इत्यादि चीजें की थी। लेकिन, इस बार, वह प्रत्यक्ष रूप से, वैज्ञानिक रूप से प्रकट हुआ और मूसा की सेवकाई को प्रमाणित किया कि वही परमेश्वर है जिसने उससे बात की थी, क्योंकि वह अग्नि के स्तंभ के रूप में प्रकट हुआ और उसने पहाड़ को अग्निमय कर दिया। और

वह मूसा के पास एक झाड़ी में आया, उससे बोला। तो ठीक है।

165 परमेश्वर का मूसा के लिए पहली बार प्रकट होना, जो जलती हुई झाड़ी के पर्दे में हुआ था। लोगों के सामने, परमेश्वर ने फिर से पर्दा किया और उस पर्दे के द्वारा मूसा को प्रमाणित किया, उसी अग्नि के साथ स्वयं को पर्दा करते हुए, वही अग्नि का स्तंभ नीचे आया। तब से—तब से लेकर… उन लोगों से ही, वे परमेश्वर का वचन सुन सकते थे। आप इसे पकड़ रहे है? केवल वचन, उन्होंने उसकी आवाज को सुना। क्योंकि मूसा उन लोगों के लिए जीवित वचन था। मूसा! देखो, परमेश्वर ने मूसा के द्वारा उस वचन को साबित किया था! देखो, मूसा ने कहा… परमेश्वर ने मूसा से कहा, "वहां नीचे जाओ। मैं तुम्हारे साथ हूँ। वह… तुम्हारे सामने कोई भी नहीं खड़ा हो पायेगा। **मैं जो हूँ सो हूँ**।"

166 मूसा नीचे आया, और कहा, "तुम लोगों को शायद इस पर विश्वास ना हो, हो सकता है, लेकिन परमेश्वर अग्नि के स्तंभ में मेरे सामने प्रकट हुआ और उसने मुझे इन बातों को बताया।"

167 "ओह, हमारे यहाँ तो सब प्रकार की चीजें हो रही हैं।" फिरौन ने कहा, "क्यों!" पास्टर फिरौन ने कहा, "खैर, तुम लोगों को किसी सस्ते जादूगर की तरकीब मिल गयी है। क्यों, मेरे पास यहां जादूगर हैं जो एक सर्प को… एक छड़ी—एक छड़ी को सर्प में बदल सकते हैं। जादूगरों, यहां आओ।" और वे वहां पर आए और उसी चीज को किया।

168 मूसा जानता था। वो किसी भी चीज से कुछ परेशान नहीं हुआ। उनके पास कितने नकल करने वाले थे, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ा। मूसा बस वहीं पर खड़ा रहा। पहली बात आप जानते है, वे साँप थोड़ी देर तक इधर-उधर रेंगते रहे, और, सीधे तौर पर, मूसा का साँप बाकी के सांपों को खा गया। देखा? क्यों? उन प्रेरितों की तरह, वे इसे समझा नहीं सकते थे। मूसा नहीं जानता था कि परमेश्वर इसे कैसे करने जा रहा है, लेकिन वह इसे करने जा रहा था।

169 याद रखे, उसने कहा यम्ब्रेस और यर्नेस अंत के दिनों में वापस लौटेंगे, देखो, नकल करने वाले। "और यदि संभव होता तो वे चुने हुओं को भी भरमा देते।" मत्ती 24:24. देखा? बिल्कुल उसी तरह की चीजें, उसी प्रकार के अद्भुत कार्य और हर एक चीज को करते हैं। उस वचन पर ध्यान दे! उस वचन पर ध्यान दे! वह मनुष्य कहता है कि वह एक अद्भुत कार्य

को करता है और अब भी विश्वास करना चाहता है कि वहां तीन परमेश्वर हैं, और वहां ये सभी प्रकार के लोग है; आप उस प्रकार के लोगों से दूर रहे। हम जानते हैं कि—कि यह गलत है, देखो, ऐसी कोई चीज ही नहीं है। देखा? वो वचन, हर एक वचन, हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है! उत्पत्ति, एक वचन! यहाँ पर, उसने कहा, "एक भी वचन न निकाले और न ही जोड़ें।" देखो, इसे वही वचन होना होगा। समझे?

170 ध्यान दे, लोगों ने कुछ तो घटित होते हुए देखा था। मूसा पर्दे में था जब... वह एक भविष्यव्यक्ता था, और परमेश्वर ने अब अपने वचन को प्रमाणित किया था, वहां पर चला गया। और उसने चिन्हों और अद्भुत कामों को देखा। और फिर, तो ठीक है, ये लोग अपने आप से अलग हो गए, एक कलीसिया। देखो, *कलीसिया* का अर्थ होता है "बाहर बुलाये गये।" समझे? जब वे दुनिया में से बाहर बुलाये गये थे और वे उसके लोग बने, देखो, तब परमेश्वर अपने आप को ज्ञात कराता है कि वो अग्नि का स्तंभ था। उसने मूसा के संदेश को साबित किया। देखा? वो अग्नि का स्तंभ था। उन्होंने शायद इसका चित्र लिया होता, मैं सोचता हूं, यदि उनके पास कैमरे होते थे, क्योंकि यह सारा आग पर था। लेकिन उन्होंने—उन्होंने इसे साबित किया, परमेश्वर साबित कर रहा था कि संदेश सही था। संदेश आ पहुँचा था, सब कुछ तैयार था, तब उनका निर्गमन होने वाला था। उसने उसके भविष्यव्यक्ता को इस निर्गमन के लोगों के लिए पर्दा किया।

171 लोगों ने सोचा कि उसके साथ कुछ तो घटित हुआ है। वो अब बाकी के इस्राएल के लोगों से भिन्न था। वो भिन्न था, उसका संदेश भिन्न था, वह उन याजक लोगों से भिन्न था, वह किसी भी चीज से भिन्न था। देखो, वो एक भिन्न व्यक्ति था। लोगों ने देखा कि कुछ तो घटित हुआ है। परमेश्वर ने उसके भविष्यव्यक्ता में स्वयं को पर्दा किया था, ताकि वह उन लोगों से अपने वचन को बोल सकें। यही है जो उसने किया था। मूसा लोगों के लिए वो जीवित वचन था, जो अग्नि के स्तंभ से पर्दा हुआ, वही बोल रहा था जो बाद में किसी जानवर की खाल के पीछे पर्दा होने वाला था। समझे?

172 वचन को पहले, मूसा के ज़रिए से आना था। देखा? मूसा के पास वचन था। वे परमेश्वर द्वारा लिखे गए थे, कोई भी उनका अनुवाद नहीं कर सकता था, पहले मूसा को ही उनका अनुवाद करना था। इसीलिए उसने अपने चेहरे को पर्दा कर लिया, क्योंकि वह... क्या आप इसे समझ रहे है?

देखा?

यहाँ है ये। हम इसे ले सकते हैं, उठा सकते हैं, और वहां बाकी की हर एक चीज भी कर सकते है, लेकिन इसे प्रकट होना है। इसे प्रकट करने के लिए, मूसा को लोगों के लिए परमेश्वर बनना था।

आप कहते है, “यह बेकार की बात है।”

173 क्यों, उसने बताया, यहाँ तक कि उसने स्वयं मूसा को भी बताया, “तुम परमेश्वर होंगे, और हारून तुम्हारा भविष्यव्यक्ता होगा!... ? ... ” देखा? सो वहाँ पर वो आता है, देखो, उसे अपने आप को पर्दा करना था, क्योंकि परमेश्वर हमेशा एक पर्दे के पीछे रहता है। ओह, प्रभु! क्या आप इसे समझ रहे है? परमेश्वर आम लोगों से छिपा रहता है।

174 कहा, “पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ, आपने इसे बुद्धिमानों और ज्ञानियों से छिपा कर रखा, और इसे बच्चों के लिए प्रकट किया, उनके लिए जो सीखना चाहते हैं।” देखा?

175 परमेश्वर पर्दे के पीछे छिप गया। मूसा ने अपने चेहरे को पर्दा किया। मूसा उस समय पर्दे में छिपा हुआ जीवित वचन था। लोगों ने उस अग्नि के स्तंभ को देखा, कहा, “अब हम संतुष्ट हैं।” देखा? “मूसा को बोलने दो।” देखा? “परमेश्वर ना बोले, नहीं तो हम मर जाएंगे।” मूसा सीधे उस अग्नि के स्तंभ के अंदर चलकर गया। देखा?

176 और अब कहा, परमेश्वर ने कहा, “अब मैं—मैं अब और उनसे इस तरह बात नहीं करूंगा। मैं उन्हें एक भविष्यव्यक्ता दूंगा।” देखा? और उसने हमेशा ही इसे इसी तरह से किया है। देखा? उसने कहा, “अब उन्हें ऊपर जाने दो।” लेकिन इस भविष्यव्यक्ता के पास यह वचन होना ही है। यदि वो किसी रीति–रिवाज़ से पर्दा किये हुए होता है, तो परमेश्वर ने उसे कभी नहीं भेजा। यदि वह वचन से पर्दा किया हुआ है, तो परमेश्वर उसे प्रमाणित करेगा। परमेश्वर स्वयं अपने वचन का अनुवाद करता हैं। मूसा ने उन वचनो को बोला; परमेश्वर ने उनका अनुवाद किया। आमीन।

177 मूसा ने कहा, “प्रभु ने ऐसा कहा!” और प्रभु ने ठीक वही किया जो उसने कहा। इसने इसे सही ठहराया।

178 अब उसने कहा, “अब, मूसा, तुम समझ गए। लोग भी अब समझ गए हैं। देखो, मैंने तुम्हें दिखाया है, मैंने तुम्हें प्रमाणित किया है।” परमेश्वर

ने स्वयं को इस भविष्यव्यक्ता में पर्दा किया था, ताकि वह लोगों के लिए अपना वचन बोल सके। मूसा उनके लिए जीवित परमेश्वर था, परमेश्वर का जीवित वचन जो प्रकट बना। इसी कारण से उसका चेहरा पर्दा किया हुआ है। देखा?

179 और क्या आप जानते हैं कि वही चीज एक सच्चे मसीह में है आज अविश्वासियों के लिए पर्दा है? वे उन लंबे बालों और इत्यादि चीजों के साथ महिलाओं को देखते हैं और कहते हैं कि यह... "उस पुराने मॉडल को देखो।" महिलाएं अपने बालों को पीछे करके जुड़ा बांधती हैं, कहते है, "टायर पंचर हो गया है, वहां ऊपर अतिरिक्त टायर लगा है।" देखो, ये पूरी तरह पर्दा है। वे अंधे हैं। "ओह," वे कहते हैं, "मैंने पीएच.डी की डिग्री प्राप्त की है... " मैं परवाह नहीं करता कि आपके पास क्या है, आप अब भी वचन से अज्ञानता में हो। बिलकुल सही। "ओह, यह, यह तो बस कुछ तो छोटी सी चीज है... " पहले छोटी–छोटी सीख को ले लो।

180 उन लोगों के बारे में क्या कहेंगे जो कहते हैं कि वे परमेश्वर की उपस्थिति में पर्दा हैं, और किसी कलीसिया के रीति–रिवाज़ को प्रचार करते हैं? ओह, दया करे, कृपा करे! जो इसमें जोड़ते है, और इसमें से निकालते है, और बाकी की हर एक चीज करते है, अपने खुद के विषयों और खुद के विचारों को इसके अंदर डालने के द्वारा, और न ही परमेश्वर के वचन को, देखो, यह किस प्रकार का पर्दा है? उस पर एक कलीसिया संबंधी पर्दा था। परमेश्वर ने उस पर्दे को पूरी तरह से फाड़ कर खोल दिया है!

181 उन्होंने कहा, "वहां भविष्यव्यक्ता जैसी कोई चीज ही नही होती है। इन अंतिम दिनों में, वहां ऐसी कोई चीज ही नही है, प्रेरित और भविष्यव्यक्ता जैसी कोई चीज नही है। दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज ही नहीं है। अब भविष्यदृष्टा जैसी कोई चीज ही नहीं रही। मरकुस 16 जैसी कोई चीज ही नहीं है जो पूरी होती है। प्रेरितों का युग समाप्त हो चुका है।" उन्होंने इसे लोगों से पर्दा रखा। लेकिन परमेश्वर अपनी पवित्र आत्मा की अग्नि के साथ सीधे चलकर सामने आया, और उस चीज़ को ऊपर से नीचे तक फाड़ दिया–... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] परमेश्वर पर्दे को फाड़ चूका है।

182 मूसा वो पर्दा था, परमेश्वर का जीवित वचन जो मनुष्य के देह के पीछे पर्दा था। अग्नि का स्तंभ मूसा के अंदर था, निश्चय ही, जिस बात को वो

बोल रहा था उसे बाद में खाल के पीछे होना था, आप देखे।

183 अब, वह, वो वचन, उस वचन को सामने लाया गया था, फिर इसे लिखा गया था, उसके बाद इसे पीछे रखा गया था और अब भी पर्दा है, क्योंकि परमेश्वर हमेशा ही उस वचन में था। आमीन! वो हमेशा से ही वचन है। वो उस वचन में था। यही कारण है कि वचन को पर्दे में रखना था।

184 ओह, भाई, बहन, क्या आप इसे पकड़ रहे है? देखो! क्या आप नहीं देखते? यह इन युगों में से होते हुए पर्दा रहा है, जो परमेश्वर ने कहा उसके अनुसार, और अंतिम दिनों में इसे खोला जाएगा, उन सात मोहरों को खोला जायेगा, और पूरी बात लोगों के सामने आ जाएगी, अब तक क्या बात ने जगह ली है। सातवें दूत के सन्देश की घडी, परमेश्वर के सारे रहस्य उस एलिय्याह में प्रगट हो जायेंगे, इस अन्तिम घडी में; कि कैसे मसीह को उसकी कलीसिया से बाहर रखा गया है, परमेश्वर का पुत्र; कैसे वो फिर से मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकट होता है; किस तरह से कलीसिया को व्यवस्था में रखा जाना है, और अंतिम दिन के लिए हर एक चीज, ना ही मत–सिद्धांत, ना ही संप्रदाय, बस पूरी तरह से वचन व्यक्तिगत में रहता है। "मैं एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा। मैं *इसे ले* लूंगा और *उसे* छोड़ दूंगा।" देखा? वहां बस... वहां कोई बंधन नहीं है, कोई संप्रदाय नहीं है, कोई रोक–टोक नहीं है या कुछ भी नहीं है; यह ह्रदय है जो परमेश्वर के साथ है, और केवल उसी के साथ। देखा?

185 ध्यान दे, एक मनुष्य देह में पर्दा हुआ। मूसा उस वचन के साथ था, वो जो बोल रहा था उसे बाद में किसी जानवर की खाल के पीछे रखा जाना था। जिससे कि... इसी प्रकार मसीह हमारा मूसा हैं। मसीह हमारा मूसा हैं। वो परमेश्वर था जो मनुष्य देह में पर्दा हुआ, मनुष्य जाति में पर्दा हुआ, देह में। यह सही है। और वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वह किसी जानवर की खाल से पर्दा हुआ था। वह पर्दा हुआ था। और इस बार वह एक मनुष्य में पर्दा हुआ था। समझे? अब ध्यान दे, "कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" उसने *इस* युग के लिए उसके वचन की प्रतिज्ञा की। वह आज भी मसीह हैं, इस युग के लिए प्रतिज्ञा किया गया वचन, जो मनुष्य की देह में पर्दा हुआ। वचन परमेश्वर हैं।

186 वो अभिषेक एक व्यक्ति है। *मसीह* शब्द का अर्थ होता है "एक जो अभिषिक्त है," देखो, "वो एक जो अभिषिक्त है।" तब, मूसा उसके दिनों में

मसीह था, वो एक अभिषिक्त जन था। यिर्मयाह अपने दिनों में मसीह था, उस दिन के लिए वचन के एक भाग के साथ था।

187 लेकिन जब यीशु आया, तो वो एक छुड़ाने वाले एक अभिषिक्त के रूप में आया; और वो मूसा था और वो सब कुछ जो मूसा में था, और सारा वचन, और सारी परमेश्वरत्व की दैहिकता उसी में था। इसी कारण से मंदिर का सारा पर्दा फट गया और दया का आसन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा, वो एक अभिषिक्त जन था।

188 अब ध्यान दे, मनुष्य शरीर में जो पर्दा है, इस युग के लिए प्रतिज्ञा किया गया वचन भी पर्दा किया जाना चाहिए। ध्यान दें। पाप से प्रेम करने वाले कलीसिया के सदस्य और पापी लोग इसे मानवीय पर्दे के कारण नहीं देख सकते।

189 इसी करण से वे उसे देख नहीं पाए। “क्यों, वह एक मनुष्य है। वह कहां से आया? उसके पास कौन सा संगति का कार्ड है? वह किस कलीसिया से संबंध रखता है? ” मैं आज रात इस विषय पर बोलना चाहता हूं, “वो किस कलीसिया का सदस्य हैं? ” देखा? और सो, अब देखो, “वह किस कलीसिया का सदस्य है, कौन—कौन से झुण्ड से है? वह किस विद्यालय में गया था? उसने अपनी शिक्षा कहाँ से प्राप्त की है? तो ठीक है, इस मनुष्य का जन्म हुआ था, रीति–रिवाजों के अनुसार, या यहाँ उसके आसपास की—की प्रचलित कथा के अनुसार, इस मनुष्य का जन्म बिना पवित्र विवाह के बंधन से हुआ था। क्यों, वह, निश्चित रूप से शैतान का है। देखो, वह—वह शैतान का है। उसका जन्म पवित्र विवाह के बंधन से नही हुआ था, और यूसुफ ने उससे केवल इसलिए विवाह किया ताकि उसे पत्थरवाह करने से बचाया जा सके, क्योंकि वह एक व्यभिचारिणी थी। और वह मनुष्य आकर हम याजकों को बताने लगता है कि क्या करना चाहिए? ”

190 और वहाँ परमेश्वर खड़ा हुआ था, उस वचन को प्रकट कर रहा था, पुकार रहा था, “मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? ” वे लोग मंदिर में वही गीत गा रहे थे, जो दाऊद ने उनके लिए वर्षों पहले बनाया था, जो मसीह से संबंधित था। “मेरी सारी हड्डियाँ वे मुझे घूरती हैं। उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों को छेद दिया।” और वे वहाँ पर खड़े होकर वही गीत गा रहे थे, और वही मनुष्य क्रूस पर मर रहा था। और जब उन्होंने गीत समाप्त किया और...

191 जब वह मरा, स्वर्ग का परमेश्वर नीचे उतर आया, जैसे उसने सिनय पर्वत पर किया, पवित्र अग्नि के साथ, और उस मंदिर के पर्दे को ऊपर से नीचे तक जलाया, उसे दो टुकड़ो में फाड़ दिया। और वे क्या कर सकते थे? मंदिर की खिड़की से ठीक वहां बाहर देखा, कलवरी पर, और वहाँ परमेश्वर स्पष्ट रूप से दृश्य में था, वो बलिदान।

192 लेकिन आज भी उन्हें ये दिखाई नहीं देता है। इस अंतिम समय में परमेश्वर ने उन रीति–रिवाजों को फाड़ दिया है, और इस युग के लिए वचन को ठीक स्पष्ट रूप से दृश्य पर लाया, और वे अब भी इसे नहीं जानते है। वे बस इसे नहीं जानते हैं। ये—ये बहुत ही साधारण है। देखो, यह बस बहुत ही साधारण है। यह संसार की चीजों से बहुत ही दूर है।

193 मैंने कुछ दिन पहले किसी एक सभा में प्रचार किया था, "मूर्ख या नट होना।" मैं किसी एक दिन इस विषय पर बोलना चाहता हूँ, "मूर्ख या नट होना।" हम सब किसी न किसी के लिए मूर्ख होते हैं, इसलिए—इसलिए मैं मसीह के लिए मूर्ख बनूंगा। पौलुस ने कहा "उसे मूर्ख समझा गया।" निश्चय ही, आपको होना है। देखो, इन चीजों को एक साथ जोड़े रखने के लिए एक मूर्ख या नट की आवश्यकता होती है। देखा? यह सही है।

194 सो पर्दे पर ध्यान दे, मनुष्य की देह। नहीं, अब, पाप से प्रेम करने वाले लोग इसे नहीं देख सके। वे पारंपरिक धार्मिक लोग थे, वे इसे नहीं देख सके, क्योंकि वो एक मनुष्य था। क्यों? उस मनुष्य की देह ने परमेश्वर को छिपा लिया।

195 अब, यदि वह एक महान अग्नि का स्तंभ होता था जो नीचे आता था, देखो, एक महान अग्नि का स्तंभ नीचे उतर आता था और उन्हें दिखाता था कि वह क्या था, कि वह यह महान अग्नि का स्तंभ था, उन्होंने शायद इसका विश्वास किया होता; यदि यहोवा स्वयं वहां उनके बीच होकर चलता।

लेकिन देखो उसने क्या किया, जिससे कि वह उन सभी बुद्धिमान और चतुर लोगों को अनदेखा कर सके। उसने अपने आप को वैसे ही प्रकट किया जैसे उसने मूसा से प्रतिज्ञा की थी, देखो, "मैं उनसे एक भविष्यव्यक्ता के जरिए से बात करूंगा।" और वह मनुष्य का पुत्र और एक भविष्यव्यक्ता था। और उनमें से कुछ ने इसे पहचान लिया, संसार के लगभग सौ प्रतिशत में से एक प्रतिशत के सौवें हिस्से जितने लोगों ने इसका विश्वास किया; उनमें से बाकी ने नहीं किया। लेकिन, वो बस उसी तरह था।

196 लेकिन वहां वो सामर्थी परमेश्वर था जो पूरी तरह से दृश्य में खड़ा हुआ था, दया का आसन! वह मर गया जब उसके अपने बच्चे कह रहे थे... उसके अपने बच्चे वहां कह रहे थे, “हमें वो नहीं चाहिए! उससे दूर रहो!” उस पर थूका।

197 एक छाया, बहुत पहले की बात है, जब दाऊद मंदिर छोड़ रहा था, वो ठुकराया हुआ राजा था। वो रास्ते से नीचे जा रहा था, और एक छोटा, बूढ़ा, लंगड़ा व्यक्ति रेंगता हुआ वहां आया, वो उसे पसंद नही करता था, उसने उसे “पुराना ढोंगी” कहा या ऐसा ही कुछ तो कहा, सीधे उसके चेहरे पर थूका। और दाऊद के पहरेदार ने तलवार निकाली और कहा, “मैं उस कुत्ते का सिर उसके शरीर से अलग कर दूंगा; और मेरे राजा पर थूकता है? ”

198 दाऊद ने कहा, “उसे छोड़ दो, परमेश्वर ने उसे यह बताया।” दाऊद शायद नहीं जानता था कि उसने क्या कहा। ऊपर पहाड़ पर चला गया, पीछे मुड़कर देखा, रोने लगा।

199 वहाँ उस समय से आठ सौ वर्ष के बाद, दाऊद का पुत्र उसी पहाड़ पर चढ़ रहा था, वहां देख रहा था, यरूशलेम पर रो रहा था, एक ठुकराया हुआ राजा, उन्होंने उसके चेहरे पर थूका।

200 क्या आप नहीं देखते? ये तो वही चीज है। उस वचन को देख रहे है आज तक लगातार आगे बढ़ता चला आ रहा है? हमेशा बहुसंख्यक लोगों के द्वारा अस्वीकार किया गया, देखो, और अल्पसंख्यक लोगों में विश्वास किया गया।

201 अब, देखो, वे इसका विश्वास नहीं कर सके। वे यूनानी, वे उसे नहीं देख सके, वह उसके मनुष्य के मंदिर में था। “क्यों,” उसने कहा, “इस मनुष्य का नाम यीशु है; वह नासरत से आया है।”

202 अब, उन दिनों वहां केवल एक नाम ही होता था। जैसे की, “जॉन, जिम,” वे कहते, “जेफरसनविले का जॉन, न्यू अल्बानी का जिम,” या कुछ इसी तरह से, आपने देखा।

203 उसने कहा, “यह नासरत का यीशु हैं। सामान्य तौर पर विश्वास किया गया कि उसकी मां एक सैनिक के द्वारा गर्भवती हुई थी।” समझे? और फिर उन्होंने ठीक यही विश्वास कर लिया। बिलकुल! और मान लो उन्होंने

कहा, अब, "और ये नासरत का यीशु हैं।" आपने देखा? "कौन है वो?" देखो, वे इसे समझ नहीं पाए।

204 लेकिन, क्यों, यह वचन जो उस दिन के लिए था, जब वह प्रचार कर रहा था, कहा, "वचनों में खोजो। उनमें तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और वे गवाही देते हैं कि मैं कौन हूं। यदि तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते; एक पर्दे के रूप में मुझे भूल जाओ, उस वचन पर तो विश्वास करो जो आ रहा है। दो जन गवाह होते है," उसने कहा, "मैं बोलता हूँ और पिता मेरे लिए बोलता हैं।" आमीन। यह सही है।

205 मैं इस दिन के वचन को बोलता हूँ, और पिता इसकी पुष्टि करता हैं। अब क्या यह आपके लिए एक गवाह है? हां ये है, देखो। इसी तरह से इसकी पूरा किया जाना है।

206 अब दूसरा कुरिन्थियों में ध्यान दें,... दूसरा कुरिन्थियों का 3रा अध्याय, 6वां पद, पुराने मंदिर में यहूदियों द्वारा बनाए गए, पुरानी खाल के पीछे परमेश्वर का भवन था। जब पुराना पर्दा फट गया, तब भी यहूदी... इस बात के प्रति अंधे बने रहे कि वह कौन था, और आज भी वह कौन है। और फिर पेंटेकोस्ट ने प्रकट किया कि सच्चा और जीवित परमेश्वर कौन था, जब वह पर्दा ऊपर से नीचे दो भागों में परमेश्वर द्वारा काटा गया था। उस पर्दे ने ऐसा क्यों किया? इसने ऐसा क्यों किया?

207 आज वहां ऐसा संदेश क्यों आया कि इसे करे जो उसने इसने किया है? यह क्यों आया? क्यों?

208 ज्यादा समय नहीं हुआ, किसी दिन कोई मुझे फोन करने वाला था, वह मुझसे उस—उस कलीसिया युग के विषय में बहस करना चाहता था, कि, "परमेश्वर उसकी पवित्र कलीसिया में था।" और इस तरह की बातों के विषय में। और मुझे पता चला कि वह कोई महिला प्रचारक थी, इसलिए मैंने उस बात को वहीं छोड़ दिया। देखिए, यदि वो कोई पुरुष होता तो यह ठीक होता था, तो बात अलग ही होती। लेकिन, सो, लेकिन वहाँ दूसरे देश में जाने से उसका क्या लाभ होगा, जब कि मुझे ऐसा करने के लिए यहां एक सभा को छोड़ना होगा, आप समझे? इसलिए मैंने उन्हें अपने हाल में छोड़ दिया। अंधा अंधे की अगुवाई करता है, वे—वे सभी गड्ढे में गिर जाते हैं।

209 इसलिए, तो अब इस युग में, जब पुराने सांप्रदायिक और रीति-रिवाज़

के पर्दे फट चूके हैं, परमेश्वर के वचन से, जिससे कि यह प्रकट हो सके! आप समझ रहे हैं मेरा क्या अर्थ हैं? रीति–रिवाज़ कहते है, “वो सब बातें बीत चूकी हैं।” इस बात को थोड़ा अंदर जाने दे। “वे बातें बीत चूकी हैं।” लेकिन, आज के इस अंत के दिन में, वह रीति–रिवाज़ का पर्दा फटकर दो टुकड़े हो चूका है, और यहाँ अग्नि का स्तंभ सामने खड़ा है। समझे? वो यहाँ हैं, आज के दिन के लिए वचन को प्रकट कर रहा हैं। पर्दा फट गया है।

अब भी दुनिया इसका विश्वास नहीं करती हैं। कोई फर्क नही पड़ता जो भी हो, वे इसे नहीं देखते है। वे इसे नहीं देखते है। यह उनके लिए नही भेजा गया था।

210 याद रखना, परमेश्वर का पुत्र सादोम पर प्रकट नहीं हुआ था; वहां दो संदेशवाहक थे। यह सही है।

211 लेकिन, यह, परमेश्वर स्वयं मनुष्य देह में अब्राहम पर प्रकट हुआ था, जो चुना हुआ था। और ध्यान दे उसने अपने आप को प्रकट करने के लिए क्या किया। और अब अब्राहम जान गया, जब वह जान गया कि उसके पीछे सारा के विचार में क्या चल रहा था, उसने कहा, उसे, “एलोहिम! कहा, तेरा दास... ”

212 अभी ध्यान दें, जिससे कि इसे प्रकट किया जा सके। इन सारे वर्षों में, लोगों के लिए यह वचन पर्दा किया गया है। “इसे नही किया जा सकता।”

213 आपको वो उपदेश याद है जिसे मैंने सुबह प्रचार किया था जब मैं पहली बार यहां से निकला था, गोलियत और दाऊद के विषय में? मैंने कहा, “वहां उस चुनौती देने वाले को देखो, कह रहा है कि ‘आश्चर्यकर्मों के दिन बीत चूके हैं।’”

ध्यान दे, उन टेपों को सुने जैसे–जैसे वे आते हैं, हर एक को देखे, कैसे यह और अधिक स्पष्ट और स्पष्ट होता जा रहा है; यदि आपके कान हो तो सुन ले, देखे, आंखें हैं तो देख ले।

क्या? मैंने कहा, “वहां पर वह बड़ा कलीसिया संबंधी संसार खड़ा है, इस वैज्ञानिक युग में कहते है, कि इसे नहीं किया जा सकता।” लेकिन मैंने कहा, “परमेश्वर... ” उस प्रकाश में, उसकी तस्वीर लिए जाने से पहले, एक ही बार लिया गया था; उस समय कोई तस्वीर नहीं ली गई थी। ये नदी के किनारे पर था; उन्होंने इसकी तस्वीर को कभी नहीं ली। समझे? मैंने

कहा, “उसने मुझे बताया कि ऐसा किया जाएगा; वह एक पुकार को करेगा और ये राष्ट्रों में फैल जाएगा।”

214 और यहां तक कि डॉक्टर डेविस से भी कहा, “आप, जो एक व्याकरण स्कूल की शिक्षा के साथ, सातवीं कक्षा में पास हुए हैं, राजाओं और प्रार्थना के लिए प्रार्थना करेंगे, और एक ऐसी बेदारी आरंभ करेंगे जो राष्ट्रों में फैल जाएगी? ”

मैंने कहा, “यही है जो उसने कहा।”

215 और यह किया गया है। देखा? देखा, यह हो चुका है। तो यही वो बात है, अर्थात, उसे किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। वो इसे कर चूका हैं। देखो, उसने इसे पहले ही कर दिया है, जो अपने आप में अनुवाद करता है, देखो, अपने चुने हुए लोगों को बुला रहा है, देखो, जीवन के सभी क्षेत्रों से—से। अब इसका प्रगटीकरण हो गया है।

216 मैंने कहा कि दाऊद वहाँ अलग ही दिख रहा था, एक छोटा, नाटा सा, दुबला–पतला लड़का। उसकी पीठ पूरी तरह झुकी हुई थी, हाथ में गोफन था। और, क्यों, शाऊल ने उसकी ओर देखा, जो सेवकों के संघ का प्रमुख था, कहा, “क्यों, तुम, तुम तो यहाँ तक प्रशिक्षित भी नहीं हो!” उसने कहा, “मुझे देखने दो कि क्या मैं तुम्हें पीएच.डी. या किसी और की डिग्री दिला सकता हूँ।” इस हथियार को उस पर रखा, यह... उसने पाया कि यह परमेश्वर के जन के लिए उपयुक्त नहीं है।

217 कहा, “इस चीज को मेरे ऊपर से निकाल दो।” कहा, “मैं इस विषय में कुछ नहीं जानता।” कहा, “मुझे उसी तरीके से जाने दो जो मुझे पता है, जिस तरीके से मैं शेर से लड़ा था, जिस तरीके से मैं भालू से लड़ा था।” वह एक तरह का जंगल का रहने वाला था। उसने कहा, “मुझे इस तरीक़े से जाने दो।”

218 और इस गोलियत ने कहा, “क्या तुम मुझसे लड़ने के लिए किसी कुत्ते को भेजोगे? ” कहा, “मैं तुम्हें अपने भाले की नोक पर उठाऊंगा और तुम्हारी लाश को ऊपर लटका कर और इसे पक्षियों को खिलाऊँगा।”

219 दाऊद ने कहा, “तुम मुझसे एक फिलिस्तीनी के रूप में सामना करते हो, और एक कवच और एक भाले के साथ, और मैं तुमसे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के नाम में सामना करूँगा।” भविष्यव्यक्ता दाऊद पर ध्यान दे, उसने कहा, “आज मैं तुम्हारा सिर तुम्हारे कंधे पर से काट दूंगा।”

आमीन! ओह, प्रभु! वह जानता था कि उसके पास क्या है, उसने किस पर विश्वास किया था, और वो पूरी तरह से आश्वस्त था कि वह उसे पूरा करने में सक्षम है जो उसने उसे वचनबद्ध किया था। देखा? तो यह किसी भी तरह से हुआ।

220 पुरानी कहावत है, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए," दीवारें तोड़ कर गिरा दी गईं! यहोवा अब भी पूर्ण रूप से दृश्य में खड़ा है, अपने वचन को प्रकट कर रहा है, एक का बेपर्दा किया। यह सही है। ध्यान दें।

221 अन्यजाति कलीसिया भी पर्दे की वजह से अंधी हो गई है, जबकी इसे फाड़ दिया गया है और परमेश्वर को प्रकट किया, कलीसिया संबंधी पर्दा। कैसे? वचन को मनुष्य जाति में फिर से पर्दा करने के द्वारा। बिल्कुल ठीक यही बात थी जो इस्राएल देखने से चूक गया। यदि यह कोई दूत या कुछ तो और होता, तो इस्राएल ने इसका विश्वास किया होता। लेकिन ऐसा होने पर यह कोई दूत नहीं हो सकता, इसे एक मनुष्य होना था। आमीन!

परमेश्वर अपने वचन को नहीं तोड़ सकता। अंत के दिनों में इस बात को फिर से वैसा ही होना है। देखा? इस्त्राएल को किस चीज ने अंधा कर दिया? उस मनुष्य ने। "तुम तो एक मनुष्य हो अपने आप को परमेश्वर बना रहे हो।" यही वो बात है जिसके लिए उन्होंने उसे मार डाला, और, आज, क्योंकि संदेश मनुष्य के जरिये से आता है, ना कि दूतों के द्वारा। देखा? परमेश्वर अपना तरीका या अपना वचन नहीं बदल सकता। उसने कहा कि वह नहीं बदलता। समझे? ध्यान दे, प्रतिज्ञा की गई! और अन्यजाति आज भी बस वैसे ही अंधे है जैसे इस्राएल था, क्योंकि (किसलिए?) वो पर्दा। परमेश्वर एक मनुष्य जाति में पर्दा हुआ था, इस्राएल को अंधा कर दिया।

ध्यान दे, कभी किसी को अंधा किया है। एक, यह अंधा करेगा; दूसरा, यह सत्य को प्रकट करेगा। यह कुछ लोगों की आंखें बंद कर देगा, और दूसरों की आंखें खोल देगा।

222 देखो, यीशु खड़ा हुआ था और कहा, "ठीक है, तुम्हारा नाम शिमौन है—है—है, और तुम्हारे पिता का नाम यौना था।"

उसने कहा, "प्रभु परमेश्वर!" देखा? फिलिप...

उसने कहा, "तुम कैसे जानते हो? "

उसने कहा, "देखो, एक इस्राएली, जिसमें कोई कपट नहीं है!"

और उसने कहा, “हे रब्बी, तुम मुझे कब से जानते हो? ”

223 उसने कहा, “इससे पहले कि फिलिपुस तुम्हें बुलाता, जब तुम पेड़ के नीचे थे, मैंने तुम्हें देखा।”

224 उसने कहा, “हे रब्बी, तुम परमेश्वर के पुत्र हो। तुम इस्त्राएल के राजा हो।”

225 ठीक है, वहां वे लोग खड़े थे, उन्होंने कहा, “वो बालजाबुल है।” देखा? इसने क्या किया? एक की आंखें खोल दीं, दूसरे को अंधा कर दिया। याजको ने क्या कहा? “क्यों, वो व्यक्ति तो बालाजबुल है!”

226 उस छोटी स्त्री ने कहा, “मैं जानती हूं कि मसीहा आने वाला है, जो एक अभिषिक्त कहलाता है। देखो, वो एक अभिषिक्त आयेगा। हमारे पास भविष्यव्यक्ता नहीं थे... तुम अवश्य ही एक भविष्यव्यक्ता हो। लेकिन एक अभिषिक्त आयेगा। हम उसके लिए बाट जोह रहे हैं। यह अन्यजातियों के लिए अंतिम दिन है... मतलब यहूदियों के लिए।” कहा, “यह अंतिम दिन है।” देखिए, सामरी और यहूदी दोनों ही एक मसीहा के लिए बाट जोह रहे थे। समझे? कहा, “यह उसके प्रकट होने का समय है। हम जानते हैं, जब वह आता है, तो वह इन चीजों को करेगा। वह हमें इन बातों को बताएगा।”

यीशु ने कहा, “मैं वही हूं।”

उसकी आंखें खुल गईं, याजकों की आंखें अंधी की गईं थी।

227 सुसमाचार हमेशा ऐसा ही करता है। यह कुछ लोगों की आंखें खोलता है, कुछ लोगों पर सत्य प्रकट करता है, जबकि दूसरों को अंधा कर देता है; इसका दोहरा अर्थ है। कुछ लोग उस पुत्र को ले सकते हैं और सीधे उसमें देख सकते हैं, और अंधे हो सकते हैं; दूसरे इसे ले सकते हैं और इसके साथ आगे बढ़ सकते हैं, यही अंतर है।

228 जैसा कि यह हर युग में किया गया था, दैविकता मनुष्य की देह में पर्दा होती है। ध्यान दें, उसने ऐसा किया। भविष्यव्यक्ता दैविकता थे, पर्दा किए हुए। वे परमेश्वर के वचन थे (क्या यह सही है?) मनुष्य की देह में पर्दा किए हुए। तो, उन्होंने न तो हमारे मूसा की और ध्यान दिया, देखो, और न ही यीशु को।

229 ध्यान दे पुराने मंदिर में पुराने स्तनधारी जानवरों की खालों में पर्दा हुआ था, जो वचन था, वो वचन पत्थर की पट्टियों पर प्रकट हुआ।

230 अब, मैं अब लगभग बीस मिनट में समाप्त करने की कोशिश करूंगा, यदि मैं कर सकता हूं, तो इसे साढ़े ग्यारह बजे तक पूरा करुंगा। ध्यान देंना, यदि आप ध्यान दें, मैंने यहां कुछ पन्नो को पलटा हैं, आप देखिये, ताकि देर होने से... इसलिए मैं छोटा करने से... इसे बहुत लंबा बना रहा हूं। मुझे पता है कि आपको गर्मी हो रही है, आप थके हुए हो।

231 पुराने मंदिर के पीछे, उस पर्दे में, वहाँ पर पीछे क्या था? यहोवा कौन था? वहां पीछे क्या छिपा हुआ था? पर्दा क्या छिपा रहा था? ओह, हाल्लेलुय्या! पर्दा क्या छिपा रहा था? यह वचन को छिपा रहा था। किसी पुरानी जानवरो की खालों से बना पर्दा, छिपा था, उनकी स्वाभाविक आंखों से वचन को छिपा रहा था। उसके पीछे भेंट की रोटी भी थी। वहां उसके पीछे तेजोमय महिमा भी थी। लेकिन यह सब उनसे छिपा हुआ था। यह सब छिपा हुआ था। परमेश्वर की सारी महिमा उस पुराने किसी जानवर की खाल के पीछे छिपी हुई थी, यह सही बात है, सब कुछ स्वाभाविक आंखों से छिपा हुआ था।

232 आज भी ऐसा ही है। इसे कहा जाता है "कट्टरपंथी, शोर–शराबा करने वालों का एक झुण्ड," लेकिन उन्हें नहीं पता कि वहाँ उसके पीछे क्या छिपा है। यही है जो वे नहीं जानते। समझे?

233 फिर जब परमेश्वर, दया में, उनके देखने के लिए पर्दे को फाड़ देता है, वे अपने रीति–रिवाजों में इतने लिपटे हुए थे कि वे... यह अब भी उनके लिए छिपा हुआ था, यहां तक कि आज भी।

234 अब वही! महिमा, पवित्र आत्मा की सामर्थ, वो तेजोमय महिमा जो विश्वासी के ऊपर आती है, अब मेरा मतलब सच्चे विश्वासी से है, जो परमेश्वर के कार्यों और विश्वास को उसके अंदर आने का कारण बनता है, ताकि परमेश्वर के वचन पर विश्वास करे, यह सब उनकी आँखों से छिपा हुआ है। वे कहते हैं, "वो बातें बीत चुकी हैं।" आप देखे, वे अब भी पर्दे के पीछे रह रहे हैं।

लेकिन अब आप और उस पर्दे के पीछे नहीं हो, छोटे बच्चों, परमेश्वर आपके सामने पूरी तरह से प्रकट हो गया हैं।

235 कुछ दिन पहले, भाई फ्रेड सोथमैन, भाई टॉम सिम्पसन... मैं नहीं जानता कि वे कभी यहां आए भी थे या नहीं। हममें से कई लोग वहाँ एक बैपटिस्ट कलीसिया में थे, और एक सेवक ने कुछ ऐसा कहा जो

काफी अच्छा लगा। हम सभी ने कहा, “आमीन!” कलीसिया में मौजूद सभी लोगों ने अपनी गर्दन ऊपर करके और पीछे की ओर मुड़कर देखा। समझे? समझे? हमें तेजोमय के पीछे से एक छोटा–सा टुकड़ा मिला, आप जानते है, और हमें एक प्रकार से उसे पाकर खुशी हुई थी। हमने कहा, दूसरे शब्दों में, “धन्यवाद, प्रभु!” समझे? और, जब उन्होंने ऐसा किया, तो ये लोग इतने पर्दे में थे कि वे बस इस पर हंस पड़े। वे नहीं जानते थे कि यह सब क्या है। देखा? वे अब भी पर्दे में है। इसलिए, कुछ लोग अंदर है और कुछ लोग बाहर है। और इसलिए... लेकिन परमेश्वर पूरी तरह हमारे सामने है, छिपा हुआ। अभी भी ऐसा है!

236 फिर जब परमेश्वर, उसकी दया में, पर्दे को फाड़ा, तो उसे स्पष्ट रूप से दृश्य में लाया गया था। लेकिन, वे उनके रीति–रिवाजों में इतने लिपटे हुए थे, वो अब भी उनसे छिपा हुआ था।

अब भी वही बात है! वो सारी महिमा, छिपी हुई, हमारे लिए मसीह में छिपी हुई है, वो वचन, जो हमारा मंदिर है।

237 ओह, अब, मुझे इस बात में थोड़ी और गहराई से खोदना होगा। आज सुबह मेरी भावनाओं के लिए मुझे क्षमा करें, लेकिन, ओह, मैं—मैं इसे बहुत समय से देना चाहता था, मैं... यह बस मेरे अंदर जमा होता जा रहा था। समझे?

238 ध्यान दे, सारी महिमा जो परमेश्वर में है ये वचन में है। सारी आशीषे जो परमेश्वर में है ये वचन में है। यह अविश्वासियों के लिए, रीति–रिवाजों के कारण छिपा हुआ है। देखा मेरा क्या मतलब है? लेकिन यह सब मसीह में है। जो कुछ भी परमेश्वर था, उसने अपने आप को *खाली* कर दिया, “केनोसिस,” और मसीह के अंदर आया; और हम, मसीह के अंदर, पर्दे के पीछे हैं।

239 “ठीक है, मैं मसीह में हूँ,” आप कहते हैं। और फिर विश्वास करते है कि वहां तीन परमेश्वर हैं? “पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा” के नाम में बपतिस्मा देते है? इन सारे प्राचीनों के रीती रिवाजों और चीजों में विश्वास करते हैं, जिन पर आप विश्वास करते हैं? नहीं, तुम अब भी पर्दे के पीछे हो। समझे? पर्दे के अंदर आओ। वह, मसीह, वचन है।

240 “कैसे? मैं दिव्य चंगाई में विश्वास नहीं करता। मैं इन आश्चर्यकर्मों और ऐसी ही चीजों में विश्वास नहीं करता।”

241 तो ठीक है, आप देखते हैं, आप—आप पर्दे के अंदर नहीं हैं। आप इसके बारे में कुछ नहीं जानते। देखा? मसीह ही वचन हैं! और जब हम वचन में होते हैं, तो हम मसीह में होते हैं। और मैं मसीह का इंकार करते हुए मसीह में कैसे हो सकता हूँ? यह वही था जिसने कहा, “एक भी शब्द इसमें नहीं जोड़ा जाएगा या इसमें से निकाला जाएगा।” फिर आप कैसे इसमें से निकाल सकते है और जोड़ सकते हैं? देखिए, यह आपको दिखाता है कि किस पर्दे ने आपको पर्दा कर दिया है। देखा?

242 हम उसी में! तब हम, उसमें होते हुए, हम अब भी संसार के धर्मवादी लोगों और बाहरी रूप से विश्वास का दावा करने के लिए पर्दे में हैं। देखो, हमारी महिमा जो हमारे पास है और हम आनंद ले रहे हैं, हम अभी भी बाहरी लोगों के लिए पर्दा है। उन्हें लगता है कि हम “पागल है, नट है,” फिर से। देखा? देखा? यह सही बात है। लेकिन हम जो यहाँ मसीह में हैं, उसी में बपतिस्मा लिया हैं (पहला कुरिन्थियों 12), उसी में, हम इस महिमा के भागीदार हैं। देखा? लेकिन बाहर से नहीं; आप अभी भी अंदर की और देख रहे हो, इसका इंकार कर रहे हो। देखा?

243 इसलिए अब हमें उसी में आमंत्रित किया गया है, ताकि हम जो कुछ वो है उसके भागीदार बन सकें। हमें उसी में आमंत्रित किया गया है, जो अविश्वासी लोगों से मनुष्य शरीर के पर्दे के पीछे छिपा हुआ है। समझे? वे उस महिमा को जानते हैं, वे इसे पढ़ते हैं, यह यहाँ वचन में है, “परमेश्वर की महिमा” और इस तरह की चीजें, यह उनके लिए बस एक शब्द है। हमारे लिए, यह एक प्रगटीकरण है! देखा? यह अब और एक शब्द नहीं है; यह एक वास्तविकता है! आमीन!

244 परमेश्वर ने कहा, “वहाँ उजियाला होने दो,” यह वो शब्द था। लेकिन अब वहाँ उजियाला है। यह मात्र शब्द नहीं है; यह उजियाला है। देखा मेरा क्या मतलब है?

245 अब हमारे लिए बस यह लिखित वचन नहीं है, बल्कि ये एक वास्तविकता है। हम उसी में हैं। अब हम आनंद ले रहे हैं। अब हम उसे देख रहे हैं। अब हम उसे, अर्थात वचन को देख रहे है, स्वयं को प्रकट कर रहा है। यह वहां पर छिपा हुआ है, क्योंकि (क्यों?) यह मनुष्य की देह में छिपा हुआ है। देखा?

246 ओह, वे कहते हैं, “वो लोगों का झुण्ड वे कौन से स्कूल गए है? उनके

पास क्या—क्या शिक्षा है? कहां, वे कहां—कहां से आए हैं? वे किस—किस—किस झुंड से संबंध रखते हैं?" देखा? हुंह! देखो, वे इसे नहीं समझते हैं।

247 एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति से कहा, "मसीह होने के लिए आपको किसी संप्रदाय से जुड़ना आवश्यक है।"

248 उसने कहा, "मैं एक मसीही हूँ; मैं इनमें से किसी भी संप्रदाय से जुड़ा हुआ नहीं हूँ।" ऊंह–हुंह। कहा, "परमेश्वर ने मुझ में से इस कैंसर को निकाल दिया।" कहा, "अब आप इसके विषय में क्या सोचते हैं?" ये एक डॉक्टर था। उसने कहा, "मुझे उन संप्रदायो को दिखाओ जो ऐसा करते हैं।" देखा? तो ठीक है। देखा? ये अभी भी पर्दा पड़ा हुआ है।

249 हम मसीह के अंदर हैं। अब, जैसे ये तब था, सारे सच्चे विश्वासी उसे देखते हैं, आज के दिन की प्रतिज्ञा का वचन, खुले तौर से प्रकट हुआ। यह एक बड़ा शब्द है यदि आप इसे समझ सकते हैं। देखा? देखा? सारे सच्चे विश्वासी, यह वचन में है, परमेश्वर को खुल तौर से देखते है। पर्दा फट गया, और परमेश्वर आपके सामने खुले तौर से खड़ा हुआ है, प्रकट हुआ। देखा? परमेश्वर, प्रकट हुआ, खुले रूप से।

250 ऐसा करने के लिए, हमारे पुराने संप्रदाय के रीति–रिवाज पर्दे को फिर से फाड़ना ही होगा। वास्तव में यह देखने के लिए कि यह क्या है, आपको उन चीजों के बीच से बाहर आना होगा। देखा? आप ऐसा कभी नहीं करेंगे; वे हर बार आपके सामने पर्दे को खींचते रहेंगे, "ओह, इसमें कुछ भी नहीं है।" लेकिन यहाँ यह लिखा हुआ है, और यहाँ यह स्पष्ट रूप से प्रकट किया गया है, आप देखे। समझे?

251 अब, क्या हो यदि कोई व्यक्ति सूर्य को देखने से इंकार करता है, कहता है, "ओह, वहां, मैं जानता हूं कि परमेश्वर ने कहा, 'वहां उजियाला होने दो,' लेकिन वहां ऐसी कोई चीज नहीं है। मैं नीचे तहखाने में जा रहा हूं। मैं—मैं इसे देखने से इंकार करता हूं"? वो व्यक्ति पागल है। उसके साथ कुछ तो गड़बड़ है।

252 उस पुरुष या स्त्री के साथ कुछ तो गड़बड़ है, कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा को और, इसे प्रकट होते देख सके, और फिर इस पर विश्वास करने से इन्कार करता है क्योंकि वह संप्रदाय का पर्दा नीचे खींच देता है। देखो, पर्दा हुआ!

253 ऐसा करने के लिए, हमारे संप्रदाय के रीति–रिवाज़ के पर्दे को फाड़ना ही होगा, परमेश्वर की अग्नि और तलवार की आत्मा के द्वारा, जो कि उसका वचन है। उसका वचन ही उसकी तलवार है। समझे? और उस दिन उसने अपनी तलवार को लिया, आग से भरी हुई, और उस पर्दे को ऊपर से नीचे तक फाड़ दिया। वो आज भी उसी तलवार से उसी काम को करता है! ना ही "मेरा मत–सिद्धांत, मेरे मत–सिद्धांत की पुस्तक, मेरी—मेरी धार्मिक शिक्षा।" लेकिन प्रभु की तलवार, देखो, पर्दे को फाड़ देती है, और आप देखते हैं कि परमेश्वर स्पष्ट रूप में दृश्य में खड़ा हुआ है, उसके वचन में प्रकट हुआ है। देखने के लिए क्या ही महिमामय दृश्य है! देखा? तो ठीक है। परमेश्वर का पवित्र आत्मा और आग, उसकी तलवार, इसे फाड़ देती है। परमेश्वर का वचन संप्रदायगत पर्दे को फाड़ डालता है।

254 तो ठीक है, यदि आपने अभी कहा, "वो वचन," और वचन काम नहीं करे? यहां तलवार से क्या लाभ होगा, और कहे, "यह फाड़ नहीं सकती"? कहे, "उह," और यह नहीं फाड़ेगी?

255 लेकिन जब आप उस परमेश्वर की तलवार को वहाँ ऊपर रखते हैं और उसे फाड़ते हुए देखते हैं, उस—उस तलवार को एक नियुक्त हाथ के द्वारा पकड़ा जाता है, जिसे ऐसा करने के लिए भेजा गया है। देखो, वह उसे फाड़ देता है, और वहां पर वो है। वहां पर ये परमेश्वर, उस महान यहोवा को, स्पष्ट रूप से दिखाता हैं। यह उसका वचन है जो प्रगट हुआ, वह भाग जिसकी प्रतिज्ञा आज के दिन के लिए की गयी है। क्या आप समझ रहे है? देखा? जब तलवार, आज की प्रतिज्ञा, इस दिन में, जो होना चाहिए, और परमेश्वर अपनी तलवार लेकर संप्रदायगत पर्दे को फाड़ देता है और उसे पीछे खींच लेता है, और वह स्वयं को प्रकट करता है और दिखाता है कि वह अभी भी वहीं है, वही अग्नि का स्तंभ। ध्यान दें, यही वह वचन है जो आज की प्रतिज्ञाओं के लिए प्रकट हुआ है।

256 हम इसे उसी तरह देखते हैं जैसे पतरस ने कहा, "प्रभु, इसे देखने के बाद हम किसके पास जाए?" हम कहाँ जाएं? हम किस कलीसिया से जुड़ सकते हैं, जब कि हम एक में जन्म लेते हैं? समझे? आप क्या कर सकते हैं... इन सच्चाइयों को जानने के बाद आप किस संप्रदाय से जुड़ सकते है, देखिए, जब वे (हर एक जन) इसका इन्कार करते हैं? उनमें से हर एक जन! मुझे एक भी ऐसा नहीं मिला जो इसके लिए कुछ कहे या करे। सही

है। यह सही है।

257 मैंने इन यात्राओं की शुरुआत यहीं से की थी, जहां एक ही जगह पर स्थित बयालीस कलीसियाओ ने प्रायोजित किया था; जब मैं वहां पहुंचा, तो मेरे पास कोई भी नहीं था। उन में से सभी ने कहा, “वह अनंत सुरक्षा में विश्वास रखता है।” यह नियमवादियों को बाहर कर देगा। एक ने कहा, “वह यीशु के नाम पर बपतिस्मा देता है।” इससे बाकी सभी लोग बाहर निकल जाते हैं, समझे। तो उनमें से एक ने कहा, “वह सर्प के बीज में विश्वास करता है। सर्प का कोई बीज नहीं होता!” जिससे...

258 बाईबल ने कहा, “मैं उसके बीज और सर्प के बीज के बीच बैर उत्पन्न करूँगा।” देखा? वहाँ देखा?

259 यह, वो—वो पर्दा, वचन पर से उठा लिया गया है। देखा? यह सही है। यह बालकों पर प्रगट हुआ है। इसे—इसे उठा लिया गया है। वे इसे देखते हैं। और देखेंगे, जैसा कि एक बार कहा गया... यह सही है। तब ऐसा ही होगा, जैसा कि एक बार कहा गया था, “जब तुम देखते हो,” जब यह पर्दा वचन पर से हटा दिया जाता है, तो रीति–रिवाज वचन से हट जाते हैं, जैसा कि यीशु ने एक बार कहा, “जब तुम मुझे देखते हो, तुम पिता को देखते हो।” समझे? परमेश्वर और उसका वचन एक हैं। अब आप समझे? जब वचन प्रकट होता है, ये क्या है? देखा?

260 यीशू ने कहा, “वचनों में ढूंढो, तुम्हें लगता है कि तुम्हारे पास ई–... तुम परमेश्वर पर विश्वास करते हो, मुझ पर भी विश्वास करो। यदि मैं अपने पिता के काम नहीं करता, तो मुझ पर विश्वास मत करो। लेकिन यदि मैं उन कामों को करता हूँ, तो मैं और मेरे पिता एक हैं। जब तुम मुझे देखते हो, तो तुम पिता को देखते हो।”

261 और जब तुम वचन को प्रकट होते हुए देखते हो, तो तुम पिता परमेश्वर को देखते हो, क्योंकि वचन ही पिता है। वचन परमेश्वर है। और वचन, प्रकट हुआ, परमेश्वर स्वयं ही अपने खुद के वचन को ले रहा है और इसे विश्वासी लोगों के बीच प्रगट कर रहा है। कोई भी इसे जीवित नहीं कर सकता सिवाय विश्वासी लोगों के, केवल विश्वासी। यह नहीं... यह नहीं होगा...

262 आप गेहूं लेकर और एक—एक भिन्न प्रकार की मिट्टी में—में बो सकते, तो उसमें कभी कुछ नहीं उगेगा।, लेकिन, गेहूं उगाने के लिए जमीन में किसी

तरह की खाद होनी चाहिए। और यदि कोई नहीं—यदि वहाँ... यदि जमीन में खाद नहीं—नहीं होती है, गेहूं को उस खाद के साथ अंकुरित नहीं किया गया है, तो ये कभी भी नहीं बढ़ेगा। इसलिए कोई मतलब नहीं वचन कहीं भी गिरे, यदि ये एक सही प्रकार के ह्रदय में नहीं गिरता तो...

263 यीशु ने ऐसा कहा। "कुछ मार्ग के किनारे पत्थरीली भूमि में गिरे, और हवा में उड़ने वाले पक्षियों ने आकर और उन्हें चुग लिया।" और फिर उसने कहा, "कुछ बीज झाड़ियों और कटीली झाड़ियों में गिरे, जो उग आए और उन्हें दबा डाला," रीति–रिवाजों, संप्रदायों, संसार की चिंताओं ने इसे दबा दिया। लेकिन कहा, "कुछ अच्छी भूमि में जा गिरे और सौ गुना फल लाए," कहा, "यही परमेश्वर का राज्य है।"

यह वही बात है, देखो, कुछ लोग बिल्कुल भी विश्वास नहीं करेंगे।

264 कुछ लोग चेलों की तरह कुछ समय के लिए विश्वास करेंगे। उन्होंने उसका अनुकरण किया, उनमें से बहुत लोगों ने, सत्तर लोग कुछ वर्ष उसके पीछे–पीछे गए, यह पता लगाने के लिए; लगभग डेढ़ वर्ष, या दो वर्ष; बस यह पता लगाने के लिए, जब तक वे उसमें कुछ तो नहीं पा लेते है, कुछ... जैसे किसी तरह से उसके पास इन चीजों को करने के लिए कुछ सामर्थ थी, या एक खरगोश के पैर की तरह, किसी प्रकार का जादूगर, वह इन चीजों को उत्पन्न करने के लिए क्या कर सकता है, वो कैसे जान सकता था कि लोगों के ह्रदय में क्या है और वे क्या सोच रहे है। और उन्होंने अंत में पाया कि उसने कहा कि वह "स्वर्ग से नीचे आया," वह "स्वयं वचन था।" और जब उन्होंने ऐसा किया, तो यह उनके लिए यह बहुत ज्यादा था। उन्होंने कहा, "इसे कोई भी मनुष्य समझ नहीं सकता।" और वे उससे दूर चले गए। वे कटीली झाड़ियों के बीच गिरे।

265 यह उसी चीज को वापस लाता है, हर सभा में, आपके पास ढोंगी विश्वासी, अविश्वासी और विश्वासी होते हैं। यह हर सभा के लोगों में होते है। आप इन्हें हर समय देख सकते हैं। उनमें से कुछ लोग खुद को विश्वासी होने का दिखावा करते हैं, यह सबसे बदतर किस्म के लोग होते हैं। और फिर उनमें वे लोग भी होते हैं जो असल में अविश्वासी हैं; वो आपको परेशान नहीं करेगा, वह बस चला जाएगा और अपने सिर को हिलाएगा। लेकिन वे जो ढोंगी विश्वासी हैं, वे कहते हैं कि वे विश्वासी हैं, वे इसी प्रकार के होते है, इसी प्रकार के लोगों पर आपको ध्यान देना होगा, ये वे ढोंगी

विश्वासी हैं। और फिर कुछ सच्चे विश्वासी भी होते हैं। क्या आप उन तीनों को वहाँ देख रहे हैं?

266 वहाँ पर अविश्वासी थे। जैसे ही उसने कहा, "मनुष्य के पुत्र का मांस खाओ," ओह, भाई, बस इतना ही कहना था!

267 दूसरे ढोंगी विश्वासी थे। वे तब तक रुके रहे, ठीक जैसे यहूदा रुका हुआ था, ठीक आगे अंत तक।

268 लेकिन सच्चे विश्वासी इसे समझा नहीं सकते थे, लेकिन उन्होंने इस पर विश्वास किया। वे आगे बढ़ते रहे।

269 वो पर्दा, अविश्वासियों के रीती रिवाज, हटा दिए जाते है, तो आप परमेश्वर को देखते हैं। जब रीति–रिवाजों का पर्दा हटा दिया जाता है, तो आप देख सकते हैं कि परमेश्वर अब भी अपने वचन का परमेश्वर है। वह अब भी अपने वचन को पूरा करता है। वो—वो परमेश्वर है, अपने वचन का लेखक है।

यह दूसरों के लिए खाल के पर्दे के पीछे छिपा हुआ है। जी हां, यह सही है। उनके लिए जो पर्दे के पीछे नहीं जा सकते, वो अब भी खाल के पर्दे के पीछे है।

270 ध्यान देना। तब, हम, तब हम उसका भाग बन जाते हैं, जैसे कि आप वो पर्दा हैं जो उसे पर्दे में रखते है। जब तक मसीह आप में हैं, आप उसके भाग हैं, जैसे मसीह परमेश्वर का भाग था। क्योंकि परमेश्वर उसमें था, उसे परमेश्वर बनाया। और जैसे मसीह आप में है, महिमा की आशा, आप मसीह के भाग बन जाते हैं। "जो मुझ पर विश्वास करता है, वह काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा।" देखा? जब तक मसीह आप में छिपा रहता है, तब तक आप मसीह का भाग बने रहते हैं। तब यह अविश्वासी से पर्दा हुआ रहता है, लेकिन आप जानते हैं कि वो आप में है। आप उस मसीह का मंदिर बन रहे हैं जो पर्दे के पीछे, खाल के पीछे है। तब हम, क्यों–... पीछे, इस पर्दे के कारण, फिर से मनुष्य की देह में पर्दा है, परमेश्वर (वचन) को अविश्वासी लोगों से छिपाता है।

271 जैसा कि ये लिखा है, देखो, "लिखा हुआ, तुम लिखित पत्री हो," बाईबल ने कहा। तो, *पत्रियां* क्या होती है? ये एक "लिखित वचन" है। और आप वो "लिखित" है। दूसरे शब्दों में, आप इसे इस तरह से पढ़ते है, "तुम," यह कहा, "तुम लिखित पत्रियां हो," या, "तुम ही वो वचन

हो, जो लिखा गया है, प्रकट किया गया है," इसमें कुछ भी जोड़ा नहीं जा सकता। आप ऐसा नहीं कह सकते, "मैं एक लिखित पत्री हूं," और किसी अन्य तरह का जीवन जी रहे हैं लेकिन जो *यह* पहले से ही लिखा जा चुका है, उसमें कुछ भी जोड़ा या निकाला नहीं जा सकता।

272 डॉक्टर ली वेयल जब यह प्रसिद्ध पुस्तक लिख रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि आप इसे कुछ समय बाद पढ़े। भाई वेयल यहीं पर हैं, यही कहीं आसपास ही हैं। मैंने उन्हें बाहर देखा था। मुझे नहीं लगता कि वो अंदर आ सकते हैं। लेकिन वह वहां एक पुस्तक लिख रहे है, और—और यह लौदकिया युग पर है जो अत्यंत चकित करने वाली है। और मैं आपसे चाहता हूँ... यह जल्द ही छपकर तैयार हो जाएगी। इसलिए, हम अभी इसकी अंतिम समीक्षा कर रहे हैं। और वे लिख रहे थे, और हम वहां पर इस पर चर्चा कर रहे थे, देखिए, लगभग...

273 हर कोई हमेशा ही मेरे पास आता है, कहता है, "भाई ब्रन्हम, उन सात गर्जनाओं ने उस आवाज़ की गर्जना की, और उसने कहा, 'इसे मत लिख, देख, लेकिन इसे बंद कर,'" कहा, "यह सात गर्जनायें होंगे जो अंतिम दिनों में प्रकट होंगे, देखो, सात गर्जनायें जो हमें बतायेंगे?" अब, क्या यह सुनने में ठीक नहीं लगता? देखा? लेकिन जब आप ऐसा कहते हैं तो ध्यान रखिए कि आप क्या कह रहे हैं।

उसने कहा, "देखो इसे तुम मत लिखना।" समझे? ये सात गर्जनाये उनकी आवाजों को देते हैं, देखो, और उसने कहा, "इसे मत लिखो, लेकिन इसे अंतिम दिनों तक पुस्तक में मोहरबंद रखा जाना है।"

274 अब कोई तो कहता है, बहुत से लोग मुझसे कहते है, और धर्मज्ञानियों ने कहा, "भाई ब्रन्हम, यदि प्रभु परमेश्वर..." कहा, "यदि—यदि... आपके अनुभव के साथ, कि प्रभु ने आपको अपने लोगों के लिए दिया है," नम्रतापूर्वक इसे कहते हुए, कहा, "यदि परमेश्वर ने प्रकट किया है, आप स्वयं एक—एक बाईबल लिखने के योग्य ठहरेंगे, आपका वचन।"

275 मैंने कहा "यह सच हो सकता है।" देखो, वह मुझे पकड़ने की कोशिश कर रहा था। देखा? मैंने कहा, "लेकिन, देखो, मैं ऐसा नहीं कर सकता।"

उसने कहा, "आप क्यों नहीं कर सकते? आपके पास तो सारी योग्यताएं हैं।"

276 मैंने कहा, “लेकिन, आप देखिए, एक शब्द न तो जोड़ा जा सकता है और न ही निकाला जा सकता है।” समझे?

277 और उसने कहा, “तो ठीक है, वो सात गर्जनायें, आप देखे,” कहा, “क्या वे सात गर्जनायें विस्फोट नहीं करेंगे, क्या यह प्रकाशन किसी मनुष्य को नहीं दिया जाएगा?”

278 मैंने कहा, “नहीं, श्रीमान, यह उसमें कुछ तो जोड़ना या उसमें से कुछ निकालना होगा।”

279 यह सब वहां प्रकट हुआ है, और सात मोहरों ने प्रकाशन को खोल दिया कि यह क्या था। यह वही था। देखो, यह अब भी वचन में है। आप देखो, आप उस वचन से बाहर नहीं जा सकते। यह वचन को नहीं छोड़ेगा। और परमेश्वर का आत्मा उस वचन को कभी नहीं छोड़ेगा। यह वचन के साथ ही बना रहेगा; कुछ लोगों को अंधा कर देता है, और दूसरों की आंखें खोल देता है। यह हमेशा ही ऐसा करेगा।

280 “तुम लिखित पत्रियां हो, जिन्हें सभी लोग पढ़ते हैं।” या आप... मैं इसका अनुवाद करता हूँ, इसे इस तरह घुमाकर, देखो, बस इसे घुमाकर देखते है, “तुम वो पत्रियां हो जो लिखे गए हो,” क्योंकि आप इसमें कुछ भी जोड़ नहीं सकते, “जिसे सभी मनुष्यों के द्वारा पढ़ा जाता हैं; परमेश्वर का प्रकट वचन,” दूसरे शब्दों में कहें तो।

और पतरस और यूहन्ना, इसे दिखाने के लिए, जब वे वहां ऊपर गए, उन्होंने समझ लिया कि वे अशिक्षित और अनपढ़ थे, उनके पास कोई शिक्षा नहीं थी, लेकिन उन्होंने इस बात पर ध्यान दिया कि वे यीशु के साथ थे। समझे? वे अशिक्षित और अनपढ़ थे, लेकिन वे लिखित पत्रियाँ थे, देखो, इसे पढ़ लिया कि वे लोग यीशु के साथ थे। क्योंकि, यीशु स्वयं को उनके जरिए से प्रकट कर रहा था, मसीह उनके शरीर में पर्दा हुआ था; प्रकट हुआ, जीवित बना।

281 जैसे वो मूसा में था। जब वचन मूसा में था, तब वह देहधारी परमेश्वर था। जब यह यीशु में था, यह देह में परमेश्वर था। देखा? केवल एक चीज जो उसने की उसके मुखौटे को बदलना था, ना ही उसके वचन को, ना ही उसके स्वभाव को। वो कल, आज और युगानुयुग एक सा हैं। उसने केवल उसके रूप को बदला। वो नूह से मूसा में बदल गया; वो मूसा से दाऊद

में बदल गया; दाऊद से, यूसुफ; ऐसे ही आगे जब तक वो परमेश्वरत्व के दैहिकता की परिपूर्णता में नहीं आ गया। देखा?

282 यह अब भी वही परमेश्वर है! आमीन। आमीन। मैं आशा करता हूं कि यह अंदर जा रहा है। देखा? यह वही परमेश्वर है, लेकिन वह बस दूसरे पर्दे को ले लेता है। देखो, वह दूसरे पर्दे को डालता है।

283 उसने इसे सुधारको में किया, एक पर्दे पर ले लिया, एक पर्दे को ले लिया। जब तक, अंत में, यह लूथरन युग में से होते हुए आगे तक नहीं आ गया, उस दूसरे युग में से होते हुए, तब अंत में यह पूर्णता में बाहर आता है। इसके आने से ठीक पहले, एक भविष्यव्यक्ता फिर से उठ खड़ा होता है। यह क्या करता है, यह वचन की पूर्वछाया है, यहाँ वापस दिखा रहा है, प्रकट कर रहा है कि क्या किया गया है, क्या छोड़ा गया है, कि कलीसिया बिना समझ... बिना समझ के नहीं होगी। फिर जब यह धुंधला हो जाता है, तब, जैसे यूहन्ना ने कहा, "मुझे अवश्य ही घटना है, उसे बढ़ना ही है," तब सारा का सारा उसके अंदर आ जाता है। वो लूथर, वेस्ली, और पेंटीकोस्टल, और इसी तरह और आगे, और आगे के युग में से होते हुए, वो पूरी तरह से प्रकट होता है, आप देखते हैं, आगे आकर, बस प्रगटीकरण होता है, परमेश्वर खुल रहा है: उसे देखे (अब, ध्यान दे।) कि उसने *इस* दिन के लिए अपनी प्रतिज्ञाओं को पूरा किया, *जैसा* कि उनके पास थी।

284 अब मूसा उस दिन का वचन था, क्योंकि उस दिन के लिए वचन उसे दिया गया था; मूसा। यूसुफ अपने दिनों में वचन था, मसीह को ठीक–ठीक चित्रित कर रहा था। देखो, उनमें से हर एक जन वचन था।

285 और जब यीशु आया, वह उसकी परिपूर्णता में वचन था, क्योंकि छुटकारे की सारी योजना उसमें रखी हुई थी। छुटकारे की सारी योजना मूसा में नहीं रखी थी, ना ही यूसुफ में रखी थी, ना ही एलिय्याह में रखी थी। देखो, वे तो केवल वचन का एक भाग थे, जो उसकी ओर संकेत कर रहे थे। समझे? अब ध्यान देना, अपने विचार को बनाए रखे; जैसा कि मैंने कहा, यहाँ यह आता है। देखो, सारी योजना उनमें नहीं थी। वे तो इसी की ओर संकेत कर रहे थे।

286 इसलिए, उसके आने बाद, परिपूर्णता, हम किसी और चीज की ओर संकेत नहीं कर सकते। यह वापस उसकी ओर संकेत करता है, अर्थात वचन। *यही* संपूर्ण प्रकाशन है; इसमें कुछ भी जोड़ा या निकाला नहीं जा

सकता। *वहां* ये संपूर्ण प्रकाशन है। ये सभी, उसके आने की एक छाया थी; लेकिन जब वो आए, तो वो सिद्ध था। इब्रानियों 1, "परमेश्वर ने भांति–भांति से भविष्यव्यक्ताओं के जरिये से पूर्वजों से बातें कीं," परमेश्वर ने पर्दों के माध्यम से, भविष्यवक्ताओं के द्वारा बोला, "लेकिन इन अंतिम दिनों में उसके पुत्र, यीशु मसीह के जरिए से बोलता है।" आप यहाँ हैं। वहां कलवरी पर्वत पर बेपर्दा हुआ, परमेश्वर का पुत्र, बेपर्दा हुआ।

287 ध्यान दे, "जीवित किया गया।" और, आज, जब वचन मनुष्य के बर्तनों में प्रगट होता है, अर्थात पर्दों में, यह पूरी तरह से उस दिन का पूरा हुआ वचन है, जो वापस परमेश्वर के पास आता है। पहला कुरिन्थियों 12 के अनुसार, उसमें बपतिस्मा लेने से हम उसके साथ पहचाने जाते हैं। आमीन।

288 मैंने आधा घंटा कहा था, लेकिन क्या मैं थोड़ा और समय ले सकता हूं? [सभा कहती है, "आमीन।" सम्पा।] देखा? देखिए, मैं ठीक यहाँ पर इसे नहीं छोड़ सकता। ध्यान दे, उसके साथ पहचाना गया!

289 अब ध्यान दे। यहाँ कितने अमेरिकी नागरिक हैं? अपने हाथ उठायें। तो ठीक है, आप अमेरिकी नागरिक हैं, तो आप इस राष्ट्र से पहचाने जाते हैं। यह राष्ट्र जैसा भी है, आपको भी उसी के साथ पहचाना जाता है। क्या यह सही है? आप सब उसकी महिमा के सहभागी हैं और आप सब उसकी लज्जा के भी हैं। आप उसके साथ पहचाने जाते हैं। आप एक अमेरिकी हैं, इसलिए आपकी पहचान अमेरिका के साथ है। हाल्लेलुय्या!

290 जब जॉर्ज वाशिंगटन ने डेलावेयर नदी पार की थी, तब मैं उनके साथ था। मैं उसके साथ पहचान जाता हूं। बिल्कुल सही। मैं गेटिसबर्ग भाषण के दौरान अब्राहम लिंकन के साथ था। मैं वहां खड़ा था। मैं गुआम में सैनिकों के साथ था, तुम लड़कों, जब तुम लोग उस झंडे को लहरा रहे थे। मैं वहां पर था। मैं अमेरिकी हूं; मेरी पहचान उसके साथ है। आमीन। अब, एक अमेरिकी होने के नाते, क्रांति में उसकी जो भी शर्मिंदगी होती है, मैं इसे सहन करता हूँ, क्योंकि मैं एक अमेरिकी हूँ। यह सही है।

291 और एक मसीही होने के नाते, मैं उसके साथ पहचान देता हूँ। आमीन! मैं नूह के साथ था जब वह जहाज़ में गया था। मैं मूसा के साथ था जब वह मिस्त्र से बाहर आया। आमीन! मैं कार्मेल पर्वत पर एलिय्याह के साथ था। जी हां, श्रीमान! परमेश्वर की महिमा हो! जब उसने ऐसा किया तब

मैं उसके साथ था। मैं वास्तव में उसके साथ था, मैं खुद उसकी मृत्यु में पहचाना गया वहां उस कलवरी पर जब मैं संसार की चीजों के लिए मर गया, अपने लिए और सारे रीति–रिवाजों के लिए। मैं उसके साथ पहचाना गया था। ईस्टर की सुबह मैं उसके साथ पहचाना गया जब वह मरे हुओं में से जी उठा। मैं पेंटीकोस्ट के दिन उसके साथ पहचाना गया था, जब पवित्र आत्मा एक तेज सनसनाती आंधी की तरह नीचे उतर आया। मैं उसके साथ पहचाना गया था। वह सब जो वो था मैं हूं, वह सब जो मैं हूं वो था; आमीन, उसी में मरकर हम उसके साथ पहचाने जाते हैं। वो जो है मैं हूं। आमीन!

292 जो यह राष्ट्र है मैं वही हूं। मुझे ऐसा होने पर गर्व है। मैं उसकी लज्ज्ञा को सहने के लिए तैयार हूं। मैं अमेरिकी होने पर निंदा को सहन करने के लिए तैयार हूं। यह सही है। और मैं ऐसा यीशु मसीह के प्रति दुगना हूँ! जो कुछ भी वह था मैं वही हूँ। मुझे उसके साथ पहचाना जाना पसंद है।

293 वे प्रेरित, जब वे वापस आए, उन्होंने सोचा... उन्होंने उनका मजाक उड़ाया था, और बाक़ी की हर एक चीज को कहा, उन्होंने सोचा कि उसके नाम की निंदा को सहन करना ये एक बड़े सम्मान की बात है।

294 मैं आज उनमें से एक होने के लिए खुश हूं, मेरी पहचान वचन के साथ है, जो कि मसीह है। उसके साथ पहचाना गया! उसमें बपतिस्मा लेने के बाद, हम पहचाने जाते हैं; उसकी समानता में पहचाना गया, उसके वचन के साथ पहचाना गया, जो वो स्वयं है। यदि मैं मसीह में हूँ, तो मैं उसका वचन हूँ; क्योंकि वो वचन है, और जो वो है वही मैं हूँ। आमीन! क्या आप इसे समझ रहे है? तो ठीक है।

295 वचन प्रगट हुआ, या वहां उस प्रकाशन में प्रगट हुआ, तब यह मुझे कहाँ पर रखता है? यदि वह तेजोमय महिमा है, तो मैं उसका भाग हूँ। आमीन! ओह! आमीन! यह सही है। वचन स्वयं में प्रकट हुआ, स्वयं में प्रकट होता है।

सोचे! हम पर आज के दिन परमेश्वर के रहस्य प्रकट हुए हैं, उसी स्वर्गीय संदेशवाहक के द्वारा जिसने उनके लिए उन दिनों में प्रकट किया था; ध्यान दे, वही अग्नि का स्तंभ जिसने मूसा को भेजा; वही अग्नि का स्तंभ जो मूसा पर था जिसने बाईबल को लिखा; वही अग्नि का स्तंभ जिससे पौलुस ने वहां दमिश्क के रास्ते पर भेंट की थी।

296 और पौलुस ने नया नियम लिखा। याद रखें, मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना, उन्होंने केवल वही लिखा जो उन्होंने देखा; लेकिन पौलुस के पास प्रकाशन था। उसने इसे सामने लाया, क्योंकि उसने स्वयं अग्नि के स्तंभ से भेंट की थी। और सोचे, वही...

297 वहां, युसूफ, उन सब ने लिखा कि क्या हुआ, हर एक ने पहले उस दिन में वापस लिखा। लेकिन जब मूसा दृश्य पर आया, तो उसके पास प्रकाशन था। उसने अग्नि के स्तंभ से भेंट की थी, और यह मूसा पर प्रकट हुआ था कि कैसे उत्पत्ति हुई। उसने बाईबल की पहली चार पुस्तकें लिखी, मूसा ने लिखा। क्या यह सही है? क्योंकि उसने अग्नि के स्तंभ के रूप में परमेश्वर से भेंट की, अग्नि के स्तंभ में पर्दा हुआ।

298 जब पौलुस ने उससे मार्ग पर भेंट की... चेलों ने बस वही लिखा जो उन्होंने उसे करते हुए देखा था, लेकिन मूसा के पास प्रकाशन था; वो तीन वर्ष मिस्र में गया और वहां अध्ययन किया, और देखा कि पुराने नियम का परमेश्वर नए नियम का यीशु था, अर्थात प्रकाशितवाक्य! “मैं स्वर्गीय दर्शन के प्रति अवज्ञाकारी नहीं था।” यह सही है। सही है!

299 और इस पर सोचे! वही अग्नि का स्तंभ जो उन लोगों पर आया जिन्होंने बाईबल को लिखा, ये वही अग्नि का स्तंभ आज यहां पर है, बाईबल का अनुवाद कर रहा है। आमीन! इसके लिए हम उसे कैसे धन्यवाद दे! वही! क्या ही दिलासा है! क्या ही पहचान है! मैं इसमें पहचाने जाने के लिए बहुत खुश हूं, मैं नहीं जानता कि क्या करूं! मैं बजाय इसके की सारे बैपटिस्ट, मेथोडिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, और उन बाकी के सभी की तुलना में उसमें पहचाना जाना पसंद करूंगा। उस वचन में पहचाना गया हूं जहां पर तेजोमय महिमा और प्रकाशन रखा है!

300 अग्नि का स्तंभ हमारे बीच में दृश्य में प्रकट हो रहा है, यह पहचान दे रहा है कि संदेश सही है, जैसे उसने सिनय पर्वत पर किया था। याद रखें, इससे पहले कि सच्चा संदेश सामने आए, मूसा ने प्रचार किया और उसने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला; लेकिन वहां, इससे पहले कि सच्ची आज्ञाओं को रखा जाये (मोहरों को प्रकट किया गया था), परमेश्वर लोगों के सामने उतर आया और यह साबित किया कि मूसा को उसी की ओर से भेजा गया था, (यह सही है?) एक अग्नि के स्तंभ में जिसे मूसा ने कहा कि उसने एक झाड़ी में देखा था और उससे बात की थी।

301 ओह, इन अंतिम दिनों में, उसी अग्नि स्तंभ को ठीक हमारे बीच में देखना, जो उसी वचन को बोलते है; केवल इतना ही नहीं, लेकिन इसे प्रकट करने के द्वारा इसका अनुवाद कर रहा है, और इसे साबित कर रहा है, कि यह सत्य है।

इसलिए, लोगों के पास अविश्वास करने का एक भी कारण नहीं है, शायद वे बस जानबूझकर करना चाहते है। और, फिर, "वो जो सच्चाई के ज्ञान को प्राप्त करने के बाद जानबूझ कर पाप करता है, तो पाप के लिए और कोई बलिदान नहीं रहता है।"

302 ध्यान दीजिए, वही अग्नि का स्तंभ जिसे मूसा और पौलुस के पास भेजा गया था, जिन्होंने बाईबल लिखी थी, अब उसे बाईबल को प्रकट करने के लिए भेजा गया है। परमेश्वर का अनुग्रह, ना बदलने वाला परमेश्वर, मत्ती 28 की प्रतिज्ञाओं को पूरा कर रहा है, "देखो, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं"; संत यूहन्ना 14:12 को पूरा कर रहा है, "जो काम मैं करता हूँ, वह तुम भी करोगे"; संत लूका 17:28–29 को पूरा कर रहा है, "अंतिम दिनों में मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा," देखो, देखो; मलाकी 4, "देखो, मैं तुम्हारे पास ऐलिय्याह नबी को भेजूंगा, जो लोगों के विश्वास को वापस मूल वचन पर लौटा देगा।" देखा? यह कैसे... देखा? ओह, प्रभु!

303 वो मरा, ताकि खुद को हम पर प्रकट करे। अब आओ हम अपने ख़ुद के लिए मरे, ताकि उसे दूसरों पर प्रकट करें। आइए हम रीति–रिवाजों और इत्यादि चीजों के लिए मर जाये, ताकि हम दूसरों के सामने उन्हें प्रकट कर सकें। संप्रदायों के लिए मर जाये, ताकि हम दूसरों के लिए उसे प्रकट कर सकें।

304 ध्यान दें, पुराने मंदिर में तेजोमय महिमा थी, और वचन के ऊपर उस तेजोमय का उजियाला था। वचन एक बीज है; इसने केवल विश्वासियों के लिए भेंट की रोटी को आगे लाया। लहू भी वाचा के ऊपर था; और लहू वो पानी है, वो पानी जो दाने, गेहूं, बीज को जीवन देता है, जो कि वचन है।

305 जैसा कि यीशु ने कहा, "जब मूसा ने पीतल के सांप को ऊपर उठाया," और फिर उसने दोबारा कहा, "परमेश्वर ने संसार से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया; जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश नहीं होगा।" मूसा ने जंगल में चट्टान को मारा, नाश होने वाले लोगों को बचाने के लिए, या पानी को लाने के लिए। परमेश्वर ने यीशु को मारा,

ताकि उसमें से आत्मा को बाहर लाये, एक नाश होने वाले लोगों के लिए। उसमें से लहू आया, जो कि, “वचन के द्वारा धोने का जल।” जो, जल बीज के लिए जीवन को लाता है। और इसने तेजोमय महिमा को आगे लाया; वचन के ऊपर चमकी, जिसने भेंट की रोटी को लेकर आया। और वह भेंट की रोटी केवल चुने हुए लोगों के लिए थी। उह–हुंह। क्या यह सही है?

306 अब उस पर्दे को फाड़टी हुए, उस पर्दे के पार, उसकी उपस्थिति में, जहाँ पर वचन है (ना ही मत–सिद्धांत), केवल वचन; वहाँ अंदर तेजोमय महिमा को देखते है, वो तेजोमय, वो सामर्थ और पवित्र आत्मा वचन पर चमक रहा है, प्रतिज्ञा को सामने लाता है, यह दर्शाता है कि आप पर्दे के पीछे हैं। आमीन!

मैंने उन फाड़े हुए पर्दों को पार कर लिया है जहाँ महिमा
  कभी विफल नहीं होती, (उह!)
हाल्लेलुय्या, हाल्लेलुय्या;
मैं राजा की उपस्थिति में जी रहा हूँ।

मैंने उन फाड़े हुए पर्दों को पार कर लिया है जहाँ महिमा
  कभी विफल नहीं होती,
मैं राजा की उपस्थिति में जी रहा हूँ।

307 पुराने किसी जानवर की खाल, संप्रदायो की, इसे फाड़ा गया हैं। मैंने उसमें से होते हुए, उस तेजोमय महिमा में से होते हुए, और मैं वचन को देखता हूं। मैं अग्नि के स्तंभ को मंडराते हुए देखता हूं। मैं वचन को प्रकट होते हुए देखता हूं। उसने जो कहा वह इन अंतिम दिनों में करेगा, मैं इसे बढ़ता हुआ देख रहा हूं। मैं बच्चों को उस तेजोमय रोटी को खाते हुए देखता हूं जो उस वचन के पकने से आती है, जो इसका विश्वास करते है। आमीन! हम क्या ही शानदार घड़ी में रह रहे हैं! देखो, तेजोमय वचन के ऊपर था; और वहां पर उसके नीचे रोटी थी। और वहां पर लहू था, जिसका छिड़काव किया गया, जो इसे पानी देता है। आत्मा वचन को जीवन देता है। और…

कितने लोगों ने *मुकदमा* की संदेश पढ़ा है या टेप को सुना है? जी हां। आपमें से बहुत से लोगों ने सुना है। आप वहां देखते हैं, यह लेता…

उस वचन को बढ़ना ही है। बढ़ने के लिए, इसे सही प्रकार की जमीन की आवश्यकता होती है। देखा? और परमेश्वर एक प्रतिज्ञा को करता है, और यह उस हृदय पर उतर जाती है, यह असफल नहीं हो सकता।

308 नूह ने एक सौ बीस वर्ष प्रतीक्षा की। अब्राहम ने बालक के लिए पच्चीस वर्ष प्रतीक्षा की। परमेश्वर ने ऐसा कहा, और बात इससे खत्म हो जाती है। देखा? यह क्या है? वचन वहां विश्वास के द्वारा पानी से सींचा जा रहा था, इस पर विश्वास करते हुए, इसने परिणाम को सामने लाया। इसने एक पुत्र को जन्म दिया; इसने वर्षा को आगे लाया; इसने बाढ़ को आगे लाया; इसने उस कुंवारी को आगे लाया जो गर्भवती हुई थी।

309 एक भविष्यव्यक्ता ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी।" कोई संदेह नहीं, लेकिन हर छोटी युवा लड़की ने जाकर और अपने बालक के कपड़े तैयार किए। ठीक है, यह भविष्यव्यक्ता यशायाह पहचाना गया भविष्यव्यक्ता था, जिसे परमेश्वर ने प्रमाणित किया था। और प्रभु ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी। मैं उन्हें एक अलौकिक चिन्ह, एक महान चिन्ह देने जा रहा हूँ; एक कुंवारी गर्भवती होगी।"

310 वहाँ, वे सभी लोग, वे सभी विश्वासी थे, बस आप सभी की तरह। और उन्होंने उस भविष्यव्यक्ता को यह कहते हुए सुना, हर छोटी लड़की... हर एक व्यक्ति ने कहा, "वो मेरी बेटी होगी। जी हाँ, श्रीमान।" हर किसी ने जाकर और छोटे-छोटे जूते और कपड़े और इत्यादि चीजें खरीदी, वे तैयार हो रही थी, क्योंकि वे जानती थी कि उसे यह बालक होने वाला है। वह पीढ़ी बीत गई, और उन्होंने सोचा, "वह पहचाना हुआ भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर का प्रमाणित हुआ, वो कैसे कुछ भी कह सकता है जो गलत था? इसे पूरा ऐसा होना ही चाहिए!"

311 यह आठ सौ वर्ष बाद हुआ था, लेकिन उसने बालक को जन्म दिया। "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी नहीं टलेगा।"

312 "और यह अंत के दिनों में पूरा होगा," परमेश्वर ने कहा। देखो, हम यहां पर हैं, वो—वो उजियाला जो वचन के ऊपर है। जैसे सूर्य का उजियाला बीज को महिमा से महिमा में बदलता है, जैसे-जैसे हम उसकी उपस्थिति में जीते हैं, हम भी उसके समान बनते—बनते जाते है; उसके समान, उसके धन्य स्वरूप के सदृश होते हुए, जब हम उसके साथ चलते हैं।

313 देखिए सूर्य क्या करता है। आप एक बीज बोते हैं, क्या होता है? वह बीज सड़ता है। बीज के अंदर एक जीवन होता है। जीवन अंकुरित होता है और एक डंठल को आगे लाता है। अब, यह पहले की तरह नहीं दिखता है।

वहां लूथर है। यह एक डंठल था। तो ठीक है।

डंठल आगे बढ़ता गया और, पहली बात जो आप जानते हैं, इसने एक लटकन को आगे लाया। देखो, यह वेस्ली की बेदारी थी; यह उस दूसरे के समान नहीं था।

तब वहाँ पेंटीकोस्टल की बेदारी आती है, देखो, जो पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को लेकर आया। तो ठीक है।

क्या हुआ? हमें बाली में फफूंद मिलता है। ये देखने में गलत दिखने लगता है। *ये* चीज़, *वो* चीज़, ये तो वचन के जैसा नहीं दिखता। यह बाकी के समान नहीं है। यह ऐसा नहीं दिखता है जैसा मूल दाना अंदर जमीन में गया है।

314 लेकिन परमेश्वर अब भी वहां पर है कि—कि इसे बिल्कुल वैसा ही बनाये। ध्यान दें, यह क्या करता है? यह अंत में फिर से मूल बीज के रूप में वापस आ जाता है। जब वो मार्टिन लूथर के रूप में आया; जब वह जॉन वेसली के रूप में आया; जब वो पेंटीकोस्टल के रूप में आया; उसे अपने आप को फिर से प्रकट करना है उसी बीज की तरह जो अंदर जमीन में गया था, मनुष्य का पुत्र। उसने खुद को परमेश्वर के पुत्र के रूप में प्रकट किया, डंठल और इत्यादि के युग में से होते हुए, लेकिन इस अंतिम युग में उसे खुद को फिर से मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकट करना है। इसे समझ गए? तो ठीक है, आरंभ की तरह, ढाला गया!

315 और उस डंठल पर क्या बढ़ने लगता है? यह लगातार बढ़ता ही रहता है। वह छोटा डंठल बढ़ता है, फिर भी यह मूल दाने के जैसा नहीं होता है। ना ही लूथर का संदेश था; नहीं, इसके साथ वे—वे अन्य संदेश भी आते है, जैसे फिनी, सैंकी, नॉक्स, कैल्विन, और बाकी सभी, उनमें से कोई भी उसकी तरह नहीं था। वे अब भी संदेश थे लेकिन, यह क्या था, उन्हें इसका सम्पूर्ण प्रकाशन नहीं मिला क्योंकि यह वो समय नहीं था। आप उस समय के आने से पहले दाने से भरी बाली को उत्पन्न नहीं कर सकते। देखा? और उसके बाद, अंत में, वहां फिर से मूल बीज वापस आता है जो जमीन में चला गया था।

316 देखो, परमेश्वर ठीक प्रकृति के नियमों के अनुसार कार्य करता है। देखो, वह एक मेमना जन्मा था, यही कारण है कि उसने एक चरनी में जन्म लिया था। मेमने बिस्तर में जन्म नहीं लेते। देखो, उसे कलवरी की

ओर अगुवाई की गई थी। मेमने, भेड़ की अगुवाई की जाती है। यह सही है। बकरियां उन्हें वध की ओर अगुवाई करती है, आप यह जानते हैं, एक कसाईखाना। एक बकरी उनकी अगुवाई करती है, लेकिन उनकी अगुवाई करनी ही पड़ती है। हुँह! यह सही है। इसलिए उसे वध करने के लिए अगुवाई की गई थी, देखो, क्योंकि वह एक मेम्ना था।

317 प्रकृति में हर एक चीज ने उसकी पहचान दी। यही कारण है कि उसका जन्म दिसंबर में नहीं बल्कि मार्च या अप्रैल में हुआ था; वह तब जन्म नहीं ले सकता था, वहां वर्ष के उस समय पर बीस फुट बर्फ होती है। ना ही कोई सूर्य देवता, लेकिन वो परमेश्वर का पुत्र था। देखा? रोमन सूर्य देवता दिसंबर के पच्चीसवें दिन पर, जब सूर्य वहां पर इसके स्थान से होकर गुजरता है और उनके पास रोमन सर्कस होते थे, और इसे सूर्य देवता का जन्मदिन कहा गया, और वे इसे परमेश्वर का पुत्र बनाते हैं। नहीं, नहीं। वह परमेश्वर का पुत्र था। उसका जन्मदिन बाकी प्रकृति के अनुसार था। बिल्कुल सही।

अब फिर से ध्यान दें जैसे कि हम आगे बढ़ते हैं, हमारे पास थोड़ा समय बचा है।

318 अब सिद्धता के लिए। डंठल के बन जाने के बाद; लटकन के बन जाने के बाद; दाने के भुट्टे के सिल पर आने के बाद; तब इसे सिद्धता में पहुंचना है, तब ये फिर से नियमित मूल दाने के रूप में वापस आता है।

और, याद रखें, दाने को अंकुरित होना ही है। देखा? यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह जीवित नहीं रहेगा। देखा? उन संदेशों के बाहर की कोई भी कभी जीवन में नहीं आ सकता। इसे इसके लिए अंकुरित होना है। लेकिन, याद रखें, वही जीवन जो डंठल में था ये दाने में है। यह बस अपने आप को सीधे वापस परिपक्व कर रहा है, देखो। उसने स्वयं को प्रगट किया, (क्या?) मनुष्य का पुत्र, वह दाना जो जमीन में चला गया। क्या आपने संदेश को समझ लिया?

यूनानियों ने उससे कहा, "हम यीशु को देखना चाहते है।"

319 उसने कहा, "जब तक मकई का दाना जमीन में नहीं गिरता है।" समझे? तो ठीक है।

320 अब उसने उसके बाद अपने आप को क्या प्रकट किया? एक अलग रूप में; डंठल और लटकन, और इत्यादि, और सारे पत्ते और हर एक

चीज। उसने उसके बाद अपने आप को प्रकट किया, (क्या?) वही आत्मा, लेकिन एक अलग रूप में। देखा? लेकिन उस दाने का अंतिम क्या है? यह मूल दाने की स्थिति में वापस आता है। क्या यह सही है?

321 और उसकी सेवकाई, उन सुधारको से, फिर से मूल वचन पर वापस आती है। वचन भविष्यव्यक्ता के पास आता है। और उसने इसकी प्रतिज्ञा की है, मलाकी 4 में, "और लोगों के विश्वास को वापस मूल दाने की ओर लौटाने के लिए।" जो जमीन में गया था यहाँ पर वही है। दाना यहाँ से होते हुए ऊपर आया है। यह परमेश्वर के पुत्र के रूप में ऊपर हुआ, अब यह यहाँ मनुष्य के पुत्र के रूप में अपने आप को प्रकट करता है, और उसके बाद यह अपने आप को दाऊद के पुत्र के रूप में सिंहासन पर प्रकट करता है। देखो, वे तीन पुत्र, बिल्कुल ठीक–ठीक। ओह, प्रभु, फिर से मूल की तरह!

322 अब स्वयं उसकी सिद्ध सेवकाई के लिए; न कोई मनुष्य, न कोई संप्रदाय, जैसा कि जैसा कि उन्होंने वहां उस युग में से होते हुए काम किया है, देखो; लेकिन अपने आप को प्रकट किया, अपने आप को प्रतिज्ञा के लिए प्रकट किया, संत लुका 17:28 को पूरा करता है, मलाकी 4, इत्यादि, इब्रानियों 13:8, बिलकुल सही है। उस समय, कौन सा समय होना चाहिए? जब अब्राहम का शाही बीज प्रतिज्ञा किए हुए पुत्र के लिए देख रहा है। और सभी प्रतिछाया को अवश्य ही पूरा होना है। और परमेश्वर स्वयं एक मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ, अब्राहम के स्वाभाविक बीज के लिए, विनाश से पहले, और यीशु ने कहा कि इस शाही बीज के लिए भी वही बात होगी, इससे पहले कि प्रतिज्ञा किया हुआ पुत्र वापस लौटे।

323 ध्यान दें उस पुराने ने महिमा को छिपा कर रखा। पुराने किसी जानवर की खाल में, वहां कोई सुंदरता नहीं कि उसकी ओर देखने की इच्छा रखते; न ही उसके शरीर में थी। यही कारण है कि लोगों ने कहा, "एक छोटा बूढ़ा सा मनुष्य जो इस तरह से झुका हुआ है? " शायद तीस साल का, और उसके बाल सफेद हो गए थे, और उसकी दाढ़ी भी सफेद थी, देखने में कुछ खास अच्छा नहीं था। बाईबल ने कहा, "उसकी कोई सुंदरता नहीं थी कि उसे देखने की इच्छा रखते।" वो राजा के जैसा नहीं दिखता था, पुरानी सी जानवर की खाल, लेकिन, ओह, उसके भीतर क्या था!

324 और एक छोटा सा झुण्ड "पवित्र–शोर–शराबा करने वाला" जो इस

तरह की गर्म इमारत में एक साथ बैठे होते है, वे उन्हें यही बुलाते है, ना ही बहुत अधिक सुंदरता कि उसकी इच्छा रखते, लेकिन भीतर क्या है! मुझे यकीन है कि यह बहुत से ह्रदयो से छिपा हुआ है, आप देखो। आप समझ रहे है? तो ठीक है।

325 बाहरी रूप से यह कुछ भी नहीं था, लेकिन सब कुछ भीतर था। एक बार इसके अंदर जाते है, तब आप इसे देखते हैं। आप इसके अंदर कैसे आते हैं; हाथ मिलाने से, जुड़ने से? नहीं। इसके अंदर जन्म लेने से। मरते हुए, अपनी पुरानी जानवर की खाल से, देखो, आपके पुराने में से छुटकारा पाते हुए, ताकि एक नए में प्रवेश करे। देखा? पुरानी जानवर की खाल को छोड़ दें।

326 तेजोमय प्रकाश नहीं करता... सुनना, सेवकों! सेवक जन, मैं चाहता हूं कि आप इसे ध्यान से सुनें। जब एक बार अंदर... अब मैं इसे बहुत ही सरलता से लेने जा रहा हूं, जिससे कि आप इसे समझकर निश्चित हो जाएंगे। एक बार पर्दे के भीतर, तेजोमय महिमा के नीचे, तेजोमय का उजियाला परमेश्वर के वचन को लेकर और यीशु को एक "भविष्य बताने वाला" होने के लिए प्रकट नहीं करता है, नहीं, जैसे आजकल विभिन्न संप्रदाय करते हैं, "मानसिक विचारों को पढ़ना, पवित्र–शोर–शराबा करने वाला, बालजबूल।" तेजोमय महिमा उसे इस प्रकार से प्रकट नहीं करती है।

327 लेकिन तेजोमय महिमा उस समय के लिए प्रतिज्ञा किए गए वचन के बीज को परिपक्व करती है, उसे दिखाते हुए कि वह अब भी घाटी की लिली है। यह उस बीज को, घाटी की लिली को, जीवन की रोटी को, अल्फा और ओमेगा को लाती है, वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वह विश्वासियों का भाग है। तेजोमय महिमा विश्वासी के लिए यह प्रकट करती है कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

328 ना ही, "वे दिन, वो बीत चुका है, और वह मर गया और यह सब समाप्त हो गया है।" इसलिए मित्रो, यदि आप यह विश्वास करते हैं, यदि आप यह विश्वास करते हैं, तो आपने कभी भी तेजोमय महिमा का अनुभव नहीं किया है। तेजोमय महिमा उसे कैसे कभी तीन व्यक्तियों में प्रकट कर सकती है? समझे? तेजोमय महिमा उसे भला कैसे कभी प्रकट कर सकती है जैसे कि लोगों को "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," के नाम में बपतिस्मा दिया जा

रहा है, जब बाईबल में कभी किसी व्यक्ति का इस तरह से बपतिस्मा लेने का उल्लेख ही नहीं है? तेजोमय महिमा उसे एक प्रेरित तक ही सीमित कैसे रख सकती है, जबकि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा हैं? समझे?

329 तेजोमय महिमा उसे प्रकट करती है। यह प्रतिज्ञा के वचन को सामने लाता है, ठीक आपके लिए। यही वो कारण है कि उसे मूसा के चेहरे को पर्दा करना था, क्योंकि मूसा में वचन था। उसने यीशु को एक नम्र छोटे मनुष्य के रूप में पर्दा किया, ताकि वे यहोवा को न देख सकें। और आज वह स्वयं को मिट्टी के बर्तनों में तेजोमय के साथ पर्दा करता है। बाहर से देखने पर ये एक पवित्र–शोर–शराबा करने वाले झुण्ड जैसे दिखते है, किसी पुरानी जानवर की खाल हो, लेकिन अंदर तेजोमय महिमा छिपी हुई है।

और यह उस भेंट की रोटी को पक्वता में लाती है जिस पर हम भोज करते हैं, और जिसके लिए हम सैकड़ों मील दूर देश भर से गाड़ी चलाकर आते हैं, समझे। यह विश्वासियों का भोजन है। यह केवल एक विश्वासी के लिए है। याद रखें, भेंट की रोटी केवल विश्वासियों के लिए थी, देखिए, भेंट की रोटी का बीज। ध्यान दे। यह क्या करता है? तेजोमय महिमा, भेंट की रोटी के ऊपर, इसे खराब होने से बचाए रखा।

330 याद रखें, वो मन्ना जो स्वर्ग से आया था, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक, ये तेजोमय महिमा में बना हुआ था। बाहर, इसमें रातों–रात कीड़े लग जाते थे, यह दूषित हो जाता। क्या यह सही है?

331 तेजोमय महिमा के बाहर, “आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए। देखो, ये सब तो कट्टरता है।” लेकिन अंदर...

332 देखो, उन्हें मिस्र के एक भंडारगृह से सूरजमुखी के बीज मिले, जिसे यूसुफ के दिनों में वहाँ रखा गया था, लगभग चार हज़ार वर्ष पहले। यूसुफ ने उन्हें भंडारगृह में रखा। उन्होंने उन्हें बोया। वे जी उठे। क्यों? क्योंकि उनमें जीवन था।

333 आज यह तेजोमय महिमा क्या है? पर्दे के उस पार जाने के लिए, यह देखने के लिए परमेश्वर कौन है जो आपके सामने खड़ा है, यह देखने के लिए परमेश्वर कौन है जो यहाँ हमारे सामने खड़ा है, वो—वो अग्नि का स्तंभ। वह मनुष्य की देह में पर्दा हुआ है। लेकिन तेजोमय क्या है, इसने क्या किया? भेंट की रोटी का बीज, वह वचन जिस पर हमें आज के दिनों में जीना है, इन प्रतिज्ञाओं के द्वारा, तेजोमय महिमा उस भेंट की रोटी

को परिपक्व करती है, उसे पूरा करती है, और इसे विश्वासी के लिए रोटी बनाती है; जो वर्ष दर वर्ष बाईबल के पन्नों में रखा गया, इस युग के लिए वचन।

334 विभिन्न संप्रदायों के लिए, यह एक ठोकर का कारण है। वे संप्रदाय, इस पर ठोकर खाते हैं। इन वर्षों के दौरान, लूथर, वेस्ली, मार्टिन लूथर, और सारे, सैंकी, फिन्नी, जॉन स्मिथ, नॉक्स, सभी इसी पर ठोकर खा गए।

335 लेकिन अंत के दिनों में इसे क्या करना है? *"प्रकट करना"* क्या होता है? "बाहर लाना!" मलाकी 4 को क्या करना है? लोगों को उस ठोकर से वापस मोड़ना है, उन रीति–रिवाजों को फाड़ना है, और तेजोमय महिमा के साथ रोटी को प्रकट करना है। इसे पक्वता में आते हुए देखे और ये ठीक वही उत्पन्न करता है जो इसने कहा था कि यह करेगा, ओह, इस युग के लिए यह भेट की रोटी है। इस संप्रदाय के लिए, एक ठोकर का कारण, "कट्टरपंथियों का एक झुंड।" लेकिन, हम जो विश्वास करते हैं!

336 लेकिन अब जैसा कि प्रकाशितवाक्य 10 में प्रतिज्ञा की गई है, "परमेश्वर के वे सारे रहस्य, जो इतने वर्षों से किताबों के पन्नों में छिपे हुए हैं, सातवें दूत के संदेश के युग में यह परिपक्व होकर सामने लाए जाएंगे।" क्या यह सही है?

उसने ठीक एक साल छह महीने पहले, यानी अब से दो साल पहले क्या कहा था? "वहां टयूसान में जाओ; टयूसान के उत्तर में, एक बहुत बड़ा विस्फोट होगा," और क्या बात जगह लेगी, "मोहरे खोली जाएंगी," वे मोहरे जो इन बातों को प्रगट करती है। जैसा उसने कहा, वापस आ जाये।

यह क्या है? यह दिखाता है कि यह मनुष्य नहीं हो सकता। यह सिद्ध रूप से पूरा होता है, बस जितना सीधा और सटीक ये हो सकता है, हर बार। यह क्या है? देखो, यह हमारे सामने परमेश्वर का हाथ है। और क्योंकि यह एक छोटे से झुण्ड में है, मनुष्य की देह में पर्दा होता है, यह बाहरी संसार के लिए पर्दा है। वह बाहरी दुनिया से पर्दा हुआ है। वह अपने आप को उन बालकों पर प्रगट कर रहा है जो सीखना चाहते हैं। देखा? वह सही है।

337 हर एक, देखिए, बाईबल में लिखा हर एक दृष्टांत, बाईबल की हर

एक प्रतिछाया, ठीक यहाँ हमारे सामने स्पष्ट रूप से प्रकट हुआ है। वही परमेश्वर, अग्नि के स्तंभ में, जिसने बाईबल को लिखा, दोनों पुराने और नए नियम में, ये ठीक यहाँ पर इसे प्रगट कर रहा है, बिल्कुल ठीक वही दिखा रहा है कि यह क्या था, ठीक उसी का वापस अनुवाद कर रहा है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए कि यह अनुवाद है।

338 "हमारे पास अनुवाद है!" तब आओ हम इसे घटित होते हुए देखें। देखिए, ऐसा ही है, आइए देखें कि यह प्रगट हुआ है।

339 प्रकटीकरण! यीशु ने कहा, "यदि मैं अपने पिता के कामों नहीं करता, तो मुझ पर विश्वास मत करो।" देखिए, इसे साबित करना होगा।

340 लेकिन अब—अब, ना ही यीशु की तरह साबित हुआ, उन्होंने एक—एक उसके सिर पर एक कपड़ा लपेटकर उसके सिर पर मारा, कहा, "यदि तू भविष्यव्यक्ता हैं, तो हमें बता कि तुझे किसने मारा।" "और यदि तू परमेश्वर का पुत्र हैं, तो इन रोटियों में बदल दे।" देखो, यही तो शैतान है। "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो वहाँ से नीचे उतर उस क्रू–... "

341 मेरा मतलब, वो प्रकाशन जो उसे करना है, यही है जो ये है। लेकिन अब, जैसा कि प्रकाशितवाक्य 10 प्रकट होता है, परमेश्वर के रहस्य प्रकट होते हैं, ज्ञात होते हैं, जैसा कि सात–मोहरों की पुस्तक में प्रतिज्ञा की गई।

अब आप उस पर विश्वास रखें जो वचन है... क्योंकि, प्रकाशितवाक्य 10 में यह कहता है...

342 या, मेरा मतलब प्रकाशितवाक्य 19। मैंने इसे यहाँ पर लिखा था, प्रकाशितवाक्य 10, इस पर जाऊँगा; लेकिन यह 10 नहीं है, यह 19 है। जब वो आता है, वो "परमेश्वर का वचन," कहलाया जाएगा, एक सफेद घोड़े पर सवारी करता है, और स्वर्ग की सेना उसके पीछे होगी।

343 शिक्षा के सांप्रदायिक पर्दे को फाड़ दे! संप्रदाय के रीति–रिवाजों के पर्दे को फाड़ दे! उन पर्दों को फाड़ दे जो उसे आपसे छिपा रहे हैं! तुम स्त्रियों, अपने अहंकार के पर्दों को फाड़ दो। आप—आप राजा की बेटियाँ हो; उसी तरह व्यवहार करो, उसी तरह से जियो। हर पर्दे को फाड़ दो, कोई फर्क नहीं पड़ता कि पीएच.डी. और एल.एल.डी. कहते हो। यदि यह उस बाईबल के विपरीत है, तो उस परदे को फाड़ दे!

क्योंकि, हमने फटे हुए पर्दे को पार किया है। अब हम दूसरी ओर हैं, दूसरी ओर। और आप देखेंगे, यदि आप बस ऐसा करेंगे, उन पुराने रीति–

रिवाज़ों और चीजों को फाड़ते है, और उसके पास आते हैं, आप उसे खड़ा हुआ देखेंगे, वो सामर्थी जय पाने वाला, इस युग के लिए प्रतिज्ञा का वचन, जो प्रगट हुआ। आप सर्वशक्तिमान परमेश्वर को बेपर्दा देखोगे, उसे हमारे बीच यहीं पर देखोगे, बेपर्दा, सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जो रीति–रिवाजों से पराजित नहीं हुआ।

344 उन्होंने उसे वहाँ छिपाने की कोशिश की; उन्होंने ऐसा कई वर्षों तक किया, लेकिन प्रतिज्ञा पूरी होने का समय निकट आ गया। एक बार परमेश्वर ने मूसा को खड़ा किया और उसने उन बच्चों को उन चीजों से आज़ाद कर दिया। और वो अब भी... उसे पराजित नहीं किया जा सकता। "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी नहीं टलेगा।" वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

345 वे कहते हैं, "इसे नहीं किया जा सकता।" लेकिन इसे किया गया था। फिर, जब इसे किया गया था, उन्होंने कहा, "यह शैतान की ओर से है।"

346 लेकिन यह परमेश्वर के वचन को जरा सा भी नहीं बदलता है। यह अब भी विश्वासी के लिए "परमेश्वर," बना रहता है, "वो सामर्थी जय पाने वाला; कल, आज और युगानुयुग एक सा है," उसके स्वभाव से, उसके वचन के द्वारा, इब्रानियों 13:8।

347 मैं यह कहते हुए बंद कर रहा हूं, क्योंकि यह बारह बजने में पांच मिनट हैं, बस यह कहते हुए। मेरे पास लगभग दस, बारह पन्ने और है। मैं इसे किसी और समय ले लूंगा, हो सकता है आज रात को।

348 ध्यान दे, इस पर ध्यान दे। वहां एक बार एक नीलामी हुई थी, और उनके पास एक पुरानी वायलिन थी। आपने इसे बहुत बार सुना होगा। एक पुराना वायलिन; और नीलाम करने वाले ने कहा, "मेरे लिए इसकी क्या बोली लगेगी?" हो सकता है कि मैं इसे कविता के अनुसार ठीक–ठीक न सुना रहा हूँ। बहुत–बहुत वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन यह अभी भी मेरे मन में आती है। और उन्होंने पुरानी वायलिन उठाई, वह दिखने में कुछ अच्छी नहीं लग रही थी; सब कुछ जर्जर सा लग रहा थी। वह यहाँ तक इस पर बोली भी नहीं लगा सका। अंत में, मैं सोचता हूं कि उसने एक डॉलर के लिए बोली लगाई, या ऐसा ही कुछ।

349 और वहां एक व्यक्ति खड़ा था उसने सोचा कि इसे उस कीमत पर नहीं बेचा जाना चाहिए, इसलिए उसने जाकर और इसे उठाया। उसने इसे

अपने हाथों में रखा, फिर उसके बजाने के कमान को उठाया और उस पर मधुर आवाज़ के लिए उस पर राल लगाई, और एक धुन को बजाया। और जब उसने ऐसा किया, तो सभी लोग रोने लगे। उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसा संगीत नहीं सुना था।

फिर नीलामीकर्ता ने कहा, "मेरे लिए इसकी क्या बोली लगेगी? "

350 "दो हजार!" "पाँच हज़ार!" "दस हज़ार!" देखा? यह क्या था? कुशल वादक के हाथ ने प्रगट किया जो उस पुराने वाद्य पर पर्दा था।

351 अब भी वही है! वह पुरानी किताब, फटी–पुरानी हो चुकी है, उस पर हंसा गया है, उसे जलाया गया है, उसका मजाक उड़ाया गया है। लेकिन समय आ गया है कि उनके पास एक संप्रदायिक नीलामी है, विश्व कलीसिया परिषद। वे इसे ऐसे बेच रहे हैं जैसे किसी के काम की नहीं है। एक संप्रदायिक नीलामी आ रही है।

352 लेकिन, याद रखें, पुरानी किताब में कुछ ऐसा है जिसकी प्रतिज्ञा की गयी कि वहां एक पहले से ठहराया हुआ होगा, नियुक्त किया हुआ हाथ एक दिन आएगा, जो इसे उठाएगा और इस पुस्तक के वचन को, एक पहले से ठहराये हुए हृदय के जरिये से ऐसा बनायेगा, उस कार्य के लिए जिसके लिए इसे बनाया गया है, उन प्रतिज्ञाओं को प्रकट करता है जो इसमें है। यह ऐसा दिख सकता है, ओह, जैसे पुराना सा पवित्र शोर मचाने वालो का एक झुण्ड, या कुछ तो और; लेकिन जब उस गुरु का हाथ, उस पर लिखे हुए वचन को लेता है, ताकि उस वचन को प्रकट करे, तो यह एक पवित्र शोर–शराबा करने वाले से कहीं अधिक बन जाता है। ये हम में से सभी के लिए ऐसा बन जाता है, क्या ऐसा नहीं है, दोस्तों? यह कोई कट्टरता का झुण्ड नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि बजाने की कमान किसके हाथ में है।

आइए हम प्रार्थना करें।

353 हमारे स्वर्गीय पिता, विश्वास के द्वारा, आज मैं पुरानी पुस्तक के गुरु को देखता हूँ, कि उन्होंने इसे रीति–रिवाजों के लिए बदल दिया है। उन्होंने इसे संप्रदायों के लिए बदल दिया है। उन्होंने इसका व्यापार करने की कोशिश की। अब वे इसका एक—एक मनुष्य के, कलीसियाओ के विश्व परिषद के लिए व्यापार कर रहे हैं, साम्यवादी, नास्तिक। नीलामी शुरू हो गई है, प्रभु।

354 परमेश्वर, आगे कदम बढ़ाए! निश्चय ही आप बढ़ायेंगे। हमारे लिए उस भविष्यव्यक्ता को भेजें, प्रभु, जो उस बजाने के कमान को उठाये, जो इस वचन को उठाये और साबित करे कि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। बहुत से, प्रभु, अपने जीवन को बेच देंगे, वे पुराने रीति–रिवाज़ों को फेंक देंगे, वे पर्दे को फाड़ देंगे। वे इसे चाहते हैं, प्रभु। वे कुछ भी दे देंगे, कुछ भी, वे बस उन्हें यीशु को देंगे।

355 प्रभु, मैं सोचता हूं कि आपने इसे अब उनके लिए साबित किया है। वे हर जगह से आते हैं। वे उनके जीवन को व्यतीत करते हैं। वे सभाओं में पहुंचने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं, वे अपनी पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि उन्होंने उस अनमोल मोती को पा लिया है। अन्य चीजें बहुत ही कम हैं। पिता, उन्हें आशीष दे।

356 इस पुलपीट पर, आज सुबह, प्रभु, रूमाल रखे हुए है। हो सकता है कि उनमें से कुछ लोगों को आज शाम की चंगाई सभा से पहले ही जाना पड़े। हे अनन्त परमेश्वर, यहाँ नीचे देखे। मैं जानता हूँ कि आप यहाँ है, आप पर्दा है। और मैं इन छोटे–छोटे पर्दे को भेज रहा हूँ, प्रभु, जिसे "रूमाल," कहा जाता है और छोटे–छोटे "कपड़े," और छोटी–छोटी "बूटियाँ" जो शिशुओं के लिए है। और मैं इन्हें छोटे–छोटे पर्दे के चिन्हों के रूप में भेज रहा हूँ, जो कि आज सुबह इस पर आपके वचन का प्रचार किया गया है, और, एक विश्वासी के रूप में, मैं अपने हाथों को उन पर रखता हूं, मेरी देह को, यह दर्शाता है कि मैं इसका विश्वास करता हूं। और, विश्वास के द्वारा, इस भवन में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति भी ऐसा ही कर रहा है, प्रभु। होने पाए बीमारों को चंगा करें।

357 आप यहां से उस—उस वचन का हाथ फेर सकते हैं, प्रभु, जैसे पुराने वायलिन वादक ने वायलिन के साथ किया, इसे वैसा ही करे, प्रभु। इसकी सही धुन को बजाने दो, गुरु के हाथ में बजाने का धनुष को लेता है, तब हम उसे पूरे दृश्य में खड़े हुए देखेंगे।

358 कैसे अवश्य ही उन लोगों ने उस दिन सोचा होगा, जब उन लोगों ने कुछ भी बोली लगाने से इंकार किया होगा, जब उन्होंने उस पुराने वायलिन के लिए कुछ बोली नहीं लगायी। वे उसे नहीं चाहते थे। वे उसे अपने घर में नहीं रखना चाहते थे। लेकिन जब एक बार उस व्यक्ति के द्वारा उठाया गया जो इसमें बजाने में निपुण हो सकता था, तब उन्होंने इसे पाने के लिए

अपना सब कुछ बेच दिया। वे इस पर विवाद कर रहे थे और लड़ रहे थे। तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

359 तो ऐसा ही एक दिन आएगा जब प्रभु की तुरही फूंकी जाएगी, समय अब और नहीं रहेगा। वे लोग जिन्होंने इसकी ओर देखा और उपहास उड़ाया, वो खुले पर्दे के सामने खड़ा हुआ था और परमेश्वर के वचन को प्रगट होते हुए देखा (*दूसरे* लोग इसके लिए चिल्लाएंगे, लेकिन जैसा कि आपने कहा, "तब बहुत देर हो जाएगी"), वे विवाह भोज में चले जाते है; और वे वहीं पर छूट गए थे जहां रोना, विलाप करना और दांतों का पीसना है।

360 पिता, आज सुबह प्रत्येक व्यक्ति को विश्वास करने में सहायता करें; स्वार्थ के हर एक पर्दे को, अविश्वास के हर पर्दे को फाड़ते हुए, और सामर्थी जयवंत को विश्वासियों के सामने बेपर्दा होते हुए देखें। क्योंकि, "देखो, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं, यहां तक कि संसार के अंत तक। थोड़ी देर रह गयी है संसार मुझे फिर कभी नहीं देख पायेगा, तो भी तुम मुझे देखोगे।" प्रभु, जैसा कि आप हमेशा से करते आए हैं, हमारे बीच स्वयं को प्रकट कीजिए। हमेशा इसी तरह से बने रहे जब तक हम आपके सामने प्रत्यक्ष रूप से नहीं होते हैं, जब *एन मॉरफे* होकर मुखौटे को बदल देते है और आप फिर से मनुष्य के पुत्र, और दाऊद के पुत्र बन जाएंगे। प्रभु, इसे यीशु मसीह के नाम में से होते हुए प्रदान करे।

जब कि हम सभी प्रार्थना में सिर झुकाए हुए है।

361 सोचता हूँ आज क्या यहाँ कोई... अंदर या बाहर ऐसा है। यहां वेदी की पुकार को किसी भी तरह से नहीं कर पायेंगे, क्योंकि जगह नहीं है। लेकिन मैं सोचता हूं, ईमानदारी से, क्या आप इसे सत्य होने का विश्वास करते हैं? क्या आप विश्वास करते हैं कि इस दिन में जिसमें हम रह रहे हैं, और यह सारी अव्यवस्था और वैज्ञानिक युग जैसा कि नूह के दिनों में था, मूसा के दिनों में था, मसीह के दिनों में था, कि परमेश्वर, हम सभी का महान पिता, वो जो उसमें जन्मा है, आज हमारे बीच में खड़ा है?

362 यह दृश्यमान अग्नि का स्तंभ, जो वैज्ञानिक रूप से साबित हुआ है, कई वर्ष पहले, जब मैं एक छोटा सा लड़का था, उसने मुझसे वहां बात की और मुझे बताया कि मैं ठीक यहीं रहूंगा, आगे क्या बात जगह लेगी। आपको इसके बारे में बताया है, और फिर यह... एक दिन नीचे नदी किनारे, सेवकाई के आरंभ होने से पहले, पहली बेदारी के समय, वह आकाश में

प्रकट हुआ, स्वयं की पहचान दी और कार्यादेश दिया। इन सभी वर्षों में मैंने इसे अपने हृदय में छिपाकर रखा है, मसीह को पर्दा किये हुए, वही अग्नि का स्तंभ जो वचन का अनुवाद करता है, जैसे प्रतिज्ञा की गई थी। हम अंतिम दिन में हैं, ठीक प्रभु के आगमन के समय में। और यदि आप स्वयं को उस पर्दे के बाहर पाते हैं, जो कि बाहर बने रहना मृत्यु है, क्या आप आज सुबह विश्वास के द्वारा कहेंगे, "परमेश्वर की सहायता के द्वारा। और प्रभु, आपकी सहायता से, मैं उस पर्दे को फाड़ना चाहता हूँ। मैं वहां अंदर जाना चाहता हूं जहां पर आप हैं, ताकि परमेश्वर के पूरे वचन को देख सकूं"?

363 मूसा बनने की कोशिश ना करे। हारून बनने की कोशिश ना करे। ऐसा ना करे। बस आप जो है वही बने रहे, लेकिन एक मसीही बने।

364 क्या आप सिर झुकाकर, परमेश्वर के सामने हाथ उठाकर और कहेंगे, "प्रभु परमेश्वर, मुझे इस पर्दे के अंदर जाने में सहायता करें"? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यही है, बस हाथों की ओर देखे!

365 जो बाहर है, याद रखे, हो सकता है कि मैं आपका हाथ कभी न देख पाऊं। इसे—इसे मेरे लिए देखना कोई अधिक मायने नहीं रखता, जो भी हो; इसे तो परमेश्वर देखता है। यह केवल, मेरे लिए, यह बस मुझे यह देखने को लगाता है कि वो—वो बीज कहीं तो गिरा है, और, लेकिन परमेश्वर सच्चे हृदय को देखता है।

366 यदि वहां कोई और भी है जिसने अपना हाथ ऊपर नहीं उठाया है, और अभी ऊपर उठाना चाहता है, अपने हाथों को उठाकर और प्रार्थना में याद करवाना चाहता है। अपने हाथ उठायें। परमेश्वर आपको आशीष दें। यह अच्छा है। परमेश्वर आपको आशीष दें।

367 पिता, आज हम प्रार्थना करते हैं कि ये लोग, प्रभु, जो अभी तक उस पर्दे में से पार नहीं गये हैं। वे वहां इस्राएल की तरह खड़े हुए हैं; वे देख रहे हैं। वे विश्वास तो करते हैं, लेकिन वे अभी तक फाड़कर इसमें कभी नहीं गये हैं, ताकि उस महान तेजोमय उजियाले को देखें, आत्मिक और भौतिक रूप से, इस हद तक है कि कैमरे की यांत्रिक आंख इसकी तस्वीर को लेती रहती है; ठीक दो हफ्ते पहले, इसकी कैमरे में फिर से तस्वीर को खींच लिया। प्रभु, आप स्वयं को प्रकट कर रहे हैं, सर्वशक्तिमान परमेश्वर

विश्वासी के सामने बेपर्दा हो रहा हैं; अविश्वासी के लिए अब भी पर्दा है, लेकिन विश्वासी के लिए बेपर्दा है।

होने पाए वे आज उसमें से होकर अंदर जाए, प्रभु, उसके महान वैभव और महिमा को देखें। होने पाए उनके ह्रदय बदल जाये इससे पहले कि हम आज रात इस कलीसिया में कभी वापस आये। होने पाए वे सब आपकी आत्मा से, आपकी उपस्थिति से भर जाये। होने पाए गुरु उस विश्वास को उठाये जो उनके पास है, इसे वचन के ऊपर रखे; होने पाए वो धुन वापस बजने लगे, "तुम संसार की बुनियाद डालने से पहले, इस पर विश्वास करने के लिए ठहराये गये हो। विश्वास रखे, मेरे बच्चे, और बच जाओ।"

368 पिता परमेश्वर, हम इन्हें अब आपके हाथों में सौंपते हैं, यह जानते हुए कि अब हम और अधिक कुछ भी नहीं कर सकते। पिता, अब ये सब आपके साथ है। मैं इन्हें आपको सौंपता हूं। आपके पुत्र यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं...
क्योंकि... पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

369 क्या आप उससे प्रेम करते है?

अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,
परामर्शदाता, शांति का राजकुमार, सर्वशक्तिमान परमेश्वर हैं वो;
वो मुझे बचाता है, मुझे सारे पाप और लज्ज़ा से दूर रखता है,
मेरा छुड़ाने वाला अद्भुत है, उसके नाम की स्तुति हो!

मैं एक समय खोया हुआ था, अब मुझे पा लिया गया है, दोष से मुक्त,
यीशु स्वतंत्रता और सम्पूर्ण उद्धार को देता है;
मुझे बचाता है, मुझे सारे पाप और लज्ज़ा से दूर रखता है,
मेरा छुड़ाने वाला अद्भुत है, उसके नाम की स्तुति हो!

ओह, अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,

परामर्शदाता, शांति का राजकुमार, सर्वशक्तिमान
परमेश्वर है वो;
ओह, मुझे बचाता है, और सारे पापों और लज्ज़ा से मुझे
दूर रखता है,
मेरा छुड़ाने वाला अद्भुत है, उसके नाम की स्तुति हो!

370 कितने लोग उसे खड़ा हुआ देख रहे हैं, सर्वशक्तिमान विजेता, वचन देहधारी हुआ, जो हमारे सामने बेपर्दा हुआ; अल्फा, ओमेगा; वो जो था, जो है और जो आने वाला है; दाऊद का मूल और वंश; जो मनुष्य का पुत्र था, परमेश्वर का पुत्र, मनुष्य का पुत्र, और दाऊद का पुत्र होगा? आप इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? हर एक युग में स्वयं को बेपर्दा करता है, विश्वासियों के लिए प्रकट करता है, अविश्वासियों से अपने आप को मनुष्य की देह में पर्दा करता है। वो एक पर्दे के पीछे छिपता हैं। होने पाए परमेश्वर हर पर्दे को फाड़ दें, और हम उसे वैसे ही देखे जैसा वो है!

यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
ओह, यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
जब वह तुम्हें आजाद करता है!

यरदन के दूसरी ओर,
अदन के मीठे खेतों में
जहां जीवन का वृक्ष खिल रहा है,
जहां मेरे लिए विश्राम है।

यीशु तोड़ देता है...

क्या आप अब यरदन को पार नहीं करना चाहते? क्या जंगल में काफी समय नहीं हो गया? आइए हम उस ओर प्रतिज्ञाओं में चले!

यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
ओह, जब उसने तुम्हें आजाद किया!

371 आइए अब अपना हाथ ऊपर उठाएं।

मैं हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा,
मैं हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा,

मैं हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा,
क्योंकि वह मुझे आजाद करता है!

372 आमीन! क्या इससे आपको अच्छा महसूस नहीं होता है? ओह, कितना अद्भुत! कितना अद्भुत, तब क्या वो अद्भुत नहीं है? आइए अब हम एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए, कहें:

यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
यीशु हर बंधन को तोड़ देता है,
ओह, यीशु हर बंधन तोड़ देता है, (परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई।)
ओह, और वह आपको आजाद करता है!

मैं हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा, (सर्वशक्तिमान परमेश्वर की!)
मैं...

"कल, आज और युगानुयुग एक सा है," बस उसने अपना रूप बदला।

... उसकी स्तुति करूंगा,
मैं हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा,
क्योंकि उसने (मुझसे सारे मत–सिद्धांतो को दूर किया हैं) मुझे... (ताकि उसके वचन पर विश्वास करूं)।

373 ओह, क्या तुम गुरु की वायलिन की धुन को नहीं सुन सकते, जो इस वचन पर वायलिन की कमान को फेर रहा है? वह कल, आज एक सा है!

मैं हमेशा, हमेशा ही उसकी स्तुति करूंगा,
मैं हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा,
मैं... (उसकी, वो वचन है!)... हमेशा, हमेशा उसकी स्तुति करूंगा, (उसने क्या किया?)
क्योंकि उसने मुझे (पर्दे के पीछे) आजाद कर दिया!

374 परमेश्वर की स्तुति हो! मैं उससे प्रेम करता हूँ। क्या आप उससे प्रेम नहीं करते? क्या यह स्वर्गीय नहीं है? मैं वचन के उन उन गुणों को पसंद करता हूं, देखो, बस पवित्र आत्मा अपने उस मधुर, नम्र तरीके से। मुझे—मुझे बस यह अच्छा लगा। ओह, जरा सोचे!

यरदन के दूसरी ओर, (मैं अब लगभग वहीं पहुँचने पर हूँ।)
मधुरता में... (अमरहार!) अदन की,... (मुझे वहां क्या मिलेगा?)
जहां वो पेड़... (जो अदन के बगीचे में था) वो खिल रहा है,
वहां मेरे लिए विश्राम है।

375 क्या आप जाना चाहते हो? वह हर बंधन को तोड़ देता है।

यीशु (हर रीति–रिवाज़) हर बंधन को तोड़ देता है,
यीशु हर बंधन को तोड़ देता है, (सभी संप्रदायों, सभी मत–सिद्धांतो के)
... हर बंधन तोड़ देता है,
ओह, जब वो तुम्हें आजाद करता है!

376 परमेश्वर की स्तुति हो! मैं बस उससे प्रेम करता हूँ। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यशायाह ने कहा, "वह परामर्शदाता हैं, शांति का राजकुमार हैं, सर्वशक्तिमान परमेश्वर हैं, सनातन का पिता, अद्भुत हैं!"

अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,
परामर्शदाता, शांति का राजकुमार, सर्वशक्तिमान परमेश्वर हैं वो;
ओह, मुझे बचाता है, और सारे पापों और लज्ज़ा से मुझे दूर रखता है,
अद्भुत है, मेरा छुड़ानेवाला, उसके नाम की स्तुति हो!

377 ओह, प्रभु! यह मेरे ह्रदय को हिलाता है। कितना अद्भुत है वो! मैं आपको बताता हूं, इसका कोई अंत नहीं है। ये, मैं तैंतीस वर्ष पहले इसमें आया, इसी तरह से महसूस करते हुए। और यदि वो आने में देर करता है, तो एक दिन मैं भी अपनी आँखें बंद कर लूंगा, मैं भी उसी तरह से चला जाऊँगा। आमीन!

अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,
वह परामर्शदाता हैं, मेरा शांति का राजकुमार, सर्वशक्तिमान परमेश्वर हैं वो;

उसने मुझे बचाता है, वह मुझे सारे पापों और लज्ञा से
बचाये रखता है,
अद्भुत है, मेरा छुड़ानेवाला! उसके नाम की स्तुति हो!

378 मैं बाकी का पूरा दिन यहीं, इसी में बना रह सकता हूं। पौलुस ने कहा, "यदि मैं गाऊँगा, तो आत्मा में गाऊँगा।" उंह–हूंह। "यदि मैं प्रचार करता हूं, तो आत्मा में प्रचार करूंगा। यदि मैं चलता हूं, तो आत्मा में चलूंगा। यदि मैं बोलता हूं, तो आत्मा में बोलूंगा।" हर एक चीज वचन और आत्मा के द्वारा किया जाए। जी हाँ, श्रीमान। आमीन! यह सारा परमेश्वर का सत्य है।

379 मैं उसे, सर्वशक्तिमान परमेश्वर को बेपर्दा होते देखता हूँ। मैं उसे मत–सिद्धांतों, संप्रदायों को पीछे हटाते हुए देखता हूं; उन—उन सन्देहवादी, शिक्षा के कार्यक्रमों को, और हर एक चीज को पीछे हटाते हुए; आगे बढ़कर, वहां खड़ा हुआ है। क्या आपको लगता है कि वे मत–सिद्धांत उस पर जय पा सकते हैं? क्या आपको लगता है कि संप्रदाय उस पर जय पा सकते हैं? क्या आपको लगता है कि विश्व परिषद उस पर जय को पा सकता है? उसने हर एक चीज पर जय को पाया, हर एक बंधन को तोड़ दिया, नरक को चीरकर खोल दिया; मोहर को तोड़ दिया, परम पवित्र स्थान में प्रवेश किया; उसने अपने आप को हमारे लिए बेपर्दा किया, वचन के रूप में, जो कल, आज और सर्वदा एक सा हैं। आमीन। मैं उससे प्रेम करता हूँ।

380 अब, जब तक आज दोपहर को नही मिलते, हम एक चीज को करना चाहते हैं, और वो यह है:

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
दुःख और शोक की संतान;
यह आपको आनंद और दिलासा देगा,
ओह, आप जहां कहीं भी जाये इसे ले जाये।

बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, (हाँ, मुझे पहले ही वे मिल गए हैं।) ओ
कितना मधुर!
धरती की आशा और... (... ? ...)

381 यदि शैतान आपको यह कहकर परीक्षा लेने की कोशिश करे कि आप सही चीज की ओर नहीं देख रहे हैं, तो उसे वचन की ओर संकेत करे,

जैसे यीशु ने किया था। देखा? देखा? आमीन!

यीशु के नाम में झुकते हुए,
उसके पैरों में दंडवत करते हुए,
स्वर्ग का राजाओं का राजा हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

बहुमूल्य नाम, (प्रिय नाम!)...
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

382 बिली लगभग छह बजे अंदर होगा, उन लोगों को प्रार्थना कार्ड देने के लिए जो प्रार्थना पंक्ति में आना चाहते हैं। मैं सोचता हूं कि हम इसे बेहतर तरीके से करें। हम ऐसा नहीं करने वाले थे, लेकिन, भीड़ होने की वजह से, बेहतर होगा कि हम ऐसा करें, आप देखना।

383 अब उसे याद रखे! उसे हमेशा अपने मन में रखे, अपने हृदय में रखे। आप जहां भी जाएं, देखो, यीशु को हमेशा अपने मन में रखें।

यीशु का नाम अपने साथ ले (अब सुनना।) आप,
हर एक फंदे से ढाल की तरह; (क्या होता है?)
जब परीक्षाएं आपके चारों ओर घेरे होती हैं, (तो आपको क्या करना चाहिए?)
बस प्रार्थना में उस पवित्र नाम का उच्चारण करें।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

384 आइये अब हम हमारे सिर को झुकाये। मैं पास्टर से पूछने जा रहा हूँ कि क्या वे आकर सभा को समाप्त करेंगे। भाई नेविल, परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई नेविल।

64-0614M परमेश्वर का बेपर्दा होना
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office

19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam

Chennai 600 034, India

044 28274560 • 044 28251791

india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings

P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.

www.branham.org